नई दिल्ली RNI No. DLHIN/2010/37009

वर्ष : 14

अंक : 44

सोमवार, 02 से 08 दिसंबर 2024

मूल्य : 5 रू प्रति

रू 250 वार्षिक

सत्ता में आने पर सभी गेस्ट टीचरों को स्थाई करेगी कांग्रेस : देवेन्द्र यादव 03

साउथ कोरिया में रक्षा मंत्री का इस्तीफा 08

NCR समाचार

जो बोल नहीं सकती, उसके हुनर की गूंज पूरे देश ने सुनी 10

प्रेजेंटेशन स्किल्स से मिलेगी कामयाबी 11

इस्माईल खान

www.ncrsamacharlive.in

BY C.R.O. TEAM

twitter-@ncrsamacharlive

भारत का नं. 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

इमरान के अपोजिट नजर आएंगी भूमि पेडनेकर 12

एक नजर

भारतीय वायुयान विधेयक पर संसद की मुहर

नई दिल्ली, एजेंसी। राज्यसभा ने गुरुवार को भारतीय वायुयान विधेयक 2024 को ध्वनिमत से पारित कर दिया। इसके साथ इसपर संसद की मुहर लग गयी। लोकसभा इसे पहले ही पारित कर चुकी है। नागर विमानन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडु ने सदन में भारतीय वायुयान विधेयक 2024 पर दो दिन में लगभग छह घंटे तक चली चर्चा का जवाब देते हुए कि विधेयक का नाम भारतीय भाषाओं के अनुरूप है। देश में विमानन क्षेत्र तेजी से बढ़ रहा है। देश के विकास के साथ इस क्षेत्र में भी वृद्धि हो रही है। देश में नये हवाई अड्डे बनाये जा रहे हैं। यह विधेयक भारतीय वायुयान अधिनियम 1934 का स्थान लेगा। श्री नायडु ने कहा कि उडान योजना ने देश में नागरिक उड्डयन क्षेत्र के परिदृश्य में भारी बदलाव हो रहा है। अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्थाओं के अनुरुप देश के उड्डयन को बनाने की जरुरत है। इसलिए यह विधेयक लाया गया है। विधेयक में यात्रियों की सुरक्षा और सुविधाओं का ध्यान रखा गया है। इसमें यात्रियों की निजता बनाये रखने का प्रबंध किया गया है। उन्होंने कहा कि ड्रोन के परिचालन और संचालन को भली भांति परिभाषित किया गया है। सरकार का उद्देश्य विमानन क्षेत्र का विकास करना है और इसमें निजी क्षेत्र का सहयोग लिया जा रहा है।

यह विधेयक केंद्र सरकार को वायुयान निर्माण, डिजाइन, मेंटेनेंस, स्वामित्व, उपयोग, परिचालन, बिक्री, निर्यात और आयात पर पूरा नियंत्रण प्रदान करता है। वायुयान से जुड़े अन्य मामलों में भी नियमन और नियंत्रण का अधिकार केंद्र सरकार का होगा। विधेयक में विमान को खतरनाक तरीके से उड़ाने, विमान में हथियार या विस्फोटक ले जाने, हवाई अड्डों के पास कूड़ा-कचरा फैलाने या जानवरों का वध करने को अपराध माना गया है। इन अपराधों के लिए तीन साल तक की कैद, एक करोड़ रुपये तक का जुमार्ना या दोनों हो सकते हैं।

मयार्दाओं को ताक पर रखकर मोदी कर रहे हैं अडानी का बचाव : प्रियंका

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने गुरुवार को कहा कि इंडिया समूह के नेता संसद में अडानी भ्रष्टाचार मुद्दे पर चर्चा की मांग कर रहे हैं लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मयार्दाओं को तार-तार करके इस उद्योगपति का बचाव कर रहे हैं।

संसद भवन परिसर में इस मुद्दे पर इंडिया समूह के सांसदों ने प्रदर्शन किया और इस दौरान श्रीमती वाड्रा ने कहा कि श्री मोदी भ्रष्टाचार का बचाव कर रहे हैं। इसी दौरान कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल ने कहा कि शून्यकाल में भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) के निशिकांत दूबे ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी और वायनाड से सांसद श्रीमती वाड्रा के साथ-साथ पूरी कांग्रेस पार्टी के खिलाफ बेहद अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया, जो पूरी तरह से अस्वीकार्य है।

श्रीमती वाड्रा ने कहा, देश की जनता चाहती है कि अडानी महा घोटाले पर संसद में चर्चा हो। इंडिया समूह के सभी दल संसद में चर्चा की मांग कर रहे हैं लेकिन नरेन्द्र मोदी जी और सरकार लगातार चर्चा से भाग रहे हैं। सारी मयार्दाओं को तार-तार करते हुए प्रधानमंत्री जी जिस तरह अडानी के भ्रष्टाचार का बचाव कर रहे हैं, वह बेहद हैरान करने वाला है। आज साथी सांसदों के साथ इस मुद्दे पर संसद परिसर में प्रदर्शन किया।

फडणवीस ने ली महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद की शपथ

एकनाथ शिंदे, अजित पवार ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली

- महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन ने 288 में से 235 सीटों पर विजय हासिल की थी

एनसीआर समाचार

मुंबई। महाराष्ट्र के नए मुख्यमंत्री के रूप में दिग्गज भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने गुरुवार को शपथ ली। मुंबई के ऐतिहासिक आजाद मैदान में राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत भाजपा और एनडीए के कई दिग्गज नेता मौजूद रहे।

देवेंद्र फडणवीस के साथ शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष अजित पवार ने उपमुख्यमंत्री के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ ली।

शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री के अलावा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा समेत कई प्रदेशों के मुख्यमंत्री मौजूद थे। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान समेत कई केंद्रीय मंत्री भी समारोह में मौजूद थे। बॉलीवुड हस्तियों में शाहरुख खान, सलमान खान, संजय दत्त, रणबीर कपूर, रणवीर सिंह और माधुरी दीक्षित भी शपथ ग्रहण कार्यक्रम के लिए पहुंचे थे। दिग्गज क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर भी समारोह में शामिल हुए।

महाराष्ट्र भाजपा विधायक दल के नेता के रूप में फडणवीस के नाम पर बुधवार को मुहर लगाई गई थी। इसके बाद, फडणवीस, शिंदे और पवार ने 4 दिसंबर को राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन से मिलकर महायुति सरकार बनाने का दावा पेश किया था।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन ने शानदार जीत दर्ज की थी। उसने 288 में से 235 सीटों पर विजय हासिल की थी। यह परिणाम भाजपा के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ, जो 132 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। वहीं, विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) को बड़ा झटका लगा, जिसमें कांग्रेस को सिर्फ 16 सीटें मिली थीं। गठबंधन सहयोगी शिवसेना (यूबीटी) ने 20 सीटें जीतीं, जबकि एनसीपी (शरद पवार गुट) को सिर्फ 10 सीटें मिली थीं।

शपथग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्री और कई फिल्मी सितारे हुए शामिल

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय मंत्री अमित शाह, नितिन गडकरी और राजनाथ सिंह, राजग शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और उद्योग तथा फिल्म जगत की कई प्रमुख हस्तियां बृहस्पतिवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के रूप में देवेंद्र फडणवीस के शपथग्रहण समारोह में शामिल हुईं। भाजपा नेता फडणवीस ने आज शाम दक्षिण मुंबई के विशाल आजाद मैदान में आयोजित एक भव्य समारोह में तीसरी बार राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। शिवसेना अध्यक्ष एकनाथ शिंदे और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख अजित पवार ने उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। समारोह में योगी आदित्यनाथ (उत्तर प्रदेश), नीतीश कुमार (बिहार), चंद्रबाबू नायडू (आंध्र प्रदेश), पुष्कर सिंह धामी (उत्तराखंड), नायब सिंह सैनी (हरियाणा), भूपेंद्र पटेल (गुजरात) और प्रमोद सावंत (गोवा) सहित राजग शासित कई राज्यों के मुख्यमंत्री भी शामिल हुए। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा, केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण, शिवराज सिंह चौहान, ज्योतिरादित्य सिंधिया और रामदास आठवले भी इस कार्यक्रम में मंच पर मौजूद थे। उद्योगपति मुकेश अंबानी और कुमार मंगलम बिड़ला तथा अभिनेता शाहरुख खान, सलमान खान, रणबीर कपूर, माधुरी दीक्षित-नेने, संजय दत्त और क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर भी समारोह में उपस्थित थे।

विनेश फोगाट ने दिल्ली कूच के लिए किया किसानों का समर्थन

एनसीआर समाचार

जींद, एजेंसी। हरियाणा के जींद जिले की जुलाना सीट से कांग्रेस विधायक विनेश फोगाट ने छह दिसंबर को प्रस्तावित 'दिल्ली कूच' के लिए किसानों का समर्थन किया और कहा कि यह सिर्फ प्रदर्शन नहीं बल्कि अन्याय के खिलाफ आंदोलन है।

विनेश फोगाट ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, पिछले नौ महीने से किसान हमारे देश का सड़कों पर है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मानी हुई मांगों को क्यों पूरा नहीं कर रही है। भारत के किसानों का संघर्ष केवल उनकी आजीविका का नहीं, बल्कि देश के हर नागरिक के भविष्य का सवाल है।

उन्होंने कहा, फसल का मूल्य तय करने वाले न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी के बिना हमारे अन्नदाता हर साल घाटे और कर्ज के जाल में फंसते जा रहे हैं। विनेश ने भाजपा को चेतावनी देते हुए कहा कि अब किसान चुप नहीं बैठने वाले हैं क्योंकि किसान अडिग हैं इसलिए आंदोलन जारी है।

उन्होंने पोस्ट में कहा, छह दिसंबर को लाखों किसान अपने हक और सम्मान की लड़ाई के लिए दिल्ली कूच करेंगे। यह सिर्फ एक प्रदर्शन नहीं, बल्कि अन्याय के खिलाफ एक जनांदोलन है।

विनेश ने पोस्ट में केंद्र की सत्तारूढ़ सरकार से पूछा, कर्ज से दबे किसान आत्महत्या क्यों कर रहे हैं?, एमएसपी की मांग क्यों अनसुनी की जा रही है?, अन्नदाता आज भी मेहनत का दाम क्यों नहीं पा रहे हैं? उन्होंने किसानों को समर्थन देने के साथ जनता से भी इस आंदोलन से जुड़ने की अपील की है।

शंभू बॉर्डर पर किसानों की हलचल तेज

पुलिस ने सीमेंट के पिलरों से लगाए बैरिकेंडिंग

शंभू बॉर्डर, एजेंसी। शंभू बॉर्डर पर बड़ी संख्या में किसान धरने पर बैठे हैं। वे शुक्रवार 6 दिसंबर को दोपहर 12 बजे दिल्ली के लिए पैदल मार्च शुरू करेंगे। इससे दो दिन पहले ही अंबाला पुलिस ने शंभू बॉर्डर पर धारा 144 लागू कर दी है। गुरुवार को शंभू बॉर्डर पर किसानों की तेज हलचल के बीच हरियाणा पुलिस ने जेसीबी की मदद से सीमेंट से बड़े-बड़े पिलरों से बैरिकेडिंग कर दी है। साथ ही नोटिस भी चस्पा किए हैं। सरकार का किसानों को संदेश है कि दिल्ली जाकर धरना करने की उन्हें परमिशन नहीं मिलेगी। ऐसे में उन्हें हरियाणा में भी दाखिल नहीं होने दिया जाएगा।

शंभू बॉर्डर पर दिल्ली-जालंधर नेशनल हाईवे को ब्लॉक करके हरियाणा पुलिस और पैरामिलिट्री फोर्सेज के जवान पक्का नाका लगाकर बैठे हुए हैं। इलाके पर सुरक्षा भी बढ़ाई गई है और वॉटर कैनन के साथ ही जवानों की संख्या बढ़ाकर पंजाब से हरियाणा की ओर आने वाले किसानों को रोकने की तैयारी पुख्ता कर ली गई है। प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि प्रदर्शन और पैदल मार्च पर दोबारा विचार करें। पैदल मार्च के लिए पहले दिल्ली पुलिस से मंजूरी लेना जरूरी है।

किसानों को दो टूक

अंबाला उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने बताया कि किसानों के दिल्ली कूच के संबंध में किसान संगठनों को दिल्ली में प्रदर्शन या आंदोलन के लिए दिल्ली पुलिस की अनुमति लेना होगी। अनुमति मिलने पर उपायुक्त कार्यालय अंबाला को सूचित करना भी जरूरी है। पत्र जारी कर किसानों को हिदायत दी गई है कि दिल्ली कूच की अनुमति नहीं मिली है तो वे धारा 144 का उल्लंघन न करें। स्थानीय प्रशासन ने पहले ही भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 लागू कर दी है, जिससे जिले में पांच या उससे अधिक लोगों के इकट्ठा होने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

वहीं, शंभू बॉर्डर पर दिल्ली कूच के कार्यक्रम को लेकर तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। दिल्ली कूच करने वाले जत्थे में कौन-कौन से सदस्य होंगे, इस पर मंथन चल रहा है।

बॉर्डर पर सख्ती से किसान नेता नाराज

किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने कहा उन्हें अभी कोई चिट्ठी नहीं मिली है, लेकिन इससे लगता है कि सरकार उन्हें दिल्ली नहीं जाने देना चाहती। दिल्ली रोज लाखों लोग जाते हैं, वो क्या अनुमति लेकर जाते हैं ? हमने दिल्ली कूच की अनुमति मांगी है, लेकिन उन्होंने फिलहाल अनुमति नहीं दी है। सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि शुक्रवार को 101 किसानों का जत्था पंजाब-हरियाणा के शंभू बॉर्डर से दिल्ली की ओर कूच करेगा।

झारखंड कैबिनेट विस्तार, 11 मंत्रियों ने ली शपथ

हेमंत सोरेन सरकार में शामिल हुए 6 नए चेहरे

रांची (झारखंड)। झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार का गुरुवार को कैबिनेट विस्तार हुआ जिसमें 11 मंत्रियों ने शपथ ली। राज्यपाल संतोष गंगवार ने राजभवन में आयोजित समारोह में सभी नवनियुक्त मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।

इन मंत्रियों में झारखंड मुक्ति मोर्चा से दीपक बिरुआ, रामदास सोरेन, हफीजुल हसन, सुदिव्य कुमार सोनू, योगेंद्र महतो और चमरा लिंडा शामिल हैं। कांग्रेस से दीपिका पांडेय सिंह, इरफान अंसारी, राधाकृष्ण किशोर और शिल्पी नेहा तिर्की को मंत्री बनाया गया है जबकि राष्ट्रीय जनता दल से संजय प्रसाद यादव को कैबिनेट में जगह दी गई है।

इन मंत्रियों से पहले राज्यपाल ने झामुमो के वरिष्ठ विधायक स्टीफन मरांडी को विधानसभा के प्रोटेम स्पीकर के तौर पर शपथ दिलाई गई। राजभवन के अशोक उद्यान में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में सीएम हेमंत सोरेन, कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और झारखंड प्रभारी गुलाम अहमद मीर, राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय महासचिव जयप्रकाश नारायण यादव सहित कई महत्वपूर्ण लोग उपस्थित रहे।

नवगठित कैबिनेट में छह नए और पांच पुराने चेहरे हैं। नए मंत्रियों में राधाकृष्ण किशोर, सुदिव्य सोनू, चमरा लिंडा, योगेंद्र प्रसाद, शिल्पी नेहा तिर्की और संजय यादव शामिल हैं। हालांकि राधाकृष्ण किशोर पहले बीजेपी की सरकार में कुछ दिनों के लिए मंत्री रह चुके हैं। सत्तारूढ़ गठबंधन में इस बार आठ महिलाएं चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंची हैं। इनमें से दो को कैबिनेट में जगह मिली है। कैबिनेट में राज्य के पांचों प्रमंडलों को प्रतिनिधित्व दिया गया है। संताल परगना से सर्वाधिक चार मंत्री बनाए गए हैं। कोल्हान, दक्षिणी छोटानागपुर और उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल से दो-दो और पलामू प्रमंडल से एक विधायक को मंत्रिमंडल में जगह मिली है। सरकार ने मंत्रिमंडल में विभिन्न समुदायों को प्रतिनिधित्व देकर सामाजिक-राजनीतिक समीकरणों को साधने का प्रयास किया है। अनुसूचित जनजाति से चार, अनुसूचित जाति से एक, ओबीसी से तीन, अल्पसंख्यक समुदाय से दो और सवर्ण समुदाय से एक विधायक को प्रतिनिधित्व दिया गया है। भाकपा माले ने मंत्रिमंडल से बाहर रहने का फैसला किया था। हेमंत सोरेन की पिछली सरकार के सात मंत्री इस बार कैबिनेट में नहीं दिखेंगे। पूर्व की सरकारों में सबसे बुजुर्ग मंत्री रहे रामेश्वर उरांव को इस बार जगह नहीं मिल पाई। चार पूर्व मंत्री बेबी देवी, बन्ना गुप्ता, मिथिलेश ठाकुर और बैद्यनाथ राम चुनाव हार गए। जबकि सत्यानंद भोक्ता इस बार चुनाव नहीं लड़ पाए। वहीं चंपाई सोरेन पहले ही सत्तारूढ़ गठबंधन को अलविदा कहकर भाजपा में शामिल हो गए थे।

हेमंत सोरेन ने 28 नवंबर को मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। झारखंड की 81 सदस्यीय विधानसभा में सोरेन के नेतृत्व वाले चार दलों के गठबंधन ने 56 सीटों पर जीत हासिल की थी। झारखंड मुक्ति मोर्चा को 34, कांग्रेस को 16, राजद को चार और भाकपा (माले) को दो सीटें मिली थीं।

सुप्रीम कोर्ट ने दी दिल्ली में वायु प्रदूषण से निपटने के उपायों में सशर्त ढील की अनुमति

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में गंभीर स्तर के वायु प्रदूषण से निपटने के उपायों में कुछ शर्तों के साथ ढील देने गुरुवार को अनुमति दे दी।

न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) की गुहार पर ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (जीआरएपी) के चरण-4 से 2 तक नीचे जाने की अनुमति दी। न्यायालय ने हालांकि सीएक्यूएम से कहा कि उसे चरण 3 से कुछ अतिरिक्त अतिरिक्त उपाय लागू करने होंगे।

शीर्ष अदालत ने अपने आदेश में स्पष्ट करते हुए कहा कि जब वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 350 से ऊपर जाने की स्थिति में हो तो एहतियातन जीआरएपी चरण 3 तुरंत लागू करना होगा। अगर किसी दिन एक्यूआई 400 को पार करे तो जीआरएपी चरण 4 को फिर से लागू किया जाएगा।

शीर्ष अदालत ने पिछली सुनवाई के दौरान वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग की ढील देने संबंधी गुहार ठुकरा दी थी।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के स्कूलों को प्रदूषण के कारण बंद करने के फैसले की समीक्षा करते हुए नियमों में ढील देने पर विचार करने का उसने आदेश दिया।

पीठ ने तब आयोग से कहा था कि उसे अपने पिछले फैसले की समीक्षा करनी चाहिए, क्योंकि कई छात्र मध्याह्न भोजन की सुविधा से वंचित होने के साथ ही कई जरूरी सुविधाओं के अभाव में पढ़ाई नहीं कर पा रहे हैं। उनके घरों में हवा साफ करने वाले कोई यंत्र नहीं है।

भारत से दुश्मनी और पाकिस्तान से दोस्ती के लिए बेचैन है बांग्लादेश की यूनुस सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक पर एक बार हिंसा बढ़ गई है। शेख हसीना सरकार की तख्तापलट के बाद से बांग्लादेश में हिंदुओं पर लगातार हमले हो रहे हैं। इतिहास में जाएं तो बांग्लादेश में बढ़ती हिंसा के कारण से ही भारत ने हस्तक्षेप किया था। जिसके बाद पूर्वी पाकिस्तान नाम की जगह खत्म हो गई और बांग्लादेश का उदय हुआ। एक बार फिर हिंसा की आग में बांग्लादेश झुलस रहा है। सरकार के फैसले भी यही संकेत दे रहे हैं कि बांग्लादेश पूर्वी पाकिस्तान बनने की राह पर है। पाकिस्तान से बढ़ती नजदीकियां भी यही इशारा कर रही हैं।

बांग्लादेश का रवैया भारत के प्रति अच्छा नहीं है। बांग्लादेश लगातार भारत विरोधी कदम उठा रहा है और पाकिस्तान से दोस्ती के लिए खुद का नुकसान करने से भी पीछे नहीं हट रहा है। इसी साल सितंबर में पाकिस्तान ने घोषणा की थी कि बांग्लादेशी बिना किसी वीजा शुल्क के पड़ोसी देश की यात्रा कर सकेंगे। इसके बाद अंतरिम सरकार ने बांग्लादेशी वीजा के लिए आवेदन करने से पहले पाकिस्तानी नागरिकों के लिए सुरक्षा मंजूरी प्राप्त करने की आवश्यकता को हटा दिया है। और अब बांग्लादेश ने भारत से अपने 2 राजनियक को वापस बुला लिया है। खबर है कि बांग्लादेश ने भारत से अपने दो राजनयिक को वापस बुलाया है। यह फैसला बांग्लादेश ने तब लिया है जब दोनों देश के बीच तनाव बढ़ रहा है। हालात ये हैं कि बांग्लादेश ने पश्चिम बंगाल और त्रिपुरा से अपने दो राजनयिक को वापस बुलाया है। इधर भारत के साथ तनाव के बीच बांग्लादेश दुनिया को साधने चला है। बांग्लादेश के चीफ एडवाइजर मोहम्मद यूनुस 27 यूरोपियन देशों के राजनयिकों से मिलेंगे। यूनुस 9 दिसंबर को ढाका में यूरोपियन देशों के राजनयिकों से मिलेंगे। 27 यूरोपियन देशों राजनयिकों में 20 राजनयिक दिल्ली में मौजूद हैं जबकि 7 ढाका में। बैठक का मकसद बांग्लादेश और यूरोपियन देशों के बीच सहयोग को बढ़ाना है। मालूम हो कि हाल ही में त्रिपुरा की राजधानी अगरतला में बांग्लादेश के राजनयिक मिशन में तोड़फोड़ हुई थी। बाद में इस मामले में 7 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। कैम्पस में घुसपैठ के मामले में 4 पुलिस अफसरों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई थी। वहीं, बांग्लादेश में भारतीय उच्चायुक्त को तलब कर घटना का विरोध जताया गया था। साथ ही बांग्लादेश ने अगरतला में अपनी काउंसलर सर्विस भी बंद करने का ऐलान किया था। अब बांग्लादेश ने त्रिपुरा से अपने डिप्लोमेट को वापस बुला लिया है।

लोजपा सांसद ने कहा, बिहार के विकास के लिए वापस लौटें बिहारी छात्र

मुंगेर । बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए राजनीतिक पार्टियों ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है। एनडीए में शामिल लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) भी जिला स्तर पर पार्टी को मजबूती प्रदान करने में जुटी है। लोजपा सांसद भी इन कार्यक्रमों में शामिल हो रहे हैं। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) से सांसद अरुण भारती मुंगेर जिले में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए पहुंचे। कार्यक्रम में उन्होंने जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर की तारीफ की। उन्होंने कहा कि हम लोग बिहार से दूर जाकर पढ़े और अब अपने क्षेत्र और राज्य के लिए कुछ करना चाहते हैं। आने वाले समय में हम चाहते हैं कि जो भी बिहारी छात्र बाहर पढ़ने गए थे, वहां नौकरी या फिर व्यापार कर रहे हैं, वह बिहार जरूर लौटें। यहां आकर वह यह जरूर सोचें कि हम अपने क्षेत्र में विकास के लिए कौन-कौन से कार्य कर सकते हैं। जहां तक संभव हो उस काम को धरातल पर उतार सकें। उन्होंने कहा, किशोर बिहार के रहने वाले हैं। वह अब अपना पूरा समय बिहार को दे रहे हैं। प्रशांत किशोर ने कहा था कि उनका पूरा फोकस अब बिहार पर रहेगा। वह बिहार को अन्य राज्यों की तरह प्रगति करते हुए देखना चाहते हैं। इसी कड़ी में उन्होंने ऐलान किया है कि जनसुराज पार्टी बिहार का आगामी विधानसभा चुनाव लड़ेगी। वहीं, पीके नाम से मशहूर प्रशांत किशोर बिहार की एनडीए सरकार के साथ ही साथ आरजेडी नेता तेजस्वी यादव पर भी जमकर बरस रहे हैं। प्रशांत कई बार कई मंचों से कह चुके हैं कि 9वीं फेल नेता कभी बिहार की प्रगति नहीं कर सकता है।

गांधी के परिवार ने देश के लिए अपनी कुर्बानी दी : प्रमोद तिवारी

नई दिल्ली । राज्यसभा सदस्य और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रमोद तिवारी ने भाजपा सांसद संबित पात्रा की उस टिप्पणी पर घोर आपत्ति जाहिर की हैं, जिसमें उन्होंने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर देशद्रोह का आरोप लगाया था। वहीं किसानों और उन्हें रोकने के लिए प्रशासन की तरफ से लगाई गई बैरिकेडिंग को लेकर कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने कहा, यह केंद्र सरकार की क्रूरता है। जब तीन साल पहले करीब 700 किसानों की शहादत हुई थी, तब उन्होंने खुद ही समझौता किया था। न्यूनतम समर्थन मूल्य के लिए पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार के कृषि मंत्री एवं किसानों के बीच समझौता हुआ था। लेकिन अगर वे आज मुखर रहे हैं, तब यह विश्वासघात है। भाजपा प्रवक्ता पात्रा के राहुल गांधी को देशद्रोही बोलने और देश का नैरेटिव खराब करने के सवाल पर कांग्रेस नेता तिवारी ने कहा, जिन्होंने अंग्रेजों की मुखबिरी की और अंग्रेजों की फौज में भर्ती होने का पत्र लिख रहे थे, उन्ही संगठनों के राजनीतिक दल के सदस्य पात्रा ने ये घटिया आरोप लगाया है। याद कर लें कि देशद्रोह करने का काम भाजपा के मातृ संगठन ने किया था। राहुल गांधी के परिवार ने देश के लिए अपनी कुर्बानी दी। उनके खून में देश के लिए कुछ कर गुजरने की तमन्ना है। वहीं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संभल और बांग्लादेश के हालात पर 500 साल पहले बाबर के समय से तुलना करने पर कांग्रेस नेता ने कहा, भाजपा डीएनए पर नहीं जाए। वरना आजादी के समय या उससे पहले जो किया, कहीं डीएनए टेस्ट हो तब भाजपा का डीएनए ही बाबर और औरंगजेब से नहीं निकाल आए।

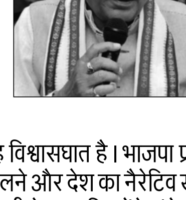

महिला पुलिस अधिकारी को धमकाने के मामले में मंत्री किरोड़ीलाल मीणा के खिलाफ एफआईआर

जयपुर । राजस्थान में भजनलाल सरकार का अंदरूनी झगड़ा अब विवाद का रूप लेता जा रहा है। भाई जगमोहन मीणा के दौसा से चुनाव हारने पर भीतरघात का आरोप लगाने के बाद से ग्रामीण विकास एवं कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा नाराज चल रहे हैं। अब मंत्री के महिला थानेदार कविता शर्मा को धमकाने के मामले में पुलिस ने मंत्री रिपोर्ट लिख दी है। बीते मंगलवार देर रात हुए घटनाक्रम की रिपोर्ट डालने के बाद सीनियर अधिकारियों को इसकी जानकारी दी गई है और मंत्री पर राजकार्य में बाधा डालने का आरोप लगा है। वहीं, मंत्री मीणा ने भी महेशनगर पुलिस थाने की सीआई कविता शर्मा पर फर्जी तरीके से नौकरी हासिल करने का आरोप लगाया है। दरअसल, महावीर नगर में एसआई भर्ती परीक्षा रद्द करने की मांग करने वाले छात्र नेताओं को पुलिस गिरफ्तार करने गई थी। तभी छात्र नेता विकास विधूड़ी ने मंत्री मीणा को कॉल सूचना दी। मौके पर पहुंचे मंत्री किरोड़ीलाल महिला थानेदार पर ही भड़के और उन्हें खूब खरी खोटी भी सुनाई। यही नहीं, मंत्री के साथ आए लोग पुलिस की गाड़ी से एक युवती को भी उतार अपने साथ ले गए। घटनाक्रम के बाद सुबह किरोड़ीलाल मीणा ने पूरे मामले की शिकायत गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम से की और सीआई को हटाने की मांग की। जबकि सीआई कविता शर्मा का कहना है कि वे उच्च अधिकारियों के निर्देश पर कार्रवाई कर रही थीं और अपनी ड्यूटी निभाने में लगी थीं।

दिल्ली में एनओ2 का स्तर बढ़ने से अस्पताल जाने के मामले बढ़ेः नड्डा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा दिल्ली में पांच स्थानों पर किए गए एक अध्ययन में पता चला है कि नाइट्रोजन डाईऑक्साइड (एनओ2) जैसे यौगिकों के स्तर में वृद्धि के साथ लोगों को सांस लेने में घरघराहट पैदा होने तथा आपात स्थिति में अस्पताल जाने के मामलों में वृद्धि देखी गई है।

उन्होंने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। मंत्री पे कहा कि सरकार ने वायु प्रदूषण पर एक स्वास्थ्य परामर्श जारी किया है और वायु प्रदूषण के मुद्दों के समाधान के लिए कई कदम भी उठाए हैं। नड्डा ने कहा कि भारत सरकार ने 1,561 'प्रेशर स्विंग एड्शॉर्पशन' (पीएसए) ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्रों को मंजूरी दी है। उन्होंने कहा कि देश में पीएम केयर्स फंड के तहत 1,225 पीएसए संयंत्रलगाए गए हैं। उनका कहना था कि इसके अतिरिक्त, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, बिजली, कोयला, रेल मंत्रालयों के तहत आने वाले सार्वजनिक उपक्रमों द्वारा अब तक 336 पीएसए संयंत्र स्थापित किए गए हैं।

बंगाल को बर्बाद करने में तुली ममता बनर्जी, भाजपा आईटी सेल प्रमुख का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर आरोप लगाया कि वे प्रदेश को बर्बाद करने में तूली हुई हैं। भाजपा आईटी सेल के प्रमुख ने अपनी बात को साबित करने के लिए एक आंकड़ा भी साझा किया। भाजपा नेता ने बंगाल से जुड़े कुछ चौंकाने वाले आंकड़े साझा कर कहा, बंगाल भारत में करीब 67 फीसदी केरोसिन की खपत करता है और यह स्थिति एलपीजी के पर्याप्त आपूर्ति के बावजूद बनी हुई है। उन्होंने सवाल उठाया, 'क्या कारण हो सकता है? गरीबी, कालाबाजारी या बड़ी संख्या में अवैध प्रवासी, सत्तारूढ़ टीएमसी के लिए वोट बैंक के रूप में दोगुना हो रहे हैं?' उन्होंने कहा, 'कारण चाहे जो भी हो। लेकिन, इस बात को खारिज नहीं किया जा सकता है कि ममता अपने पीछे एक बर्बाद राज्य छोड़ रही हैं।

उल्लेखनीय है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद समिक भट्टाचार्य ने राज्यसभा में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री सुरेश गोपी से मुद्दे को लेकर सवाल पूछे थे। मालवीय ने इसी प्रश्न को आधार बनाकर यह प्रतिक्रिया दी।

दरअसल, भाजपा सांसद भट्टाचार्य ने सवाल किया था कि क्या बंगाल देश में सबसे अधिक मात्रा में केरोसिन की खपत करता है? क्या सरकार ने दावे का संज्ञान लिया है कि केरोसिन का सेवन बड़े पैमाने पर बांग्लादेशी घुसपैठियों द्वारा किया जाता है? इस तरह के दुरुपयोग को रोकने और इच्छित लाभार्थियों को यह सुनिश्चित करने के लिए निगरानी और वितरण में सुधार के लिए क्या उपाय लागू किए जा रहे हैं।

इन सभी सवालों के जवाब में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री मंत्री सुरेश गोपी ने बताया कि भारत सरकार खाना पकाने के उद्देश्य से तिमाही आधार पर बंगाल सहित अन्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत मिट्टी के तेल का आवंटन करती है। वर्ष 2023-24 के दौरान विभिन्न राज्यों/ केंद्र शासित प्रदेशों को पीडीएस एसकेओ का आवंटन अनुबंध में दिया गया है।÷

उन्होंने कहा, 'वर्ष 2023-24 के दौरान, बंगाल राज्य को 7,04,016 केएल पीडीएस एसकेओ आवंटित किया गया था, जो देश भर के राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों को किए गए 10,60,524 केएल के कुल आवंटन का 66.38 फीसदी है। भारत सरकार ने समय-समय पर संशोधित केरोसिन (उपयोग पर प्रतिबंध और अधिकतम कीमत का निर्धारण) आदेश 1993 जारी किया है, जिसमें सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत केरोसिन की बिक्री केवल खाना पकाने और रोशनी के प्रयोजनों के लिए पात्र उपभोक्ताओं तक सीमित कर दी गई है।

बाबा सिद्दीकी से पहले हिट लिस्ट में थे अभिनेता सलमान खान

मुंबई। पिछले कई महीनों से बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान को लगातार जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। सलमान खान को लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जान से मारने की धमकी मिल रही है। इतना ही नहीं बिश्नोई गैंग द्वारा सलमान खान के घर पर फायरिंग भी की गई थी। सलमान खान के बेहद करीबी दोस्त और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी को बिश्नोई गैंग के तीन शूटरों ने मुंबई में गोली मार दी थी। इसके बाद सोशल मीडिया पर बिश्नोई गैंग की ओर से एक पोस्ट शेयर कर इस हत्या की जिम्मेदारी ली गई। बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले में अब तक पुलिस ने 26 लोगों को गिरफ्तार किया है। इस बीच खबर है कि बाबा सिद्दीकी मामले में गिरफ्तार आरोपियों ने अब एक बड़ा और चौंकाने वाला खुलासा किया है। आरोपी ने कहा कि बाबा सिद्दीकी से पहले उसका टारगेट सलमान खान थे। हालांकि कड़ी सुरक्षा के चलते वे सलमान खान पर गोली नहीं चला सके। उसने कई बार सलमान खान पर गोली चलाने की कोशिश की। लेकिन सलमान खान के आसपास भारी सुरक्षा के कारण यह संभव नहीं हो सका। बता दें कि सलमान खान को पिछले कुछ दिनों से बिश्नोई गैंग से जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। सलमान कड़ी सुरक्षा के बीच अपनी फिल्मों की शूटिंग कर रहे हैं। लगातार मिल रही धमकियों के चलते उनकी सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

वक्फ संशोधन विधेयक पर चर्चा करने अब तक दिल्ली में 28 बैठकें हुईं: जगदंबिका पाल

*** बैठकों में इस्लामिक विद्वानों, न्यायाधीशों, वाइस चांसलर्स और अन्य साथी स्तंभ शामिल हुए**

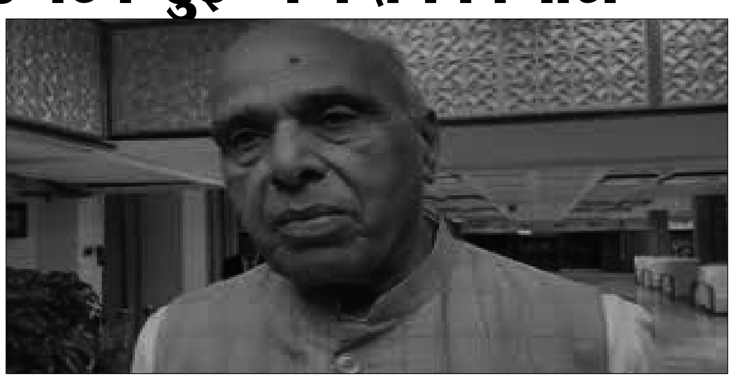

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में वक्फ संशोधन विधेयक पर जेपीसी की संयुक्त समिति की गतिविधियों का जायजा लेते हुए अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने बताया कि इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर 28 बैठकें आयोजित की गई हैं। यहां विभिन्न राज्यों से आए प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की जा रही है। जेपीसी ने इस संशोधन पर सभी पक्षों की राय लेने के लिए विभिन्न राज्यों का दौरा किया है। मुख्य धारा में वक्फ संशोधन विधेयक को गहरी समझने के उद्देश्य से बैठकों में इस्लामिक विद्वानों, न्यायाधीशों, वाइस चांसलर्स और अन्य साथी स्तंभों को शामिल किया गया है। साथ ही विभिन्न मंत्रालयों के प्रतिनिधि और अल्पसंख्यक संगठनों के प्रतिनिधियों से भी चर्चा की जा रही है। जगदंबिका पाल ने बताया कि वक्फ संशोधन विधेयक के सभी पहलुओं पर गहरी चर्चा की जा रही है और सरकार चाहती है कि इस विधेयक से जुड़े सभी मामलों पर विस्तार से विचार किया जाए। जेपीसी का मुख्य लक्ष्य देशभर से विभिन्न मुद्दों पर राय लेना और सभी पक्षों की चिंताएं समझना है। इसके अतिरिक्त संसदीय समिति की बैठक में अल्पसंख्यक मंत्रालय के अधिकारियों ने भी अपने पक्ष को साझा किया। पाल ने पिछले हफ्ते लोकसभा समिति के कार्यकाल को बढ़ाए जाने के प्रस्ताव की मंजूरी दी थी, जिससे यह स्पष्ट होता है कि वक्फ संशोधन विधेयक पर गहरी चर्चा की जा रही है। वक्फ संशोधन विधेयक 2024 पर संसदीय समिति के विचारों और सुझावों की प्रक्रिया तेजी से बढ़ रही है, जिससे इस महत्वपूर्ण विधेयक के बारे में समस्त पक्षों की दृष्टि स्पष्ट हो सके।

भाजपा वाले कुछ भी कहें, राहुल गांधी के लिए देश से बढ़कर कुछ नहीं : प्रियंका गांधी

भिवाड़ी (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को ''देशद्रोही'' कहे जाने पर शुक्रवार को कहा कि सत्तारूढ़ दल के लोग कुछ भी कहें, उन्हें फर्क नहीं पड़ता क्योंकि उनके भाई के लिए देश से बढ़कर कुछ नहीं है।

उन्होंने कहा कि जो लोग देश की आजादी के लिए 13 साल जेल में काटने वाले पंडित जवाहरलाल नेहरू और पाकिस्तान के दो टुकड़े करने वाली इंदिरा गांधी को 'देशद्रोही' कह सकते हैं, उनके लिए राहुल गांधी के लिए इस शब्द का इस्तेमाल करना कोई नई बात नहीं है।

प्रियंका गांधी ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, ''जो लोग आजादी की लड़ाई में 13 साल जेल में रहने वाले जवाहरलाल नेहरू जी को देशद्रोही कह सकते हैं, जो पाकिस्तान के दो टुकड़े करने वाली और शहीद हुईं इंदिरा जी को देशद्रोही कह सकते हैं, जो राजीव गांधी जी को देशद्रोही कह सकते हैं, वो अगर राहुल जी के लिए ऐसा कह रहे हैं, तो कोई नई बात नहीं है।''

उन्होंने कहा, ''मुझे मेरे भाई पर बहुत गर्व है, उनके लिए देश से बढ़कर कुछ नहीं है। उन्होंने देश की एकता के लिए आठ हजार किलोमीटर की यात्रा की जिसमें से चार हजार किलोमीटर की पदयात्रा थी।''

प्रियंका गांधी ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, '' ये लोग कुछ भी कहते रहें, फर्क नहीं पड़ता।'' भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने बृहस्पतिवार को एक संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया था कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भारत को अस्थिर करने का प्रयास कर रही खोजी मीडिया समेत अंतरराष्ट्रीय ताकतों के साथ संबंध रखते हैं और वह देशद्रोही हैं।

मुंबई एयरपोर्ट पर 1 करोड़ का सोना जब्त, फूड स्टॉल कर्मचारी समेत दो गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज हवाई अड्डे पर सोने की तस्करी के मामले में सीमा शुल्क अधिकारियों ने हवाई अड्डे पर काम करने वाले और विदेश से आए एक व्यक्ति को हवाई अड्डे के बाहर एक फूड स्टॉल के एक कर्मचारी के साथ गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में डेढ़ किलो सोना जब्त किया गया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इस सोने की कीमत 1 करोड़ 5 लाख रुपये है। बताया गया है कि सीमा शुल्क विभाग के अधिकारियों को सूचना मिली थी कि दुबई से मुंबई में सोने की तस्करी की जा रही है। जिसके बाद संबंधित उड़ान से उतरे एक यात्री को अधिकारियों द्वारा निगरानी में रखा गया था। इस शख्स का नाम है मुशाहिद अख्तर अंसारी। मुंबई एयरपोर्ट पर उतरने के बाद अंसारी मोबाइल चार्जिंग पॉइंट पर अपना मोबाइल चार्ज करने के लिए खड़ा था। इसी दौरान एयरपोर्ट पर काम करने वाली सोनाली नाम की युवती उनके पास पहुंची। अंसारी ने सोनाली को एक बटुआ दिया। इस बटुए को देने के बाद जब अधिकारियों ने सोनाली से पूछताछ की तो उन्हें उसके पास से यह सोना मिला। सोनाली ने कबूल किया कि अंसारी ने उसे यह सोना दिया है और वह इसे हवाई अड्डे के बाहर एक फूड स्टॉल में काम करने वाले तरबेज शेख को देगी। इसके बाद तीनों को गिरफ्तार कर लिया गया और आगे की जाँच की जा रही है।

हरियाणा में नए जिले, उप मंडल, तहसील और उप तहसील की संभावना

– चार सदस्यीय कमेटी का किया गया गठन, तीन महीने में सरकार को सौंपेगी रिपोर्ट

चंडीगढ़ । हरियाणा में एक ऐतिहासिक फैसले को लेकर चार सदस्यीय कमेटी का गठन हुआ है जो नए जिले, उप मंडल, तहसील और उप तहसील के गठन के लिए मार्गदर्शन प्रदान करेगा। इस कमेटी का अध्यक्ष कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार को निर्वाचित किया गया है। इसके तीन महीने के अध्ययन के बाद कमेटी अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपेगी। इस कमेटी का मुख्य उद्देश्य है हरियाणा के प्रशासनिक सुधारों की समीक्षा करना और नए जिले, उपमंडल, तहसील और उप-तहसील के गठन के बारे में सुझाव देना। कमेटी को संयुक्त रूप से वित्तायुक्त राजस्व और राजस्व एवं आपदा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी के नेतृत्व में गठित किया गया है। पिछली महीने में जून के चुनावों में हार के बाद कमेटी की रिपोर्ट को दोहराने की मांग उठी थी। हालांकि, वर्तमान जिलों में कारगर संगठन और प्रशासनिक व्यवस्था है, लेकिन नए जिले के गठन से प्रदेश के विकास में और गति लाने की उम्मीदें हैं। विधायकों की इस कमेटी में शामिल होने की संभावना है, जिससे स्थानीय जनता की भी सुनवाई हो सके।

भुवनेश्वर में न्यायिक परिसर से सांप पकड़ा गया

भुवनेश्वर। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में नवनिर्मित न्यायिक परिसर का राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा बृहस्पतिवार को उद्घाटन किए जाने से कुछ घंटे पहले वहां से दो फुट का एक सांप पकड़ा गया। यह जानकारी एक अधिकारी ने दी। अधिकारी ने बताया कि सांप को इमारत के मुख्य द्वार के पास एक चालक ने देखा और परिसर में अन्य लोगों को सतर्क किया। अधिकारी ने कहा कि सांप हेल्पलाइन की एक टीम मौके पर पहुंची और सांप को पकड़ा। एहतियात के तौर पर टीम ने पूरे परिसर की तलाशी भी ली।

भारत-चीन समझौतों के तहत शांति-सौहार्द बनाए रखने की आवश्यकता पर दिया जोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्वी लद्दाख में बीते करीब साढ़े चार साल से अधिक समय से जारी एलएसी विवाद की 21 अक्टूबर 2024 को हुई समाप्ति के बाद गुरुवार को राजधानी दिल्ली में भारत और चीन के बीच सीमा संबंधी मामलों के समाधान के लिए गठित किए गए कूटनीतिक तंत्र यानी डब्ल्यूएमसीसी की 32वीं बैठक हुई। इसमें भारतीय पक्ष का नेतृत्व विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव (पूर्वी एशिया) गौरांग लाल दास ने किया। जबकि चीनी प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई वहां के विदेश मंत्रालय के तहत आने वाले सीमा और महासागरीय मामलों के विभाग के महानिदेशक होंग लियांग ने की। विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर यह जानकारी दी। इसमें बताया कि बैठक के बाद चीन के महानिदेशक ने भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री से शिष्टाचार मुलाकात भी की। मंत्रालय ने बताया कि इस बैठक में जहां एक ओर दोनों पक्षों ने एलएसी पर विवाद समाप्ति को लेकर हुए समझौते के सकारात्मक क्रियान्वयन को लेकर प्रतिबद्धता जाहिर की। वहीं, रूस के कजान में 23 अक्टूबर 2024 को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई पहली द्विपक्षीय बैठक में लिए गए निर्णय के मुताबिक विशेष प्रतिनिधियों (विदेश मंत्री, एनएसए और विदेश सचिव स्तर की बैठक) की अगली बैठक को लेकर तैयारी पर मंथन किया गया।

सीमाई हालात की समीक्षा की

बैठक में दोनों पक्षों ने 21 अक्टूबर को हुए विवाद समाप्ति समझौते के बाद सीमा पर बने हुए हालातों की समीक्षा की। इसमें वर्ष 2020 के घटनाक्रम से दोबारा ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने को लेकर ली गई सीख भी शामिल है। मामले पर दोनों ने स्थापित तंत्र की मदद से लगातार आदान-प्रदान और कूटनीतिक व सैन्य स्तर पर संवाद बनाए रखने के महत्व को भी रेखांकित किया। साथ ही प्रभावी सीमा प्रबंधन, शांति-सौहार्द कायम करने और इसकी बहाली के लिए भारत और चीन के बीच मौजूद द्विपक्षीय समझौतों, प्रोटोकॉल और दोनों सरकारों के बीच बनी आपसी समझ के प्रभावी क्रियान्वयन की आवश्यकता पर भी बल दिया।

सत्ता में आने पर सभी गेस्ट टीचरों को स्थाई करेगी कांग्रेस : देवेन्द्र यादव

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने दिल्ली न्याय यात्रा के आखिरी 30वें दिन आज बवाना विधानसभा में कृष्ण विहार, राठी काम्पलेक्स से शुरू हुई और रिठाला विधानसभा की सैनी चौपाल नाहरपुर गांव में समाप्त हुई। झंडा फहराने के बाद दिल्ली न्याय यात्रा के दौरान देवेन्द्र यादव ने कहा कि हजारों की संख्या में लोगों से मिलने के बाद मैंने महसूस किया है कि आज दिल्ली बदलाव के मूड में है और यह बदलाव कांग्रेस योद्धाओं और कांग्रेस कार्यकर्ताओं अपनी एकजुटता, मजबूती और कड़ी मेहनत के बाद ही ला सकते है क्योंकि नामुमकिन कुछ भी नही है।

जनता में बदलाव की चाहत और जनता के सहयोग और समर्थन के साथ निश्चित ही 2025 में कांग्रेस की सरकार होगी। देवेन्द्र यादव ने कहा कि दिल्ली न्याय यात्रा खत्म होने के बाद मैं विश्वास से कह सकता हूँ कि दिल्ली की जनता का रुझान कांग्रेस के प्रति हो गया है, जिसको फरवरी 2025 में विधानसभा चुनावों में हमें निश्चित ही जनता के समर्थन से जीत मिलेगी। न्याय योद्धाओं ने जनता के दर्द, पीड़ा और परेशानियों को सुना है। यात्रा के प्रति मैंने लोगों की आंखों में प्यार, समर्थन और आशीर्वाद देखा है, उन्होंने आगे बढ़कर अपनी पीड़ा और परेशानी को साझा किया है। उन्होंने कहा कि जिस पर विश्वास होता उसी व्यक्ति से के साथ अपना दर्द साझा करता है। श्री यादव ने कहा कि दिल्ली में शिक्षकों को स्थायी नौकरी देने वादा करके अनुबंधित और अस्थायी नौकरी देकर शिक्षकों के साथ केजरीवाल ने धोखा किया है। यात्रा के दौरान आज श्री यादव ने शिक्षकों से मिलकर उनकी समस्याओं को सुना और शिक्षकों रोजगार देने वादा किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद शिक्षकों को रोजगार देने का पहला मुद्दा उठाऐंगे। उन्होंने कहा कि अगर शिक्षक स्वस्थ दिमाग के साथ अपना काम कर पाऐंगा तभी दिल्ली और देश का भविष्य सुरक्षित और उज्जवल होगा। क्योंकि केजरीवाल ने शिक्षा स्तर को धरातल पर लाकर खड़ा कर दिया है। देवेन्द्र यादव ने कहा कि भाजपा में जैसे मोदी की निरंकुशता चलती है वैसे ही आम आदमी पार्टी में अरविंद केजरीवाल की निरंकुशता के कारण इनके विधानसभा चुनाव लड़े नेता विधायक आम आदमी पार्टी को छोड़ कर जा रहे है। दिल्ली में केजरीवाल की जनता के प्रति निष्क्रियता के चलते जनता पूरी तरह दुखी है।

आम आदमी पार्टी में व्याप्त भ्रष्टाचार इनके नेताओं को डराने लगा है क्योंकि जनता ने इन्हे बाहर भगाने का मन बना लिया है, यही कारण आप के नेता पार्टी छोड़कर भाग रहे है। देवेन्द्र यादव ने कहा कि दिल्ली न्याय यात्रा के दौरान हमने दिल्ली के गांव, पुनर्वास कालोनियो, अनाधिकृत कॉलोनियों, झुग्गी झौपडी कॉलोनियों, जेजे कलस्टरों सहित मलिन बस्तियों की समस्याओं को सुना और समझा। आज दिल्ली का हर आदमी केजरीवाल की सरकार से परेशान है। गंदा पानी, टूटी सड़कें, दमघोटू प्रदूषण, महंगी बिजली, महंगाई बेरोजगारी से दिल्ली की जनता त्रस्त है।

एनडीएमसी ने किया बापूधाम और वाल्मीकि बस्ती में "जनसुनवाई कार्यक्रम" आयोजित

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने शनिवार को जन-सुविधाओं के लिए "जनसुनवाई कार्यक्रम" का आयोजन किया। इस मौके पर पालिका परिषद अध्यक्ष केशव चंद्रा, उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल और परिषद सदस्य अनिल वाल्मीकि ने कर्मचारियों की आवासीय कॉलोनियों में पहुंचकर कर्मचारियों की समस्याओं को सुना और उनके निवारण के लिए समुचित निर्देश दिए। आज यह कार्यक्रम वाल्मीकि सदन, मंदिर मार्ग और बापूधाम, चाणक्यपुरी में आयोजित किये गए। इस अवसर पर अध्यक्ष केशव चंद्र ने कहा, आम जनता को हमसे मिलने में अक्सर प्रोटोकॉल और अन्य बाधाओं का सामना करना पड़ता है। इसी कारण हमने जनता के बीच आकर उनकी समस्याओं को सुनने और उन्हें तुरंत समाधान प्रदान करने का प्रयास किया है। वहीं पालिका परिषद अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के दृष्टिकोण के अनुरूप प्रशासन की जनता के द्वार जाकर उनकी समस्याओं को हल करने के आह्वान के अंतर्गत आज हमारा पहला प्रयास यहां आना हुआ है। यहां की जनसुविधाओं से संबंधित समस्याओं को सुनकर हम इन्हें जल्द से जल्द इसका निवारण समयबद्धता से करेंगे। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी जी से संबंधित बापू सदन पर यह आयोजन हमें सेवा और समर्पण का सच्चा अर्थ समझाता है। गांधी जी के 214 दिनों के यहां प्रवास से जुड़े इस स्थल को संरक्षित करना हमारी धरोहर को सहेजने का प्रयास है। केशव चंद्र ने कहा कि महात्मा गांधी ने अपना समय वाल्मीकि सदन में बिताया और यहां उनकी पुरानी तस्वीर मौजूद है, परिषद इन ऐतिहासिक तस्वीरें और धरोहर को संग्रहित और संरक्षित करेगी। उपाध्यक्ष ने कहा, यह वही स्थान है जहां से माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वच्छ भारत मिशन की शुरूआत की थी। स्वच्छताकर्मियों और यहां रहने वाले अन्य कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है क्योंकि वे ही हमारे स्वच्छता जनांदोलन की रीढ़ है।

दिल्ली में 100 दिन टीबी अभियान का हुआ शुभारंभ

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। दिल्ली के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा शनिवार को जीटीबी नगर स्तिथ राजन बाबू इंस्टीट्यूट ऑफ पल्मोनरी मेडिसिन एंड टीबी (आरबीआईपीएमटी) टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत "100 दिन टीबी अभियान" का राज्य स्तर पर शुभारंभ किया गया। अभियान का उद्घाटन दिल्ली राज्य स्वास्थ्य मिशन के निदेशक दानिश अशरफ (आईएएस) ने किया। इस अवसर पर दिल्ली नगर निगम में अतिरिक्त आयुक्त (स्वास्थ्य), पंकज नरेश अग्रवाल, डीजीएचएस (जीएनसीटी दिल्ली) डॉ. वंदना बग्गा, निदेशक (आरबीआईपीएमटी) डॉ. मानसी आनंद और एसपीओ (एनटीईपी) दिल्ली डॉ. नीलेश सैनी सहित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

इस मौके पर दिल्ली राज्य स्वास्थ्य मिशन के निदेशक दानिश अशरफ (आईएएस) ने इस बात पर जोर दिया कि 2025 तक भारत में टीबी उन्मूलन के लिए माननीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हमें सभी हितधारकों और जनता के साथ मिलकर काम करना होगा ताकि यह एक सफल टीबी मुक्त भारत अभियान बन सके। दानिश अशरफ ने डोर टू डोर अभियान के लिए गहन परीक्षण सेवाएं प्रदान करने और जुटाने के लिए तीन निक्षय वाहनों को भी हरी झंडी दिखाई। ये निक्षय वाहन टीबी का जल्द पता लगाने और बीमारी के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए सभी परीक्षण सुविधाओं से लैस हैं। कार्यक्रम का प्रबंधन और आयोजन किंग्सवे चेस्ट सेंटर के जिला टीबी अधिकारी डॉ. निंगलांग तले ने अपनी टीम के साथ मिलकर किया। टीबी मुक्त भारत सिर्फ.एक स्वास्थ्य लक्ष्य नहीं है, बल्कि एक राष्ट्रीय प्राथमिकता है, जिसका उद्देश्य जीवन की गुणवत्ता में सुधार, उत्पादकता को बढ़ावा देना और स्वस्थ समुदायों को सुनिश्चित करना है। यह अभियान जागरूकता बढ़ाने, शीघ्र निदान और उपचार को बढ़ावा देने और 2025 तक टीबी को समाप्त करने के लिए सामुदायिक भागीदारी को प्रेरित करने पर केंद्रित है, जैसा कि राष्ट्रीय रणनीतिक योजना के तहत परिकल्पित है। इस अभियान का सफल शुभारंभ सभी के लिए एक स्वस्थ, टीबी मुक्त भविष्य के निर्माण में निरंतर प्रयासों और सहयोग के महत्व को उजागर करता है। इसी अभियानं तहत डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी चेस्ट अस्पताल पटपड़गंज में भी प्रधानमंत्री टीबी मुक्त अभियान 2025 के अंतर्गत "100 दिन टीबी अभियान"का शुभारंभ मुख्य अतिथि अमोल श्रीवास्तव के द्वारा द्वीप प्रज्वलित करके किया गया। इस विशेष कार्यक्रम में वार्ड की निगम पार्षद रेनू चौधरी के द्वारा मुनादी का भी शुभारंभ किया गया।

गुरु तेग बहादर साहिब का शहीदी दिवस मनाया

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने गुरु तेग बहादर साहिब जी का शहीदी दिवस श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया। इस मौके पर कमेटी के विभिन्न गुरुद्वारों में गुरमति दीवान आयोजित किए गए। मुख्य कार्यक्रम गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब परिसर में भाई लाखी शाह वणजारा हॉल में हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में संगतों ने शिरकत की। समारोह को संबोधित करते हुए कमेटी के अध्यक्ष सरदार हरमीत सिंह कालका और जनरल सेक्रेटरी सरदार जगदीप सिंह काहलों ने कहा कि गुरु तेग बहादर साहिब जी ने चांदनी चौक में अपनी शहादत देकर भारत को उसका वर्तमान रूप दिया। उन्होंने कहा कि औरंगजेब सभी लोगों को मुस्लिम बनाना चाहता था, लेकिन गुरु साहिब ने अपनी शहादत से उसकी इस मुहिम को रोक दिया। उन्होंने यह भी कहा कि गुरु साहिब ने हमें सच्चे मार्ग पर चलने की शिक्षा दी और यह सिखाया कि कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी हमें घबराने की जरूरत नहीं है, बल्कि शहादत देकर भी असाधारण हालात का सामना किया जा सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा संगतों को गुरु साहिब के आदर्शों से जोड़ने के लिए धर्म प्रचार कमेटी की अगुवाई में विभिन्न कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि धर्म का प्रचार दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी की सबसे बड़ी प्राथमिकता है। साथ ही, उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपने घरों में बच्चों को गुरसिखी जीवन से जोड़ने के प्रयास करें और गुरु साहिबानों के इतिहास को बच्चों को पढ़ाएं, ताकि हम अपने अमीर विरसे से जुड़े रहें।

टीबी को जड़ से समाप्त करने को जन भागीदारी आवश्यक : बिधूड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण दिल्ली के सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने आज कहा कि टीबी की बीमारी को पूरी तरह समाप्त करने के लिए सरकारी प्रयासों के साथ साथ जनभागीदारी भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि जन जागरूकता के दम पर ही हम इस बीमारी को पूरी तरह परास्त कर सकेंगे। श्री बिधूड़ी ने केंद्रीय स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्रालय के तत्वावधान में 07 दिसंबर, 2024 से शुरू हुए 100 दिन तक चलने वाले टीबी मुक्त अभियान के शुभारंभ के अवसर पर यह बात कही। दक्षिण दिल्ली संसदीय क्षेत्र के अरविंदो मार्ग स्थित राष्ट्रीय क्षय एवं श्वसन रोग संस्थान में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि हिस्सा लेते हुए श्री बिधूड़ी ने टीबी को समाप्त करने की दिशा में शुरू की गई इस खास पहल की प्रशंसा की। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि टीबी मुक्ति के लिए देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी जी की सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जितनी तारीफ की जाए, वह कम है। उन्होंने इस बीमारी पर काबू पाने के लिए आम लोगों से भी सरकार के अभियान में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेने की अपील की। सांसद बिधूड़ी ने कार्यक्रम के दौरान नि-क्षय मित्रों के बीच भोजन सामग्री के पैकेट वितरित किए, टीबी चैंपियंस को सम्मानित किया तथा टीबी पर काबू पाने के संबंध में आम लोगों के बीच जागरूकता के मद्देनजर नि-क्षय वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई में इलेक्ट्रिक बसें दिल्ली का बड़ा कदम : सीएम आतिशी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंर्री आतिशी ने शुक्रवार को बुराड़ी स्थित डीटीसी के इलेक्ट्रिक बस डिपो का निरीक्षण किया। सीएम ने अधिकारियों डिपो में बसों के लिए मौजूद चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर और मौजूदा सुविधाओं का निरीक्षण किया। इस मौके पर सीएम आतिशी ने कहा कि पिछले 7-8 साल से दिल्ली प्रदूषण की समस्या का सामना कर रही है। खासकर अक्टूबर, नवंबर, दिसंबर के महीने में जब प्रदूषण बहुत बढ़ जाता है। जब दिल्ली में प्रदूषण बढ़ना शुरू हुआ तब अरविंद केजरीवाल ने कहा कि, बेशक नवंबर-दिसंबर में प्रदूषण का कारण दिल्ली के बाहर जलने वाली पराली हो लेकिन दिल्ली हर इस प्रदूषण के खिलाफ लड़ने के लिए हर संभव कदम उठाएगी। और इस दिशा में दिल्ली सरकार ने इलेक्ट्रिक बसों को अपनाना शुरू किया। उन्होंने कहा कि, दिल्ली में इलेक्ट्रिक बसें इसलिए सफल है क्योंकि "आप" सरकार ने उनकी अहमियत को समझते हुए, उसके लिए जरूरी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर भी तैयार किया है। " निरीक्षण के दौरान सीएम आतिशी डिपो में बस ड्राइवरों और कंडक्टरों के लिए बनाए गए कॉमन रूम में भी पहुंची और उनसे बातचीत की। यहाँ सभी कर्मचारी डिपो में मौजूद सुविधाओं से खुश दिखे। सीएम आतिशी ने निरीक्षण के बाद डिपो में बस ड्राइवरों और कंडक्टरों से संवाद भी किया। इस दौरान सीएम आतिशी ने कहा कि, डीटीसी दिल्ली की लाइफलाइन है। इसके ड्राइवर-कंडक्टर सिर्फ. बसों की नहीं बल्कि रोजाना 40 लाख से ज्यादा लोगों को उनके गंतव्य पर पहुँचाकर इस शहर को चलाने का काम करते है। इस शहर की अर्थव्यवस्था को चलाने का काम करते है। उन्होंने कहा कि, हमारे बस ड्राइवरों-कंडक्टरों का काम बहुत ज़िम्मेदारी का काम है।

वो जितने बेहतर ढंग से काम करेंगे, दिल्लीवालों की ज़िंदगी उतनी ही बेहतर होगी।

दिल्ली के लोग अरविंद केजरीवाल से मुक्ति चाहते हैं : वीरेंद्र सचदेवा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 को ध्यान में रख भाजपा ने नया चुनावी नारा गढ़ा है। पार्टी अब नहीं सहेंगे बदल के रहेंगे नारे के साथ आम आदमी पार्टी को रोकने की मंशा से चुनावी मैदान में उतरेगी। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा का दावा है कि ये नारा दिल्ली की जनता की भावनाओं से जुड़ा है।

आगामी रणनीति और नारे को लेकर दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने बताया कि ये दिल्ली की जनता का नारा है। जब हम घोषणापत्र तैयार कर रहे थे और दिल्ली की जनता से मिल रहे थे जिसमें व्यापारी वर्ग, आरडब्लूए के लोग थे। झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वालों से हम लोगों ने बात की। इस दौरान सबकी एक ही राय थी कि वे अरविंद केजरीवाल से मुक्ति चाहते हैं। वे अब उन्हें बर्दाश्त नहीं कर सकते और बदलाव चाहते हैं। इसी भावना से बदलाव की मांग उठी है कि हम अब केजरीवाल को बर्दाश्त नहीं करेंगे।

भारती कॉलेज में आपदा प्रबंधन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

अग्निशामक यंत्रों के उचित उपयोग का प्रदर्शन किया

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विश्वविद्यालय के अंग भारती कॉलेज ने आपदा प्रबंधन संगठन के सहयोग से कॉलेज परिसर में आपदा प्रबंधन पर व्यापक जागरूकता सह प्रदर्शन कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया। जिसका उद्देश्य छात्रों और शिक्षकों को आपदा तैयारी और प्रतिक्रिया से संबंधित आवश्यक ज्ञान और कौशल से लैस करना था। प्रशिक्षण सत्र में आपदा प्रबंधन में विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया गया, जिसमें अग्नि सुरक्षा प्रोटोकॉल, आपातकालीन बचाव विधियाँ, भूकंप की तैयारी, रेडियो का उपयोग करके प्रभावी आपातकालीन संचार और आवश्यक प्राथमिक चिकित्सा तकनीक शामिल हैं। प्रतिभागियों को प्रक्रियाओं की व्यापक समझ सुनिश्चित करने के लिए व्यावहारिक प्रदर्शनों में शामिल किया गया। भारती कॉलेज की प्रिंसिपल प्रो. सलोनी गुप्ता ने सार्वजनिक संस्थानों में इस तरह की पहल के महत्व पर जोर देते हुए कहा, हमारे छात्रों के बीच आपदा तैयारी के प्रति सक्रिय दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के लिए इन कार्यक्रमों का आयोजन महत्वपूर्ण है। इन कौशलों का ज्ञान संभावित रूप से जान बचाई जा सकती है। ओडीएम के अध्यक्ष डॉ. विनोद भारद्वाज ने प्रतिभागियों को आपातकालीन स्थितियों में कार्रवाई-उन्मुख मानसिकता विकसित करने के बारे में बताया। उन्होंने आपदाओं के लिए तैयार रहने और उत्तरदायी होने की आवश्यकता पर बल दिया। इस सत्र में दिल्ली अग्निशमन सेवा के कैलाश शर्मा द्वारा व्यावहारिक प्रशिक्षण शामिल था, जिन्होंने अग्निशामक यंत्रों के उचित उपयोग का प्रदर्शन किया और प्रमुख अग्नि सुरक्षा मानदंडों पर प्रकाश डाला। इसके अलावा, ओडीएम के उपाध्यक्ष रजनी मोहन ने आपदा प्रबंधन में हैम रेडियो की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में विस्तार से बताया, उन्होंने कहा, हैम आपात स्थितियों के दौरान संचार की एक महत्वपूर्ण दूसरी पंक्ति है, जो प्रभावी समन्वय और प्रतिक्रिया को सक्षम बनाती है।

एक नजर

एनडीएमसी किया शिकायत निवारण सुविधा शिविर का आयोजन

नई दिल्ली, एजेंसी। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने अपने क्षेत्र के निवासियों और सेवा उपयोगकर्ताओं को सूचना, सुविधा और शिकायत निवारण प्रदान करने के लिए एनडीसीसी कन्वेन्शन सेंटर, जयसिंह रोड, नई दिल्ली में एक सुविधा शिविर का आयोजन किया। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद के संबंधित अधिकारियों ने शिविर में जनता से 63 शिकायतें प्राप्त की। निवासियों की अधिकांश शिकायतें कार्मिक, सिविल इंजीनियरिंग, बागवानी, सार्वजनिक स्वास्थ्य, प्रवर्तन, वाणिज्यिक, कर और संपदा विभागों से संबंधित हैं। इसके अलावा सैकड़ों स्थानीय निवासियों और सेवा उपयोगकताओं ने नागरिक सेवाओं के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए सुविधा शिविर का दौरा किया।

पालिका परिषद द्वारा शिकायतों के शीघ्र समाधान के लिए विभिन्न विभागों से संबंधित अधिकारियों ने जनता से उनकी जन शिकायतों पर आमने-सामने चर्चा की और उनका समाधान किया गया। नीति स्तर के निर्णयों की आवश्यकता वाली शिकायतों को उनके निवारण की संभावित समय-सीमा के साथ समझाया गया। पालिका परिषद के 30 विभागों के सौ से अधिक अधिकारी/कर्मचारी शिकायतों के मौके पर निवारण के लिए शिविर में मौके पर मौजूद रहे। विभिन्न विभागों के हेल्प डेस्क की निगरानी उनके विभागाध्यक्ष करते रहे।

पानी और पर्यावरण पर कॉन्क्लेव का आयोजन

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा ने नई दिल्ली में वाटर ट्रांसवर्सेलिटी ग्लोबल अवॉर्ड्स एंड कॉन्क्लेव की शुरुआत की। कार्यक्रम का आयोजन भारत सरकार के विद्युत, जल शक्ति, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय और एशिया-प्रशांत क्षेत्र के लिए संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक आयोग के दक्षिण और दक्षिण-पश्चिम एशिया कार्यालय के समर्थन से इंडिया वाटर फाउंडेशन ने किया था। फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. अरविंद कुमार ने कार्यक्रम के दौरान कहा कि यह सम्मेलन एक जटिल पहेली का संभावित उत्तर है, जहां पानी, ऊर्जा, पर्यावरण और स्वास्थ्य केवल इसका हिस्सा नहीं हैं, बल्कि संपूर्ण ढांचा ही उस पर है। इस दौरान दिल्ली सर्कल के मुख्य डाकपाल कर्नल अखिलेश कुमार पांडे ने इंडिया पोस्ट द्वारा एक विशेष टिकट का आवरण भी जारी किया। कार्यक्रम के दौरान यूएन ईएससीएपी के एसएसडब्ल्यूए कार्यालय की निदेशक मिकिको तनाका भी मौजूद रहीं।

पश्चिम बंगाल से चरस लाकर करता था सप्लाई, गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिणी दिल्ली जिला पुलिस की स्पेशल स्टाफ टीम ने कुख्यात ड्रग तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी राम तमांग के पास से पुलिस ने 2.165 किलोग्राम चरस बरामद की है। आरोपी पश्चिम बंगाल की सीमा से चरस लाता था और फिर दिल्ली के विभिन्न इलाके में उसकी सप्लाई करता था। एसीपी ऑपरेशन सेल अभिनेंद्र जैन की देखरेख में इंस्पेक्टर गिरीश चंद्र की टीम ने चिराग दिल्ली इलाके से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस इसके अन्य साथियों की तलाश कर रही है।

नशे की सामग्री के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। मध्य जिले की स्पेशल स्टाफ पुलिस टीम ने दो ड्रग तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से कमर्शियल क्वांटिटी के ड्रग्स के अलावा 15 लाख 33 हजार कैश भी बरामद किया है। मध्य जिले के डीसीपी एम हर्षवर्धन ने बताया कि बरामद हेरोइन की कीमत एक करोड़ 33 लाख रुपये की बताई जा रही है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान रोहित उर्फ विकास और अक्षय उर्फ आकाश के रूप में हुई है। दोनों दिल्ली के प्रेम नगर इलाके के रहने वाले हैं। पुलिस के अनुसार विकास के ऊपर पहले से सराय रोहिल्ला, राजौरी गार्डन, अशोक विहार, पटेल नगर थाना में छह केस दर्ज हैं और अक्षय पटेल नगर में एक मामले में शामिल रहा है। इनके पास से 271 ग्राम हेरोइन 65 ग्राम गांजा 15 लाख 33 हजार 800 कैश बरामद किया गया।

दिल्ली के गोविंदपुरी में दो भाइयों पर चाकू से हमला एक की मौत, दूसरे की हालत गंभीर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के गोविंदपुरी इलाके में हत्या की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। दो सगे भाइयों पर चाकू से हमला किया गया है जिसमें एक भाई की मौत हो गई है जबकि दूसरे की हालत गंभीर बताई जा रही है। फिलहाल पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर संदिग्धों को हिरासत में ले लिया और जांच में जुटी हुई है। डीसीपी साउथ ईस्ट रवि कुमार सिंह ने शनिवार सुबह बताया कि गोविंदपुरी थाना पुलिस को झगड़े के संबंध में सूचना शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात 12:07 पर मिली थी।

मौके पर पहुंची पुलिस ने पाया कि दो पड़ोसी आपस में झगड़ा कर रहे हैं जिसमें तीन लोग सुधीर, उसका भाई प्रेम और उसका दोस्त सागर घायल हुए हैं, जिनको एम्स ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है, वही सुबह करीब 3:00 बजे अस्पताल से सूचना मिली कि सुधीर की मौत हो गई हैं। जबकि उसका भाई 22 वर्षीय प्रेम गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती है जो अभी बयान देने की स्थिति में नहीं है। 20 वर्षीय सागर को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। पूरे मामले में पुलिस ने आरोपी विक्रम सिंह, उसकी पत्नी मीणा और उसके तीन बेटे 20 वर्षीय संजय, 18 वर्षीय राहुल, और एक नाबालिग को हिरासत में ले लिया है। वही पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है और पूरे मामले में जांच कर रही है। राजधानी दिल्ली में कानून व्यवस्था को लेकर सियासत गर्म है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल लगातार दिल्ली में दावा कर रहे हैं कि कानून व्यवस्था बिगड़ रही है। हत्या और लूट की हर दिन वारदातें सामने आ रही है।

ट्रेन की चपेट में आने से एक की मौत, दूसरा घायल

नई दिल्ली, एजेंसी। ज्योति नगर के मीत नगर फाटक के पास शुक्रवार दोपहर ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई जबकि उसका भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक की हालत नाजुक है और उसका जीटीबी अस्पताल में इलाज चल रहा है। मृतक की पहचान सोनू (36) के रूप में हुई है। पुलिस परिवार वालों से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार शाम करीब सवा चार बजे पुलिस को सबोली हॉल्ट रेलवे स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक पर दो युवकों के ट्रेन की चपेट में आने से घायल होने की जानकारी मिली। मौके पर पहुंची पुलिस को पता चला कि दो भाइयों सोनू (36) और मोनू (34) ट्रेन की चपेट में आकर घायल हुए हैं। पीसीआर कर्मी उन्हें जीटीबी अस्पताल लेकर गए हुए थे। अस्पताल पहुंचने पर पता चला कि डॉक्टरों ने सोनू को मृत घोषित कर दिया है जबकि उसके छोटे भाई मोनू की हालत गंभीर थी। वह वेंटिलेटर पर था और बयान देने की हालत में नहीं था। जांच में पता चला कि दोनों अशोक नगर इलाके में परिवार के साथ रहते थे। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास मौजूद लोगों से पूछताछ की तो पता चला कि दुर्घटना के समय दोनों रेलवे ट्रैक के पास बैठकर शराब पी रहे थे। अचानक एक तेज रफ्तार ट्रेन आ गई। अधिक शराब पीने के कारण वह अपनी जगह से हिल नहीं पाए और ट्रेन की चपेट में आ गए। पुलिस ने परिवार के सदस्यों और आस-पास के गवाहों के बयान दर्ज किए हैं। जांच में ट्रेन की चपेट में आने से हादसा होने की बात सामने आई है। पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है।

पीएम मोदी के आगमन पर फेस्टिव मूड में नजर आएगा पूरा महाकुंभ नगर और प्रयागराज

एनसीआर समाचार

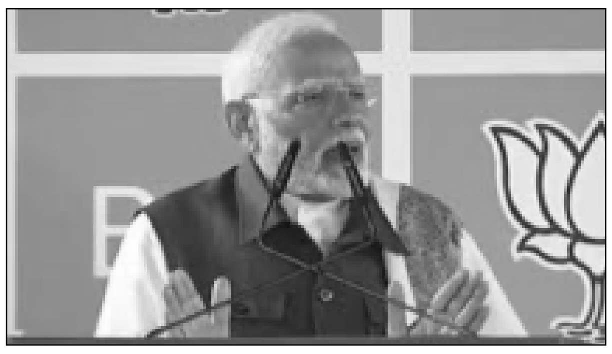

प्रयागराज, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 दिसंबर को महाकुंभ 2025 की तैयारियों का जायजा लेने और परियोजनाओं का लोकार्पण करने महाकुंभ नगर और प्रयागराज आ रहे हैं। उनके आने से पूर्व स्वयं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 7 दिसंबर को सभी तैयारियों का जायजा लेंगे।

पीएम मोदी की यात्रा के मद्देनजर सभी विभागों को अपनी दफ्तरों और इमारतों के सौंदर्यीकरण के निर्देश दिए गए हैं। इमारतों को फसाड लाइटिंग से रौशन किए जाने की भी योजना है। इसके अतिरिक्त प्रमुख चौराहों और सड़कों को भी दुल्हन की तरह सजाया जाएगा। मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत ने अधिकारियों को सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, जिन परियोजनाओं का प्रधानमंत्री लोकार्पण करेंगे, उन्हें भी समय से पूर्व पूर्ण किए जाने के लिए आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए हैं।

मंडलायुक्त ने बताया कि पीएम मोदी के दौरे की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। इन्हें निर्धारित समय सीमा में पूर्ण कर लिया जाएगा। प्रधानमंत्री के आने से पूर्व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का भी भ्रमण 7 दिसंबर को होना है। सीएम के निदेर्शों के अनुसार सभी कार्य कराए जा रहे हैं। सीएम स्वयं इन सभी कार्यों की समीक्षा करेंगे।

उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की यात्रा के दौरान पूरा शहर स्वच्छ और हरित महाकुंभ की परिकल्पना को साकार करता नजर आएगा। शासन द्वारा दिए गए निदेर्शों के अनुसार, सभी विभागों को अपने-अपने दफ्तरों को शोभनीय बनाते हुए उसमें फसाड लाइटिंग और उसका यथासंभव सौंदर्यीकरण कराने के निर्देश दिए गए हैं। इस दिशा में भी काम जोर-शोर से चल रहा है। इसके अतिरिक्त प्रमुख चौराहों, सड़कों और पार्कों को भी सजाया जाएगा।

मंडलायुक्त ने बताया कि पीएम के दौरे को लेकर सभी विभाग और अधिकारी पूरी तत्परता से जुटे हुए हैं। पीडब्ल्यूडी सभी महत्वपूर्ण सड़कों का नवीनीकरण तेजी से पूरा कर रहा है। सभी जंक्शंस और सड़क सौंदर्यीकरण का कार्य प्रयागराज डेवलपमेंट अथॉरिटी और पीडब्ल्यूडी द्वारा समय पर पूर्ण कर लिया जाएगा। नगर निगम की ओर से स्ट्रीट लाइटिंग और थीमैटिक लाइटिंग का कार्य किया जा रहा है। विद्युत विभाग की ओर से सभी पावर केबल्स को बिछाने का काम भी तेजी से पूरा किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त सीएंडडीएस द्वारा गेट्स और इंस्टॉलेशन वर्क कंप्लीट कर लिया जाएगा। कॉरिडोर्स के काम को भी अंतिम रूप दिया जा रहा है और इसे समय पर पूरा कर लिया जाएगा। घाटों पर स्वच्छता और पवित्रता बनाए रखने के लिए दिन रात काम हो रहा है।

पीएम के दौरे से पहले 7 दिसंबर को सीएम योगी महाकुंभ नगर और प्रयागराज में तैयारियों का जायजा लेंगे और खोया-पाया केंद्र तथा सेक्टर-1 में स्थापित पब्लिक एकमोडेशन का उद्घाटन भी करेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सीएम योगी 7 दिसंबर को अपनी यात्रा के दौरान सर्किट हाउस में पीएम मोदी के कार्यक्रम को लेकर संगठन के पदाधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक करेंगे। यहीं पर वह महाकुंभ 2025 के कार्यों की समीक्षा बैठक में भी हिस्सा लेंगे। इसके अतिरिक्त वह अलोपीबाग फ्लाई ओवर एवं अलोपीबाग रोड का निरीक्षण करेंगे। प्रयागराज मेला क्षेत्र के सेक्टर-1 में स्थापित पब्लिक एकमोडेशन और परेड क्षेत्र में खोया पाया केंद्र का उद्घाटन करने के साथ ही वह पुलिस लाइन में पुलिस कर्मियों का मार्गदर्शन भी करेंगे। सीएम योगी अरैल बंधा रोड, त्रिवेणी पुष्प, फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट नैनी एवं एसटीपी नैनी के साथ ही शिवालय पार्क का भी निरीक्षण करेंगे।

बाबर के युग में जो हुआ और अब बांग्लादेश में जो हो रहा है उसका डीएनए एक: योगी

अयोध्या, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्षी दलों पर समाज को बांटने का आरोप लगाते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि अयोध्या व संभल में मुगल शासक बाबर की सेना ने जो किया और आज जो बांग्लादेश में हो रहा है, उसका डीएनए एक ही है।

मुख्यमंत्री ने यहां 43वें रामायण मेले का उद्घाटन करने के बाद कहा, 'भगवान राम ने इस पूरे समाज को एक किया था। अगर हमने एकता को महत्व दिया होता और देश के दुश्मनों की रणनीति सफल नहीं होने दी होती तो यह देश कभी गुलाम नहीं बनता। हमारे तीर्थ कभी अशुद्ध नहीं हुए होते। मुट्ठीभर आक्रांता हम पर आक्रमण नहीं कर पाते और भारत के वीर सैनिकों ने उन्हें कुचल दिया होता।'

मुख्यमंत्री ने किसी का नाम लिए बगैर कहा, 'लेकिन इस समाज में अड़चने पैदा करने वाले सफल हो गए। सामाजिक ताने-बाने को छिन्न भिन्न करने के लिए जाति आधारित राजनीति करने वाले आज भी सक्रिय हैं।'

उन्होंने कहा, 'आप देखें कि पड़ोसी देशों में हमारे दुश्मन किस प्रकार का कृत्य कर रहे हैं। 500 वर्ष पहले बाबर के एक जनरल ने अयोध्या और संभल में जो कृत्य किए थे ठीक वैसा ही आज बांग्लादेश में हो रहा है। इन तीनों जगहों पर कृत्यों की प्रकृति और डीएनए समान है।'

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अगर कोई सोचता है कि बांग्लादेश में जो हो रहा है, वह यहां नहीं होगा तो वह भ्रमित है। उन्होंने कहा कि विभाजनकारी तत्व पहले से ही यहां खड़े हैं और सामाजिक ताना बाना खराब कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, 'इन विभाजनकारी ताकतों में कई ऐसे लोग हैं, जिन्होंने विदेशों में संपत्ति खरीदी हुई है और यहां संकट पैदा होने पर वे भागकर उन स्थानों पर चले जाएंगे तथा यहां लोगों को मरने के लिए छोड़ देंगे। वे यही करते हैं।'

बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के इस वर्ष अगस्त में पतन के बाद से पड़ोसी मुल्क में हिंदू समुदाय समेत धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ व्यापक हिंसा की खबरें आ रही हैं।

भाजपा की योजना राजस्व बढ़ाने से ज्यादा भ्रष्टाचार बढ़ाने की : अखिलेश यादव

लखनऊ, एजेंसी। जीएसटी परिषद द्वारा कई वस्तुओं पर कर बढ़ाए जाने की संभावना की खबरों को लेकर बृहस्पतिवार को केंद्र पर प्रहार करते हुए समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा की योजना राजस्व बढ़ाने से ज्यादा भ्रष्टाचार बढ़ाने की है। अखिलेश ने 'एक्स' पर लिखा, 'कहां तो भाजपाई कह रहे थे 'एक देश, एक कर।' लेकिन उनकी यह बात भी जुमलाई झूठ निकली, क्योंकि अब वे कर की नई 'स्लैब' ला रहे हैं। जब 'एक कर, कई स्लैब' हैं तो एक कर का नारा सही मायनों में झूठा साबित हुआ न।'

उन्होंने कहा, 'दरअसल कर की दरें बेतहाशा बढ़ाने के पीछे एक बड़ा खेल है। यह राजस्व बढ़ाने से ज्यादा भ्रष्टाचार बढ़ाने और फिर अधिकारियों के माध्यम से दुकानदारों, कारोबारियों पर दबाव बढ़ाकर ज्यादा वसूली की भाजपाई योजना है।'

अखिलेश ने कहा, 'दुनिया का नियम है कि जितनी अधिक कर की दर होती है, उतनी ही अधिक कर की चोरी होती है और जितनी अधिक कर की चोरी होती है, उतनी ही अधिक भ्रष्ट सत्ताधारियों की कमाई होती है। भाजपा सरकार में कर चुराने के लिए और उससे वसूली के लिए पिछले दरवाजे के रास्ते पहले तैयार कर लिए जाते हैं। उसके बाद कोई कर योजना सामने के दरवाजे से बाहर नहीं आती।'

उन्होंने कहा, 'हर कर को चुकाने का बोझ आखिर में जनता पर ही आता है। इसलिए घूम-फिरकर कर की चक्की में जनता ही पिसती है, जनता ही मारी जाती है।'

कार के डिवाइडर से टकराने की दुर्घटना में दो युवकों की मौत, पांच लोग घायल

महोबा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के महोबा जिले में बुधवार रात एक तेज रफ्तार कार के डिवाइडर से टकराने की दुर्घटना में दो युवकों की मौत हो गई जबकि पांच अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) वंदना सिंह ने बताया कि बुधवार रात पुलिस को सूचना मिली कि झांसी-मिजार्पुर राजमार्ग में सुगिरा गांव के नजदीक एक तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकरा गई। उन्होंने बताया कि इस हादसे में कार सवार और मऊरानीपुर के रहने वाले अंश पटेल (20) और घुटई गांव के रहने वाले मनीष पटेल (28) की मौके पर ही मौत हो गई जबकि वाहन में सवार प्रदीप पटेल, मुकेश पटेल, विपिन पटेल, योगेंद्र और प्रिंस पटेल घायल हो गए। अधिकारी ने बताया कि घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिनमें से विपिन की हालत गंभीर होने पर उसे झांसी स्थानांतरित कर दिया गया। उन्होंने बताया कि कार में सवार सभी लोग झांसी जिले के मऊरानीपुर कस्बे से महोबा जिले के कुलपहाड़ कस्बे में एक बारात में शामिल होने आ रहे थे।

वंदना ने बताया कि दोनों युवकों के शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर सड़क हादसे की जांच शुरू कर दी गई है।

सरकार के प्रतिनिधिमंडल को संभल जाकर पीड़ितों के परिजन से मिलना चाहिए: विधायक महमूद

संभल (उप्र), एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को संभल जाने से रोके जाने के बाद यहां से समाजवादी पार्टी के विधायक नवाब इकबाल महमूद ने प्रदेश सरकार से एक प्रतिनिधिमंडल संभल भेजने की मांग की है।

राहुल गांधी के नेतृत्व में बुधवार को कांग्रेस नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल को संभल जाते समय उत्तर प्रदेश पुलिस ने गाजीपुर सीमा पर रोक दिया था, जिले में बाहरी लोगों के प्रवेश पर रोक है।

महमूद ने बुधवार देर शाम पत्रकारों से बातचीत में कहा, 'सरकार को अपना राजनीतिक प्रतिनिधिमंडल यहां भेजना चाहिए जो पीड़ितों के परिजनों से मिले और यह संदेश दे कि सभी को एकजुट होकर साथ रहना चाहिए।'

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के इस बयान पर कि 'क्यों हर मस्जिद में शिवलिंग तलाशा जाए', महमूद ने कहा कि भाजपा को उनकी सलाह माननी चाहिए।

उन्होंने कहा, 'समाज में नफरत फैलाने से बचने और भाईचारा बढ़ाने के लिए इसका अनुपालन किया जाना चाहिए। इस तरह से (मस्जिदों को निशाना बनाकर) कोई भाईचारा नहीं होगा और दंगे होंगे।'

उन्होंने कहा, 'वे बांटो और राज करो की व्यवस्था चाहते हैं। वे ना तो बच्चों को रोजगार देना चाहते हैं और ना ही बेरोजगारी और बढ़ती महंगाई रोकने पर काम करना चाहते हैं। वे केवल हिंदू और मुसलमानों को बांटते हैं और इस पर राजनीति करते हैं।'

महमूद ने कहा, 'वे इसमें सफल भी हो रहे हैं। किसी दिन हम देखेंगे कि हमने बड़ी गलती की है। देश आगे बढ़ना चाहिए लेकिन यह पिछड़ रहा है।'

उन्होंने कहा, 'संभल के लोगों से पूछो कि उन्हें कितना नुकसान हुआ। व्यापारियों, दुकानदारों से पूछो जो इस शादी ब्याह के सीजन में बेकार बैठे हैं।' गत 24 नवंबर को मुगलकालीन मस्जिद के सर्वेक्षण के दौरान संभल में भड़की हिंसा में चार लोगों की मौत हो गई थी और कई लोग घायल हो गए थे।

संभल में जुमे की नमाज से पहले कड़ी की गई सुरक्षा-व्यवस्था

एनसीआर समाचार

संभल। उत्तर प्रदेश के संभल में हिंसा के बाद दूसरे जुमे की नमाज को देखते हुए जिला प्रशासन की तरफ से सुरक्षा-व्यवस्था की विशेष तैयारी की गई है। सभी संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बलों को तैनात करने का निर्देश दिया गया है।

जिलाधिकारी राजेंद्र पेंसिया ने गुरुवार को बताया, आज हमने 30 समितियों के साथ बैठक की। इसके अलावा, हमने सभी मस्जिदों के प्रमुखों से भी बात की। जुमे की नमाज शांतिपूर्ण तरीके से हो, इसके लिए तीन लेयर की सुरक्षा के प्रबंध किए जाने का निर्देश दिया गया। इससे पहले भी तीन लेयर की सुरक्षा की व्यवस्था की गई थी।

उन्होंने कहा, हम जुमे की नमाज को लेकर पूरी तरह से सतर्क और सजग हैं। राहत की बात यह है कि सब कुछ नियंत्रण में है और शांत है। जिलाधिकारी ने बताया कि प्रशासन की तरफ से ऐसी कोई संख्या निर्धारित नहीं की गई है कि कितने लोग जुमे की नमाज के लिए आ सकते हैं। लेकिन, 'हमने अपील की है कि कम से कम संख्या में लोग नमाज के लिए आएं'। उन्होंने कहा, 'पिछली जुमे की नमाज में महज 700 से 800 लोग ही आए थे। मेरी लोगों से यही अपील है कि वो इतनी संख्या में इस बार भी नमाज के लिए आए।' उन्होंने कहा, 'हमने सभी मस्जिदों के प्रमुखों से यही अपील की है कि जिस तरह से पहले नमाज पढ़ा जाता था, ठीक उसी प्रकार से इस बार भी पढ़ा जाए।' उत्तर प्रदेश के संभल स्थित जामा मस्जिद के सर्वे का विरोध कर रहे लोगों ने सर्वे टीम और पुलिस पर हमला कर दिया था। इसके बाद स्थिति हिंसात्मक हो गई। इस हिंसा की जद में आकर कई लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी, तो कई घायल हो गए थे। शासन की तरफ से स्पष्ट निर्देश है कि इस हिंसा में संलिप्त किसी भी उपद्रवी को बख्शा नहीं जाएगा। बीते दिनों सीसीटीवी फुटेज के आधार पर उपद्रवियों को चिह्नित कर उनके पोस्टर जारी किए गए थे। शासन की तरफ से यह भी कहा गया था कि इन उपद्रवियों के बारे में जानकारी देने वाले को इनाम भी दिया जाएगा।

जामा मस्जिद की सर्वे रिपोर्ट सील बंद लिफाफे में की जाएगी पेश

संभल, एजेंसी। जामा मस्जिद को लेकर हरिहर मंदिर होने का दावा अदालत में पेश किए जाने के बाद मस्जिद में दो चरणों में हुए सर्वे की रिपोर्ट 29 नवंबर को दाखिल की जानी थी। हालांकि, रिपोर्ट तैयार न हो पाने के कारण अदालत ने एडवोकेट कमिश्नर को दस दिन का समय दिया था। अब यह रिपोर्ट सोमवार को अदालत में सील बंद लिफाफे में पेश की जाएगी। 19 नवंबर को सिविल जज सीनियर डिवीजन की अदालत में सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने आठ लोगों की ओर से जामा मस्जिद में हरिहर मंदिर होने का दावा पेश किया था। अदालत ने तुरंत एडवोकेट कमिश्नर रमेश सिंह राघव को सर्वे के लिए नियुक्त किया। दोनों पक्षों की मौजूदगी में मस्जिद का सर्वे शुरू किया गया। हालांकि, रात होने और भीड़ का दबाव बढ़ने के कारण सर्वे अधूरा रह गया। सर्वे के लिए दोबारा मस्जिद का दौरा किया गया। इस दौरान स्थिति तनावपूर्ण हो गई। सर्वे के विरोध में भीड़ ने हिंसा शुरू कर दी। पथराव, फायरिंग और आगजनी की घटनाओं में कई वाहन फूंक दिए गए।

संभल एसपी ने हिंसा को बताया दुर्भाग्यपूर्ण, बोले- 'उपद्रवियों से ही होगी नुकसान की वसूली'

संभल, एजेंसी। संभल के एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने गुरुवार को बताया कि संभल में जो घटना हुई थी वो बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण थी। उन्होंने कहा कि उपद्रवियों से ही नुकसान की वसूली की जाएगी। एसपी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए एक सवाल के जवाब में कहा कि संभल में 24 नवंबर को जो घटना हुई वो बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण थी। घटना में 29 पुलिसकर्मी घायल हुए थे। चार लोगों की मौत हुई थी। उसके अनुक्रम में अभी तक का 34 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। 83 लोगों को प्रकाश में लाया जा चुका है। करीब 400 से ज्यादा लोगों के फोटो की पहचान की जा चुकी है। इनकी पहचान कर जल्द प्रकाश में लाया जाएगा। इसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि जितने भी लोगों ने सार्वजनिक या प्राइवेट संपत्ति को नुकसान पहुंचाया है। उन लोगों के द्वारा जो नुकसान का दावा किया गया है, उसका आकलन लगभग हो चुका है। भीड़ में जिन उपद्रवियों द्वारा इस संपत्ति को तबाह किया गया था, उन्हीं लोगों से वसूलने की तैयारी चल रही है। पाकिस्तानी कारतूस मिलने के सवाल पर एसपी ने कहा कि पाकिस्तान ऑर्डिनेंस फैक्ट्री के 9 एमएम का खोखा मिला था। बैलिस्टिक जांच के लिए इनको फोरेंसिक टीम द्वारा भेजा जा रहा है। अभी भी नालियों की सफाई नगर निगम के द्वारा करवाई जा रही है। एक अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि संभल में अगर पूर्व में एनआईए द्वारा जो-जो जांचें की गई है, एनआईए से भी मुख्यालय के माध्यम से संपर्क किया जाएगा। जो भी गैंग यहां पर हथियार सप्लाई में लिप्त रही हैं उन सब की भी पहचान की जा रही है। उस दिन कौन-कौन व्यक्ति यहां पर घटनास्थल पर मौजूद थे। सर्विलांस की तरफ से उस पर अपडेट आया है और उसका विश्लेषण किया जा रहा है। उसकी के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि 83 लोगों को प्रकाश में लाया जा चुका है और 34 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। अभी तक कोई पोस्टर जारी नहीं किया गया है, इसे जारी करने की तैयारी की जा रही है। जिन लोगों की पहचान नहीं कर पा रहे हैं, उन पर और जो प्रकाश में आए हैं उन पर इनाम घोषित कर पोस्टर जारी किए जाएंगे।

एक नजर

उत्तर प्रदेश: विधानसभा का शीतकालीन सत्र 16 दिसंबर से होगा शुरू

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश विधानसभा का शीतकालीन सत्र 16 दिसंबर से शुरू होगा। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल 16 दिसंबर को पूर्वाह्न 11 बजे शीतकालीन सत्र को संबोधित करेंगी। यह इस वर्ष का तीसरा सत्र होगा। शीतकालीन सत्र के संबंध में एक अधिसूचना बृहस्पतिवार को जारी कर दी गई।

दूसरे समुदाय के व्यक्ति को मकान बेचने पर सोसाइटी के लोगों ने किया विरोध

मुरादाबाद (उप्र), एजेंसी। मुरादाबाद की एक सोसाइटी में एक निवासी द्वारा कथित तौर पर अन्य समुदाय के व्यक्ति को मकान बेचे जाने के बाद वहां के निवासियों ने विरोध प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शन मंगलवार को तब शुरू हुआ जब 'टीडीआई सोसाइटी' के सदस्यों को पता चला कि डॉक्टर अशोक बजाज नाम के व्यक्ति ने अपना मकान डॉक्टर इकरा चौधरी को बेच दिया। लोगों का आरोप है कि यह उचित नहीं है क्योंकि यह ऐसी सोसाइटी है जहां हिंदू रहते हैं। 'डाक्टर अशोक बजाज, अपना मकान वापस लो' के नारे लिखे बैनरों के साथ महिलाओं समेत सोसाइटी के लोगों ने कॉलोनी के गेट पर प्रदर्शन किया। प्रतिक्रिया के लिए क्रेता और विक्रेता से संपर्क नहीं हो सका। एक प्रदर्शनकारी ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, 'यह हिंदू सोसाइटी है जहां 400 से अधिक हिंदू परिवार रहते हैं। हम नहीं चाहते कि किसी दूसरे समुदाय से कोई यहां रहे।' उन्होंने कहा कि जो मकान बेचा गया है वह एक मंदिर के पास है और सोसाइटी चाहती है कि उस मकान का रजिस्ट्रेशन निरस्त हो। इस विरोध प्रदर्शन में 'टीडीआई सिटी सोसाइटी' के चेयरमैन अमित वर्मा, कल्पना सिंह, संगीता सिंह और अन्य लोग शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि वह किसी खास समुदाय से नफरत नहीं करते। हालांकि उन्होंने कहा, 'हमें डर है कि इस सोसाइटी की जनसांख्यिकी संरचना में गड़बड़ी पैदा होगी और अगर दूसरे समुदाय के लोग यहां रहने लगते हैं तो अवांछित बदलाव किया जा सकता है जिससे हिंदू यहां से दूसरी जगह जाने लगेंगे।'

विदेशों से भारतीय कलाकृतियों को लाने पर कर में छूट की मांग

मथुरा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के राज्य पुरातत्व विभाग ने विदेशों से बहुमूल्य कलाकृतियों को भारत वापस लाने पर लगने वाले सीमा शुल्क को खत्म करने या इसे घटना की मांग की। विभाग ने मथुरा में आयोजित भारतीय मुद्रा परिषद के तीन दिवसीय 106वें राष्ट्रीय अधिवेशन में यह मांग की। भारतीय मुद्रा परिषद की कार्यकारी परिषद के सदस्य एवं मुंबई कॉयन सोसायटी के अध्यक्ष फारुख एस टोडीवाला ने संवाददाताओं से कहा, 'यह बेहद अजीब बात है कि केवल भारत में ही अपने देश की धरोहर को दुनिया के अन्य देशों से वापस लाने पर 33 प्रतिशत सीमा शुल्क लगता है। जबकि इंग्लैंड और अमेरिका में सरकारें ऐसा करने वालों को सम्मानित और प्रोत्साहित करती हैं।' उन्होंने कहा, 'अगर यही काम हमारी सरकार अपने स्तर पर करें तो देश के लिए सम्मान की बात होगी। अफसोस है कि हमें भारतीय सांस्कृतिक धरोहर को वापस लाने पर न केवल मूल्य का एक-तिहाई कर चुकाना पड़ता है बल्कि उस वस्तु का मूल्य निर्धारण करने के मामले में भी केंद्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क विभाग के अधिकारियों की प्रताड़ना का भी शिकार होना पड़ता है।' टोडीवाला ने कहा कि इस मामले में कई बार सरकार से कोई रास्ता निकालने की मांग की गई लेकिन कोई उपयुक्त तरीका अब तक नहीं निकाला जा सका है। भारतीय मुद्रा परिषद के संयुक्त सचिव एवं बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के सह-आचार्य डॉ. अमित कुमार उपाध्याय ने मुद्रा संग्राहकों की आपत्ति का समर्थन करते हुए कहा, 'यह सही है कि इस प्रकार की समस्याएं आ रही हैं।

ट्रेन में सीट को लेकर हुए विवाद के बाद हमले में एक युवक की मौत

अमेठी, एजेंसी। जम्मू से वाराणसी आ रही बेगमपुरा एक्सप्रेस में सीट पर बैठने को लेकर हुए विवाद में चाकू से किये गये हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, बृहस्पतिवार को जम्मू से वाराणसी आ रही बेगमपुरा एक्सप्रेस में लखनऊ से निहालगढ़ के बीच सीट पर बैठने को लेकर दो यात्रियों के बीच विवाद हो गया और मामला इतना बढ़ गया की एक व्यक्ति ने चाकू से हमला कर दिया, जिसमें तौहीद (24) नाम के युवक की मौत हो गई। मृतक तौहीद अंबाला से अपने घर आ रहा था। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि लखनऊ के बाद सीट पर बैठने को लेकर सुलतानपुर के एक युवक का तौहीद से विवाद हो गया, जिसके बाद आरोपी ने अपने कुछ साथियों के साथ मिलकर तौहीद पर चाकू और लोहे की रॉड से हमला कर दिया। उन्होंने बताया कि तौहीद ने इस घटना की सूचना अपने परिजनों को दी, जिसके बाद उसके दो भाई निहालगढ़ रेलवे स्टेशन पहुंचे जहां पर युवकों ने उसक भाई तालिब और तौसीफ पर भी हमला कर दिया, जिसमें दोनों गंभीर रूप से घायल हो गये। अधिकारी ने बताया कि तालिब को जगदीशपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से प्राथमिक उपचार के बाद लखनऊ ट्रामा सेंटर स्थानांतरित कर दिया गया जब कि तौसीफ का इलाज स्वास्थ्य केंद्र में जारी है। भाले सुल्तान शहीद स्मारक थाना प्रभारी निरीक्षक तनुज पाल ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया और इस मामले में कानूनी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि आरोपी युवकों को राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने सुलतानपुर रेलवे स्टेशन पर गिरफ्तार कर लिया।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर अज्ञात वाहन से टक्कर होने पर कार में सवार युवक की मौत

सुलतानपुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के सुलतानपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर बुधवार देर रात एक अज्ञात वाहन और कार की टक्कर में एक युवक की मौत हो गई है और एक व्यक्ति घायल हो गया। पुलिस के एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, अंबेडकर नगर जिले के टाडा थाना क्षेत्र के अलीगंज कस्बे के रहने वाले मोहम्मद अशरफ ऊर्फ रहीम और आसिफ ऊर्फ सोमू के साथ अर्टिगा कार से अंबेडकर नगर जा रहे थे। पुलिस ने बताया कि बुधवार देर रात सुलतानपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर उनकी कार आगे चल रहे एक अज्ञात भारी वाहन से जा टकराई, जिससे कार में सवार दोनों व्यक्ति गंभीर रुप से घायल हो गये। स्थानीय लोगों ने उत्तर प्रदेश एक्सप्रेस औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) को सूचित किया और मौके पर पहुंचे असिस्टेंट सेक्शन ऑफिसर (एएसओ) परमात्मा सिंह ने दोनों घायलों को कूरेभार स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने आसिफ (25) को मृत घोषित कर दिया। कूरेभार थाना प्रभारी शारदेन्दु दूबे ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

सहारनपुर में मधुमक्खियों के हमले में युवक की मौत

सहारनपुर (उप्र), एजेंसी। सहारनपुर जिले में शहद बेचने का काम करने वाले एक युवक पर मधुमक्खियों के झुंड ने हमला कर दिया जिससे वह बुरी तरह घायल हो गया और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (देहात) सागर जैन ने बताया कि थाना फतेहपुर अंतर्गत मुजफ्फराबाद निवासी सोनू (40) बुधवार शाम घूमने के लिए निकला था और जैसे ही वह पानी की टंकी के नीचे पहुंचा, टंकी पर बने छत्ते से निकलकर मधुमक्खियों ने उस पर हमला कर दिया। घटना के बाद ग्रामीणों ने उसे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

हरियाणाः बिजनौर में बाल्मीकि समाज की सभासद भारती बाल्मीकि की सेवा समाप्त, शोषण के खिलाफ उठाई आवाज

अनिल

हरियाणाः जलालाबाद नगर पंचायत में बाल्मीकि समाज की बेटी और सभासद भारती बाल्मीकि के साथ हुए शोषण को लेकर समाज के लोग खड़े हो गए हैं। मामला तब सामने आया जब नगर पंचायत के ए.ड. (कार्यकारी अधिकारी) और चेयरमैन के पति ने राजनीति और जातिवाद के चलते भारती बाल्मीकि के पिता की सेवा समाप्त कर दी। यह कार्रवाई तब हुई जब भारती ने अपनी जनता की समस्याओं को लेकर नगर पंचायत में आना-जाना शुरू किया।

रजु पुत्र स्व. मुन्नालाल, जो जलालाबाद नगर पंचायत में स्थायी सफाई कर्मचारी थे, को बिना कारण बताए सेवा से हटा दिया गया। उनके साथ यह भेदभाव इसलिए किया गया क्योंकि उनकी बेटी, भारती बाल्मीकि, जलालाबाद वार्ड नंबर 2 से सभासद चुनी गई थी। अधिकारियों को यह नागवार गुजरा कि एक "अछूत जाति" की महिला अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ रही है।

बताया जा रहा है कि पहले तो ए.ड. ने भारती बाल्मीकि पर व्यक्तिगत रूप से दबाव डाला, लेकिन जब उनकी बात नहीं बनी, तो एक षड्यंत्र रचते हुए उनके पिता को फंसाकर सेवा समाप्त कर दी। इसके बाद, भारती ने बिजनौर के जिलाधिकारी और कमिश्नर तक अपनी आवाज पहुंचाई, लेकिन उच्च अधिकारियों की पहुंच वाले ए.ड. और चेयरमैन के पति के आगे कोई कार्रवाई नहीं हुई।

निराश होकर, भारती ने लखनऊ में अपने सामाजिक नेताओं से मदद की अपील की। उनके समर्थन में समाज के विभिन्न नेता एकजुट हो गए, जिनमें जगदीश अटल (महामंत्री नगर महापालिका कर्मचारी यूनियन लखनऊ), शत्रुघ्न वाल्मीकि (महासचिव उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय क्रांतिकारी मोर्चा लखनऊ), और प्रदीप वाल्मीकि कानपुर (प्रदेश महासचिव भावाधस भीम) जैसे प्रमुख नेता शामिल थे।

समाज के नेताओं ने उच्च अधिकारियों को इस मामले की जानकारी दी और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। समाज के प्रतिनिधियों ने चेतावनी दी है कि अगर दोषियों पर कार्रवाई नहीं की गई, तो पूरे प्रदेश से लोग जलालाबाद नगर पंचायत का घेराव कर आंदोलन करेंगे। चमन खन्ना ने कहा कि अगर कोई कार्रवाई नहीं होती, तो पूरे प्रदेश के लोग इस अन्याय के खिलाफ एकजुट होकर संघर्ष करेंगे।

उत्तर प्रदेशः जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने गड्ढामुक्ति कार्यों की प्रगति की समीक्षा की

सूरज मौर्य

उत्तर प्रदेशः जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने आज कलेक्ट्रेट सभागार में गड्ढामुक्ति मार्ग अनुरक्षण के संबंध में संबंधित अधिकारियों और कार्यदायी संस्थाओं के पदाधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में मार्गों की स्थिति और गड्ढामुक्ति कार्यों की प्रगति की जानकारी ली गई। इस दौरान, प्रान्तीय खण्ड लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने बताया कि विकास खण्ड सिटी और लालगंज के मार्गों का गड्ढामुक्ति कार्य पूर्ण रूप से सत्यापित किया जा चुका है, जबकि अन्य विकास खण्डों के मार्गों का सत्यापन बाकी है।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि तीन विकास खण्डों का सत्यापन शीघ्र कराते हुए आख्या प्रस्तुत की जाए। प्रियंका निरंजन ने कहा कि सभी संबंधित अधिकारियों को अपने अधीनस्थ मार्गों का निरीक्षण कर गड्ढामुक्त और क्षतिग्रस्त मार्गों की सूची तैयार करने के निर्देश दिए। इस सूची को अधिशासी अभियंता प्रान्तीय खण्ड लोक निर्माण विभाग को जल्द से जल्द भेजने के लिए कहा गया। अधिशासी अभियंता प्रान्तीय खण्ड लोक निर्माण विभाग, सतीश कुमार ने बैठक में बताया कि 153.54 किलोमीटर मार्गों की पैच मरम्मत कार्य पूरा कर लिया गया है, जबकि निर्माण खण्ड-2 द्वारा 82 किलोमीटर मार्ग पर मरम्मत कार्य किया गया है और बाकी कार्य प्रगति पर हैं। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि कराए गए गड्ढामुक्ति कार्यों की योजना और प्रगति की जानकारी, जीपीएस फोटोग्राफ के साथ विभाग को उपलब्ध कराई जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार, अधिशासी अभियंता प्रान्तीय खण्ड लोक निर्माण विभाग सतीश कुमार, अधिशासी अभियंता निर्माण खण्ड दो ए.के. पाण्डेय, सहायक अभियंता बी.के. पाण्डेय सहित अन्य संबंधित अधिकारी और कार्यदायी संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

राजस्थानः महापरिनिर्वाण दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित

हरि शंकर गन्हराज

राजस्थानः बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी के महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर प्रदेश प्रवक्ता राधेश्याम उपाध्याय ने अपने साथियों के साथ मिलकर स्वच्छ रक्तदान कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर विधायक डूंगर राम गैधर ने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि वे बाबा साहब अंबेडकर के बताए हुए मार्ग और शिक्षा की अलख जगाने के लिए अधिक से अधिक संख्या में भाग लें। उन्होंने युवाओं से यह भी अपील की कि वे नशे से दूर रहें और शिक्षा की खुराक से अपने दिमाग को तर्क संगत बनाए रखें ताकि समाज में भाईचारा कायम रहे और सौहार्द बना रहे। नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष परस राम भाटिया ने इस अवसर पर युवाओं को बाबा साहब के मानवतावादी विचारों से प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि संविधान की रक्षा करना और उसके विचारों पर चलना सभी का कर्तव्य है। कार्यक्रम में शिक्षाविद् जेपी गिला, अरुण दाधीच, युवा नेता योगेश मेघवाल, एडवोकेट राकेश नायक, अक्षर नायक, मनीष वर्मा, पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष साहिल गैधर, मनोहर लाल, दिगपाल, खेमाराम, समाजसेवी शिव चरण उपाध्याय और मैत्री ब्लड बैंक के संचालक सुनील योगी सहित कई प्रमुख लोग उपस्थित थे। इन सभी ने रक्तदाताओं का आभार व्यक्त किया और रक्तदान के महत्व पर भी चर्चा की। कार्यक्रम में रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए कवियों ने भी प्रेरणादायक काव्य पाठ किया, जिससे युवाओं को रक्तदान के प्रति उत्साहित किया गया। इस कार्यक्रम ने समाज में बाबा साहब अंबेडकर के विचारों को आगे बढ़ाने और युवाओं को अच्छे कार्यों के लिए प्रेरित करने का एक महत्वपूर्ण संदेश दिया।

स्वच्छ रक्तदान कार्यक्रम का आयोजन

राजस्थानः सूरतगढ़ में विराट भजन संकीर्तन दरबार का आयोजन

हरी शंकर गजराज

राजस्थानः बालाजी श्री किशन पितर जी मंदिर, सूरतगढ़ धाम में शनिवार, 7 दिसम्बर 2024 को दिनभर विराट भजन संकीर्तन दरबार का आयोजन किया जाएगा। यह भव्य आयोजन भक्त शिरोमणि प्रेमा बाई के पावन सानिध्य में संपन्न होगा। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए मंदिर के प्रभारी भक्त लेखराम सैन ने बताया कि इस दिन मंदिर में सुबह से लेकर शाम तक भव्य भजन संकीर्तन का आयोजन धूमधाम से किया जाएगा। भक्त शिरोमणि प्रेमा बाई द्वारा भक्तों के कल्याण और उनकी सुख-समृद्धि की कामना के लिए आलोकिक जोत भी जलायी जाएगी, जिसका दर्शन सभी श्रद्धालुओं को प्राप्त होगा। कार्यक्रम में बीकानेर से ओमप्रकाश राठी, शिव औझा, मनीष देरासरी और श्री देवकीनंदन पुजारी सालासर वाले सहित कई प्रसिद्ध कलाकार भजन प्रस्तुत करेंगे। साथ ही, स्थानीय कलाकार भी बाबे के गुणगान करेंगे। कार्यक्रम में अटूट लंगर सेवा का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें सभी श्रद्धालु निःशुल्क प्रसाद का लाभ उठा सकेंगे। सभी आयोजनों की व्यवस्था में सहयोग देने के लिए प्रबंधक ममता चौहान ने महिलाओं के लिए स्थान की व्यवस्था सुनिश्चित करने की जानकारी दी है। इस आयोजन में प्रमुख रूप से प्रताप सिंह महला, सुरेंद्र कुमार, मोहन लाल सुथार, हरीश जगवानी, कुलवंत उपाध्याय, विजय कुमार, नरपतसिंह, आशीष स्वामी, प्रकाश तावणिया, परतुराम वर्मा, श्रवण स्वामी, श्रवण खटोड़, राजू, महेंद्र स्वामी जोरावरपुरा, नरपतसिंह पड़िहार, मुल्तान दुगड़, महावीर सोमानी, महावीर गुप्ता और अन्य कार्यकताओं का सक्रिय सहयोग रहेगा।

धर्म प्रचारक तोलाराम स्वामी ने सभी भक्तों से इस विशेष आयोजन में भाग लेने की अपील की है, ताकि यह आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हो सके।

स्व0 जीत नारायण मिश्रा की पुण्य तिथि पर गरीबों को कंबल वितरण

सूरज मौर्य

उत्तर प्रदेशः उत्तर प्रदेश के मीरजापुर जनपद के जिगना छानबे क्षेत्र स्थित बभनी हरगढ़ गाँव में शुक्रवार को स्व० जीत नारायण मिश्रा की पुण्य तिथि के अवसर पर ग्लोब इंफोसिस प्रा. लि. द्वारा एक हजार गरीबों को कंबल वितरण किया गया।

ठंड के मौसम में कंबल मिलने से गरीबों के चेहरों पर मुस्कान आ गई और उनके जीवन में एक छोटी सी राहत आई। इस अवसर पर समाजसेवी अनिल मिश्रा ने कहा कि समाज में जब तक धनवानों में दया और निर्धनों में संतोष का भाव नहीं आएगा, तब तक गरीबी और अमीरी की खाई नहीं पटेगी। उन्होंने समाज के संपन्न वर्ग से अपील की कि ठंड के मौसम में गरीबों, दिव्यांगों और बुजुर्गों को गर्म कपड़े और कंबल वितरित करने के लिए वे आगे आएं।

इस कंबल वितरण समारोह में अनिल मिश्रा के साथ-साथ अन्य प्रमुख व्यक्तित्वों ने भी भाग लिया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से संतोष मिश्रा, राम आसरे मिश्रा, डॉ. निखिल मिश्रा, शिवम मिश्रा, अभिषेक मिश्रा, डॉ. सत्यम मिश्रा, डॉ. दीपक मिश्रा, चिराग मिश्रा, लक्ष्मी मिश्रा, शेषमनि मिश्रा और कमलेश मिश्रा ने कंबल वितरित किए।

हरियाणाः किसान आंदोलन को लेकर पुलिस प्रशासन अलर्ट, डीएसपी अमित भाटिया ने जारी की एडवाइजरी

सुरेंद्र/हरियाणाः किसान संगठनों द्वारा दिल्ली कूच करने की संभावना को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट हो गया है। इस संबंध में डीएसपी अमित भाटिया ने आज एक प्रेस वार्ता में पत्रकारों को जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन ने पुख्ता इंतजाम किए हैं और उपायुक्त जींद के निर्देश पर दातासिंह वाला खनौरी बॉर्डर पर धारा 163 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता लागू कर दी गई है। इसके तहत पांच या उससे अधिक लोग एकत्र नहीं हो सकते। डीएसपी अमित भाटिया ने बताया कि जिला पुलिस द्वारा हर गतिविधि पर पैनी नजर रखी जा रही है। आम नागरिकों के लिए ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की गई है। दातासिंह वाला बॉर्डर पर पुलिस द्वारा बैरिकेटिंग की जा रही है और प्रशासन की कोशिश है कि बातचीत के माध्यम से सभी मुद्दों का समाधान किया जाए। इसके अलावा, सोशल मीडिया पर भी प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है। यदि किसी व्यक्ति द्वारा आपत्तिजनक टिप्पणी या वीडियो डाली जाती है, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सरकार ने सभी विभागों, निगमों में हड़ताल पर 6 महीने तक रोक लगाई

आनंद कुमार

उत्तर प्रदेशः सरकार ने राज्य के सभी विभागों, निगमों और स्थानीय प्राधिकरण में हड़ताल पर अगले 6 महीने तक रोक लगाने का निर्णय लिया है। यह कदम ऊर्जा क्षेत्र के निजीकरण के खिलाफ हो रहे विरोध और संभावित हड़तालों के मद्देनजर उठाया गया है। सरकार को आशंका है कि ऊर्जा निगमों के निजीकरण के फैसले के बाद अभियंता और कर्मचारी हड़ताल पर जा सकते हैं, जिससे बिजली आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। ऐसे में राज्य सरकार ने उत्तर प्रदेश अत्यावश्यक सेवाओं का संरक्षण अधिनियम के तहत यह रोक लागू करने का निर्णय लिया है। शुक्रवार को प्रमुख सचिव कार्मिक, एम. देवराज ने हड़ताल पर रोक लगाने संबंधी अधिसूचना जारी की। इसके तहत सभी विभागों, निगमों और स्थानीय प्राधिकरण में हड़ताल पर प्रतिबंध रहेगा। सरकार का मानना है कि निजीकरण के फैसले के बाद ऊर्जा निगमों के कर्मचारी विरोध में हड़ताल कर सकते हैं, जिससे राज्य की बिजली आपूर्ति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। उत्तर प्रदेश सरकार अगले सप्ताह कैबिनेट में एक प्रस्ताव लाने की तैयारी कर रही है, जिसके तहत पूर्वांचल और दक्षिणांचल डिस्कॉम के 42 जिलों की बिजली आपूर्ति पीपीपी (पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप) मॉडल के तहत निजी हाथों में सौंप दी जाएगी। राज्य सरकार ने पावर कार्पोरेशन प्रबंधन को अन्य 9 विभागों से अभियंता और कर्मचारी मांगने की भी योजना बनाई है, ताकि किसी भी अप्रत्याशित हड़ताल से बचा जा सके। इंजीनियर्स एसोसिएशन के विरोध को देखते हुए, सरकार ने यह निर्णय लिया है कि अगले छह महीने तक किसी भी विभाग में हड़ताल की अनुमति नहीं दी जाएगी।

उत्तर प्रदेशः संपत्ति हड़पने के लिए तीन सगे बहनोईयों ने की भाई की हत्या

मोहम्मद राशिद

उत्तर प्रदेशः मुरादाबाद स्वर संपत्ति को हथियाना के लिए घर के इकलौते साल की तीन सगे बहनोई सहित 6 लोगों ने मिलकर हत्या की थी शुक्रवार को पुलिस ने हत्याकांड का खुलासा करते हुए तीन सगे बहाने को गिरफ्तार कर लिया जबकि एक बहन हुई का हिस्ट्री सीटर पिता ग्राम प्रधान एक कन्या रिश्तेदार तथा एक अज्ञात फरार है पुलिस ने गिरफ्तार किए गए। तीन आरोपियों को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। नगर के मोहल्ला काशीपुर निवासी सलाउद्दीन का अपने बहाने मसवासी के भरा निवासी अबरार से काफी समय से जमीन को लेकर विवाह चल रहा था कई पंचायत के बाद भी सेल बहने का मामला नहीं हो सका इसे लेकर आवारा ने अपने पिता हिस्ट्रीशीटर एवं नगर पंचायत मसवासी के पूर्व कार्यवाहक अध्यक्ष मोहम्मद अहमद मुला एवं अपने बहनों उत्तराखंड के बाजपुर के कनोरा के ग्राम प्रधान अमीर अहमद के साथ मिलकर मंगलवार की देर शाम सलाउद्दीन की निर्माण दिन मैरिज हॉल में गोली मारकर हत्या कर दी थी पुलिस में मृतक के चाचा असगर अली की तहरीर पर तीनों के खिलाफ रिकॉर्ड डालकर तलाश शुरू कर दी थी। शुक्रवार को पुलिस ने आगरा को गिरफ्तार कर लिया और साथ में उसने हत्या में शामिल अपने दोस्त साधु मसवासी के गांव कुशालपुर निवासी गुफरान नगर के मोहल्ला रसूलपुर निवासी इमरान रामपुर के अजीतपुर नई बस्ती निवासी असीम और एक अज्ञात का नाम बताया पुलिस ने तत्काल मृतक के तीन बहनों को गिरफ्तार करने करके उनकी निशान दे पर हत्या में प्रयुक्त दो तमंचे दो कोका एवं दो जीवित कर को बरामद कर लिए इसके बाद तीनों हत्यारूपयों को कोर्ट में पेश कर करके जेल भेजा गया कोतवाल कुलदीप सिंह ने बताया कि मुकदमे में शामिल किए गए चार आरोपियों की तलाश की जा रही है।

एक सप्ताह से की जा रही थी। रेकी आरोपी अग्रणी पुलिस को पूछताछ से बताया कि सलाउद्दीन से पंचायत करने के बाद में भी जमीन का विवाद नहीं निपट पा रहा था इसलिए उसकी हत्या की योजना बनाई। इसके तहत एक सप्ताह से उसकी रेकी की जा रही थी। लेकिन मौका नहीं मिल रहा था। मौका मिलते ही मंगलवार को अपने पिता साधु बहनोई और दूर के रिश्तेदार एक अज्ञात के साथ मिलकर सलाउद्दीन की हत्या कर दी उसने बताया कि सलाउद्दीन इकलौता साला था उसकी मौत के बाद सारी संपत्ति हमारी हो जाए जाती इसलिए उसकी हत्या कर दी इसका उसे कोई अफसोस नहीं है, क्योंकि वह केवल दौलत के लालच में अपने साल की हत्या कर बैठा।

एक नजर

बांग्लादेशः हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में अभिभाषक संघ ने सौंपा ज्ञापन

तिरुपति पांडेय/बांग्लादेशः बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में आज सनावद अभिभाषक संघ द्वारा एक विरोध रैली का आयोजन किया गया। यह रैली कोर्ट परिसर से शुरू होकर आजाद मार्ग, माता चौक, बस स्टैंड होते हुए थाना परिसर पहुंची, जहां अभिभाषक संघ के सदस्यों ने महामहिम राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन सौंपा। रैली के दौरान "भारत माता की जय" और "वंदे मातरम" के नारे लगाए गए। इस विरोध प्रदर्शन में अभिभाषक संघ के अध्यक्ष जेके यादव ने ज्ञापन का वाचन किया। ज्ञापन में बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हो रहे हमलों की कड़ी निंदा की गई और सरकार से इस पर त्वरित कार्रवाई की मांग की गई। इस अवसर पर अभिभाषक संघ के उपाध्यक्ष गणेश मालवीय, कृष्ण राव सोनोने, जीएस चौहान, आशीष मिश्रा, कैलाश चौहान, ज्योति येवतीकर सहित अन्य अधिवक्ता भी उपस्थित रहे। अभिभाषक संघ ने इस ज्ञापन के माध्यम से बांग्लादेश में हिंदू समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार से हस्तक्षेप की अपील की।

उत्तर प्रदेशः जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने रैन बसेरा का किया निरिक्षण

सूरज मौर्य / उत्तर प्रदेशः दौरान जिलाधिकारी ने रैन बसेरा में की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने रैन बसेरे में ठहरने आए आगंतुकों के रजिस्टर को देखा, जिसमें आगंतुकों के नाम, मोबाइल नंबर, और आने का स्थान दर्ज किया जाता है। उन्होंने अधिशासी अधिकारी नगर पालिका, गोवा लाल को निर्देश दिया कि रैन बसेरा में ठहरने वाले सभी आगंतुकों के विवरण सही तरीके से रजिस्टर में अंकित किए जाएं। इसके साथ ही, जिलाधिकारी ने ठंड से बचाव के लिए रैन बसेरा में अलाव की व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी विकास शिव प्रताप शुक्ल और नगर मजिस्ट्रेट लाल बहादुर भी उपस्थित थे। जिलाधिकारी के इस निरीक्षण से रैन बसेरा में ठहरने वालों को बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं।

मध्य प्रदेशः मुख्य नहर में गिरी अनियंत्रित होकर व्यापारी की कार, मौत

मध्य प्रदेशः भीकनगांव मार्ग पर स्थित नलवा आयएसपी नहर में गुरुवार शाम एक दुखद हादसा घटित हुआ, जिसमें झिरन्या निवासी व्यापारी संजय सोनी (55) की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, संजय सोनी अपनी कार में सवार होकर जा रहे थे, तभी उनकी कार अनियंत्रित होकर नहर में गिर गई। हादसे की सूचना मिलते ही खरगोन एसपी धर्मराज मीणा, एसडीओपी अर्चना रावत, एसडीएम प्रताप अगास्या, सनावद टीआई इंद्रेश त्रिपाठी तथा एसडीईआरएफ की टीम मौके पर पहुंची।

बचाव कार्य के लिए नावघाटखेड़ी क्षेत्र के गोताखोरों की मदद ली गई। अंधेरा होने के बावजूद बचाव कार्य जारी रहा और तीन घंटे बाद, रात साढ़े 8 बजे गोताखोरों ने कार में फंसे शव को बाहर निकाला। शव को तुरंत सिविल अस्पताल सनावद भेजा गया, जहां डॉक्टर ने व्यापारी संजय सोनी को मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद सनावद में उनके परिचित और परिजनों में शोक की लहर दौड़ गई। इस घटना के बाद स्थानीय प्रशासन द्वारा आवश्यक कदम उठाए गए हैं और मामले की जांच की जा रही है।

मध्य प्रदेशः परिनिर्माण दिवस पर डॉ. अंबेडकर को दी गई श्रद्धांजलि

अरविन्द दुबे / मध्य प्रदेशः स्थानीय नगर के नया बाजार प्रांगण स्थित भारत रत्न संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थल पर परिनिर्माण दिवस के अवसर पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस मौके पर क्षेत्रीय विधायक महेंद्र नागेश, सिलावट समाज संगठन के पदाधिकारी और स्थानीय समाज के सदस्य उपस्थित रहे। सिलावट समाज संगठन के नेतृत्व में इस आयोजन में विधायक महेंद्र नागेश, पंकज चौकसे, वरिष्ठ अधिवक्ता उत्तमसिंह छिरा, संरक्षक जितेंद्र चांदोरिया, प्रदेश अध्यक्ष परमसिंह सिलावट, प्रदेश महामंत्री दीनूसिंह छिरा, सचिव रंजीत सिंह पिपरोलिया, प्रदेश मीडिया प्रभारी पत्रकार संजू सिलावट, महासचिव देवीसिंह परसवाल, प्रवक्ता लोचनसिंह सिलावट और वरिष्ठ पदाधिकारी सरमन सिंह पिपरोलिया सहित अनेक पदाधिकारी शामिल हुए। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही, विधायक महेंद्र नागेश और अन्य पदाधिकारियों ने उनकी पुण्यतिथि पर दो मिनट का मौन धारण कर सम्मान व्यक्त किया।

राजस्थानः उर्स की व्यवस्थाओं को लेकर कोर्ट के निवासियों ने जिला प्रशासन को दिया ज्ञापन

मोहम्मद नवाज खान / राजस्थानः शुक्रवार को अन्दर कोट मोहल्ला विकास समिति के बैनर तले स्थानीय निवासियों ने जिला कलेक्टर को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें उन्होंने हजरत ख़्वाजा साहब के 813वें सालाना उर्स के आयोजन को लेकर कुछ प्रमुख व्यवस्थाओं की मांग की। ज्ञापन में बताया गया कि झण्डे की रस्म के साथ उर्स अनौपचारिक रूप से शुरू हो जाएगा, और इस दौरान देश-विदेश से लाखों जायरिन अजमेर पहुंचेंगे। ज्ञापन में कहा गया कि उर्स के दौरान सर्दियों के मौसम में शीत लहर चलने की संभावना है। प्रशासन द्वारा बनाई गई अस्थायी रेन बसेरों में शीत लहर से बचाव के लिए जरूरी उपाय किए जाएं। खासकर, टेन्टों को बंद किया जाए और उनमें रजाई और बिस्तर की व्यवस्था की जाए। इसके अलावा, ज्ञापन में यात्रा करने वाले जायरिनों से लिए जाने वाले टैक्स में छूट की मांग की गई है। बताया गया कि राज्य सरकार ने रामदेवरा मेले के दौरान यात्रियों से टैक्स में छूट दी थी, जिसमें अधिकतम 6500 रुपये तक का टैक्स लिया गया था। ऐसे में, अजमेर आने वाले जायरिनों को भी टैक्स में छूट प्रदान की जाए। उर्स के दौरान दरगाह क्षेत्र को बाहरी इलाके से जोड़ने वाली सड़क की स्थिति पर भी चिंता जताई गई। ज्ञापन में कहा गया कि यह सड़क अब अपनी स्थिति खो चुकी है और इसे सुधारने की आवश्यकता है। उर्स के दौरान इस सड़क से अग्निशमन वाहन, एम्बुलेंस और प्रशासनिक वाहनों का आना-जाना होता है, इसलिए इसे तत्काल ठीक किया जाना चाहिए। इसके अलावा, सार्वजनिक स्थानों और भवनों में माताओं को बच्चों को दूध पिलाने और देखभाल करने के लिए अलग स्थान बनाए जाने की भी मांग की गई।

संपादकीय

उपराष्ट्रपति के किसानी सवाल

कृषि मंत्री जी, एक-एक पल आपका भारी है। मेरा आपसे आग्रह है और भारत के संविधान के तहत दूसरे पद पर विराजमान व्यक्ति आपसे अनुरोध कर रहा है कि कृपा कर मुझे बताएं कि क्या किसानों से वायदा किया गया था? वायदा क्यों नहीं निभाया गया? वायदा निभाने के लिए हम क्या कर रहे हैं? गत वर्ष भी आंदोलन था, इस वर्ष भी आंदोलन है। कालचक्र घूम रहा है और हम कुछ नहीं कर पा रहे हैं! उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने किसानों को लेकर कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से ये सवाल किए हैं। यह पहली बार है कि एक ही सरकार में उपराष्ट्रपति ने कृषि मंत्री से सवाल किए हैं।

उपराष्ट्रपति खुद किसान, ग्रामीण पृष्ठभूमि के हैं। उन्होंने यहां तक कहा कि यदि किसान को उसकी फसल का उचित मूल्य दे दोगे, तो कोई पहाड़ नहीं गिरेगा। उपराष्ट्रपति के ये सवाल इसलिए मौजू हैं, क्योंकि 6 दिसंबर से किसान आंदोलन फिर शुरू हो सकता है। इस बार यह पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उप्र तक ही सीमित नहीं रहेगा, बल्कि तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक आदि राज्यों से भी किसान मोर्चे आंदोलित होंगे। उपराष्ट्रपति का सवाल है कि देश का किसान लगातार परेशान, पीड़ित और आंदोलित क्यों है? जो किसान घर बैठे हैं, वे भी आंदोलित और चिंतित हैं, लिहाजा आंदोलन की संख्या वही न गिनी जाए, तो किसान सडक पर उतरेंगे। हालांकि उपराष्ट्रपति धनखड़ ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी पर कुछ नहीं कहा और इस संबंध में गठित समिति पर भी सवाल नहीं किया, लेकिन उपराष्ट्रपति के रूप में किसानों को एक ताकतवर, सशक्त पैरोकार मिला है। शिवराज भी जून, 2024 में ही कृषि मंत्री बने हैं। जो भी वायदे किए गए होंगे, वे नरेंद्र तोमर और अर्जुन मुंडा के कृषि मंत्री काल के होंगे! बहरहाल भारत की अर्थव्यवस्था में कृषि का 17 फीसदी से अधिक का योगदान है और देश के कार्यबल में करीब 47 फीसदी कृषि और किसान का योगदान है। देश की करीब दो-तिहाई आबादी कृषि के भरोसे है, लेकिन आज भी किसान की औसत आय 16, 928 रुपए माहवार है। किसान की आय से अधिक खर्च बढ़े हैं और प्रति किसान 91, 000 रुपए से अधिक का कर्ज है। सवाल यह भी है कि उपराष्ट्रपति किसानों के पक्ष में सार्वजनिक रूप से क्यों बोले? और एक ही मंच पर कृषि मंत्री से सवाल क्यों किए गए? किसान संबंधी योजनाओं और नीतियों की अकेली जिम्मेदारी कृषि मंत्री पर ही नहीं है।

देवेंद्र फडणवीस भाजपा के लिए चाणक्य बन चमक रहे हैं

तीसरी बार मुख्यमंत्री का ताज पहनने वाले देवेंद्र फडणवीस ने प्रखर राजनेता, अजातशत्रु, दूरदर्शी नायक एवं महाराष्ट्र-निमार्ता के रूप में न केवल देश के लोगों का दिल जीता है, बल्कि विरोधियों के दिल में भी जगह बनाकर, अमिट यादों को जन-जन के हृदय में स्थापित कर अनेक राजनीतिक कीर्तिमान स्थापित किये हैं। फडणवीस यह नाम महाराष्ट्र राजनीतिक इतिहास का एक ऐसा स्वर्णिम पृष्ठ है, जिससे एक सशक्त जननायक, स्वप्नदर्शी राजनायक, आदर्श चिन्तक, नये महाराष्ट्र के निमार्ता, कुशल प्रशासक के साथ-साथ राजनीति को एक खास रंग देने की महक उठती है।

-ललित गर्ग-

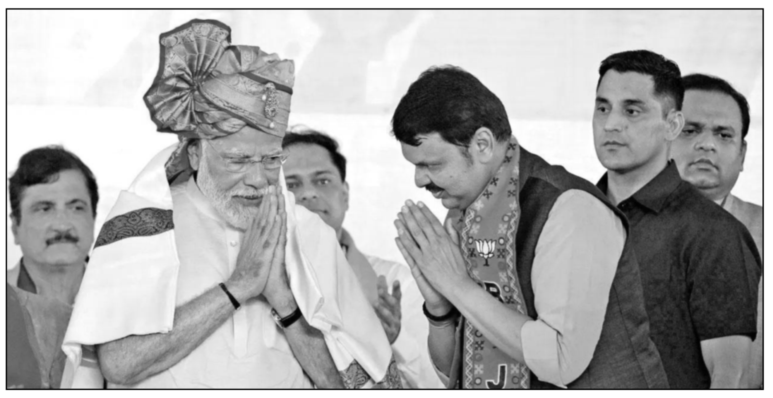

महाराष्ट्र में सरकार गठन की राजनीति में दस दिन की सघन वाताओं और खासी नाटकीयता के बाद आखिर अंधेरा छंट गया और देवेंद्र फडणवीस तीसरी बार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं। फडणवीस का मुख्यमंत्री बनना न केवल महाराष्ट्र बल्कि देश की राजनीति को एक नई दिशा एवं दृष्टि देगा। क्योंकि फडणवीस ने अपने राजनीतिक कौशल से न केवल नये मानक गढ़े हैं बल्कि सकारात्मक राजनीति को नये आयाम दिये हैं। हार का कारण स्वयं को मानने एवं जीत का श्रेय पार्टी एवं सहयोगी दलों को देने की विराट सोच रखने वाले फडणवीस को अब भाजपा के शीर्ष नेताओं में शुमार किया जाने लगा है। फडणवीस ने राजनीति के चाणक्यों के चक्रव्यूहों को कुछ ऐसा भेदा कि लोग उन्हें आधुनिक अभिमन्यु भी कहने लगे। बात सही भी है फडणवीस अब किसी चक्रव्यूह में फंसते नहीं बल्कि उसे भेदकर बाहर निकलते हैं। सामने कोई भी हो शह और मात के खेल में उनकी जीत अब गारंटी बन चुकी है। वे भाजपा के लिए चाणक्य हैं तो विपक्ष के लिए अबूझ पहेली। पिछले एक दशक से महाराष्ट्र की राजनीति उनके ही इर्द-गिर्द घूम रही है। ऐसे कद्दावर राजनेता के नेतृत्व में निश्चित ही अगली पारी सफल होने वाली है। बावजूद इसके विशाल बहुमत वाली इस सरकार के मुखिया के तौर पर फडणवीस की यह पारी किसी भी रूप में कम चुनौतीपूर्ण नहीं है। फिर भी महाराष्ट्र को राजनीतिक स्थिरता और विकास के नए दौर में ले जाने की जिम्मेदारी निभाते हुए वह हर चुनौती के पार जायेंगे, लोगों ने उनकी पार्टी और सहयोगी दलों पर जो भरोसा जताया है, महायुति सरकार उनकी उम्मीदें पूरी करके एक नये इतिहास का सृजन करेंगी, इसमें कोई शंका दूर तक नजर नहीं आती।

तीसरी बार मुख्यमंत्री का ताज पहनने वाले देवेंद्र फडणवीस ने प्रखर राजनेता, अजातशत्रु, दूरदर्शी नायक एवं महाराष्ट्र-निमार्ता के रूप में न केवल देश के लोगों का दिल जीता है, बल्कि विरोधियों के दिल में भी जगह बनाकर, अमिट यादों को जन-जन के हृदय में स्थापित कर अनेक राजनीतिक कीर्तिमान स्थापित किये हैं। फडणवीस यह नाम महाराष्ट्र राजनीतिक इतिहास का एक ऐसा स्वर्णिम पृष्ठ है, जिससे एक सशक्त जननायक, स्वप्नदर्शी राजनायक, आदर्श चिन्तक, नये महाराष्ट्र के निमार्ता, कुशल प्रशासक के साथ-साथ राजनीति को एक खास रंग देने की महक उठती है। उनके व्यक्तित्व के इतने रूप हैं, इतने आयाम हैं, इतने रंग हैं, इतने दृष्टिकोण हैं, जिनमें वे व्यक्ति और नायक हैं, प्रशासक और राजनेता हैं, प्रबुद्ध और प्रधान है, वक्ता और नेता हैं, शासक एवं लोकतंत्र उन्नायक हैं। महाराष्ट्र राजनीति की एक खास स्थिति जहां सहयोगी दलों की आकांक्षाओं का ध्यान रखने और उन्हें यथासंभव संतुष्ट रखने की जरूरत से जुड़ी चुनौती है वहीं आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में महायुति से जुड़े दलों पर बेहतर प्रदर्शन की बड़ी जिम्मेदारी है। हालांकि पहली चुनौती मंत्रिमंडल में विभागों के बंटवारे को संतोषजनक ढंग से निपटाने की है। एक बड़ी चुनौती महाराष्ट्र में भाजपा की ताकत को बलशाली बनाने की भी है। इन सब चुनौतियों एवं परिस्थितियों के बीच संतुलन बनाने एवं उनसे पार पाने की क्षमता फडणवीस में दिखती है। जो व्यक्ति 2022 में एकनाथ शिंदे मंत्रिमंडल में मुख्यमंत्री की बजाय उपमुख्यमंत्री की भूमिका मंजूर कर लेता है, पद से ज्यादा पार्टी हित को सामने रखता है, विशिष्ट परिस्थितियों में पार्टी के आग्रह पर न केवल सरकार का सुचारू संचालन सुनिश्चित करता है बल्कि चुनाव में पार्टी की अगुआई करते हुए उसे शानदार जीत भी दिलाता है, तो उन्हें मुख्यमंत्री की भूमिका सौंपी जा रही है तो अपनी पात्रता तो वह पहले ही अच्छी तरह सिद्ध कर चुके हैं, अब तो शासन के नये मानक गढ़ने है।

यह स्पष्ट है कि देवेंद्र फडणवीस के राजनीतिक जीवन के नए दौर की शुरूआत संभावनाभरी है। भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद उन्होंने अपने भाषण में हिंदवी स्वराज से लेकर अहिल्याबाई होलकर का नाम लेकर अपनी राजनीतिक धारा को बिल्कुल स्पष्ट किया। चुनाव प्रचार के दौरान भी उनकी छवि आत्मविश्वास से भरे हिंदुत्ववादी शुद्ध स्वयंसेवक भाजपा नेता की बनी। उन्होंने कट्टरपंथी मुस्लिम नेताओं और उनको समर्थन देने वाले महाविकास आघाड़ी के विरुद्ध लगातार प्रखर प्रहार से अपनी छवि वर्तमान राजनीतिक धारा के अनुरूप बनाई। चुनाव के समय लगा था कि एक हैं तो सेफ हैं और बंटेंगे तो कटेंगे नारे को लेकर महायुति में मतभेद के बावजूद उन्होंने गजब का संतुलन बनाते हुए इन नारों के बल पर महायुति की जीत को उच्च शिखर देकर सबको आश्चर्यचकित किया। महायुति सरकार की नई पारी पिछली पारी जैसी सहजता और स्थिरता दिखा पाएगी या नहीं यह सवाल तो खड़ा ही है, लेकिन इस सवाल को नकारते हुए नयी सरकार अपना पूरा कार्यकाल उतार-चढ़ाव के बावजूद निष्कंटक पार करेगी। दो पुरानी और सुगठित राजनीतिक पार्टियों में हुई असाधारण तोड़फोड़ के परिणास्वरूप बनी महायुति ने हालांकि 2024 विधानसभा चुनावों में अपनी सार्थकता सिद्ध कर दी है और इसलिए अब इसे किसी भी रूप में कृत्रिम गठबंधन नहीं कहा जा सकता। फिर भी नए मुख्यमंत्री और भाजपा नेतृत्व को सहयोगी दलों को साथ लेकर चलने और किसी भी असंतोष से बचने पर खास ध्यान देना होगा।

फडणवीस का राजनीतिक जीवन अनेक विशेषताओं एवं उपलब्धियों से भरा रहा है। उन्होंने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के माध्यम से उसकी शुरूआत की। उनके पिता स्व. गंगाधरराव फडणवीस विधान परिषद सदस्य थे। लेकिन इस राजनीतिक विरासत का सहारा लेने के स्थान पर फडणवीस ने अपनी खुद की पहचान बनाई। सामान्य कार्यकर्ता की तरह खुद को तराशा। वे सदा दूसरों से भिन्न रहे, अनूठे रहे।

क्या घुड़की देना भी भूल गया भारत?

-राकेश अचल-

बात हिन्दू और मुसलमान की नहीं है, मानवाधिकारों की है, जिनका खुल्लम-खुल्ला उललंघन पड़ौसी देश बांग्लादेश में हो रहा है। संयोग ये है कि जो लोग बांग्लादेश की सत्ता के निशाने पर हैं वे हिन्दू हैं। बांग्लादेश के हिन्दू बांग्लादेश के हिन्दू हैं, भारत के नही। वे वहां अल्पसंख्यक हैं और लगातार बहुसंख्यक समाज की ज्यादती के शिकार हो रहे हैं। हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचारों से भारत का बहुसंख्यक हिन्दू समाज विचलित है। बांग्लादेश की सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहा है किन्तु हिंदूवादी भारत की सरकार मौन है। सरकार लगता है अब हिन्दू राष्ट्र होने के मुगालते के बाद पड़ौसियों को घुड़की देना भी भूल गयी है।

बांग्लादेश में आज हो रहे घटनाक्रम को देखकर मुझे 53 साल पहले की वे घटनाएं याद आ रहीं हैं जो बांग्लादेश बनने के पहले पाकिस्तान के बंगाल में हो रही थीं। उस दौर में भी तत्कालीन पाकिस्तानी सत्ता ने बंगालियों पर बर्बरता की तमाम हदें तोड़ दीं थीं। पीड़तों का आर्तनाद सुनकर भारत की तत्कालीन सरकार ने उस समय जो कदम उठाये थे, उनके बारे में आज की सरकार सोच भी नहीं सकती, क्योंकि तब भारत के पास एक फील्ड मार्शल मानेक शा थे, एक प्रधानमंत्री इंदिरा गाँधी थीं। आज न हमारे पास कोई फील्ड मार्शल है और न कोई इंदिरा।

ये हकीकत है कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिन्दुओं पर ज्यादती बांग्लादेश का आंतरिक मामला है लेकिन जब इस घटनाक्रम से भारत का जन मानस उद्वेलित है तो भारत की सरकार को कुछ तो सोचना चाहिए। मुझे लगता है कि जिस तरह से भारत ने अघोषित रूप से बांग्लादेश की निर्वासित प्रधानमंत्री शेख हसीना को भारत में शरण दी हुई है उसी तरह उसे बांग्लादेशी हिन्दुओं पर ज्यादतियों को लेकर बांग्लादेश की मौजूदा अस्थाई सरकार पर दबाब डालकर हिंसा को रोकने के प्रयास करना चाहिए। जरूरी नहीं है कि इसके लिए बांग्लादेश पर हमला किया जाये, लेकिन बांग्लादेश को घुड़की तो दी ही जा सकती है।

भारत में चौतरफा धर्मध्वजाएं लेकर मार्च करने वाले मठाधीशों को भी इस मुद्दे पर सरकार पर दबाब डालना ही चाहिए। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिन्दुओं के ऊपर जिस तरह का अत्याचार हो रहा है, वो साफ तौर पर सत्ता पोषित है। ये सब करने की हिम्मत बांग्लादेश की सत्ता में कहाँ से आयी होगी इसका अनुमान लगाया जाना चाहिए। असहिष्णुता और नफरत की कोई भौगोलिक सीमा नहीं होती। हमारे यहां पिछले एक दशक से जिस तरह से सत्तापोषित नफरत फल-फूल रही है ठीक वैसे ही हालात बँगला देश में हैं, और शायद इसी लिए भारत सरकार इस मामले में हस्तक्षेप करने का नैतिक बल खो चुकी है।

हैरानी की बात ये है कि भारत की जो सरकार रूस और यूक्रेन युद्ध को रोकने के लिए दखल कर सकती है वो सरकार बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिन्दुओं पर हो रही ज्यादतियों के मामले में दखल नहीं दे पा रही है। भारत के प्रधानमंत्री अफ़्रीकी देशों की यात्रा कर चुके हैं लेकिन तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद बांग्लादेश जाने की जरूरत उन्होंने नहीं समझी। मुमकिन है कि उन्हें आशंका हो कि बांग्लादेश उनसे अपेक्षित सौजन्यता न दिखाए। बांग्लादेश में इस समय सत्ता की बागडोर जिन हाथों में है उन हाथों में शांति का नोबुल पुरस्कार भी आ चुका है, फिर भी वे हाथ अपने यहां साम्प्रदायिक हिंसा को नहीं रोक पार रहे हैं।

सम्प्रदायक हिंसा बांग्लादेश में हो या किसी और देश में आसानी से रोकी भी नहीं जा सकती। हमारे यहां मणिपुर में तो साम्प्रदायिक हिंसा को डेढ़ साल हो चुके हैं। जब हम मणिपुर को नहीं सम्हाल पा रहे तो कैसे अपेक्षा कर सकते हैं कि बांग्लादेश अपने यहां अल्पसंख्यक हिन्दुओं पर होने वाली हिंसा को सम्हाल लेगा? साल भर पहले तक बांग्लादेश भारत का प्रिय मित्र था। बांग्लादेश की तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती शेख हसीना तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के समय उनके शपथ ग्रहण में शामिल होने दिल्ली भी आयीं थीं, उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी जी को बांग्लादेश आने का निमंत्रण भी दिया था, लेकिन वे शेख हसीना के प्रधानमंत्री रहते बांग्लादेश जा नहीं पाये। अब तो बांग्लादेश जाने कि कोई सूरत भी नहीं है।

बांग्लादेश में शेख हसीना का तख्ता पलट होने के बाद अंतरिम सरकार से भारत की बन नहीं पायी, उलटे भारत-बांग्लादेश के संबंधों में कड़वाहट शुरू हुई और अब चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ़्तारी के बाद दोनों देशों के बीच काफी तल्ख कूटनीतिक भाषा का इस्तेमाल हो रहा है.

बीते दिनों बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के कानूनी सलाहकार आसिफ नजरुल तो कह चुके हैं की भारत को ये समझना होगा कि ये शेख हसीना का बांग्लादेश नहीं है.। अब पता नहीं की भारत आसिफ नजरुल की बात समझा है या नहीं? बावजूद इसके भारत सरकार ने शेख हसीना को बांग्लादेश कि मौजूदा सरकार के सुपुर्द नहीं किया है। रार की असली वजह शायद यही है।

हमें याद रखना चाहिए कि भारत और बांग्लादेश चार हजार किलोमीटर से ज्यादा लंबी सीमा साझा करते हैं और दोनों के बीच गहरे ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आर्थिक रिश्ते रहे हैं। बांग्लादेश की सीमा भारत और म्यांमार से लगती है लेकिन उसकी 94 फीसदी सीमा भारत से लगती है. इसलिए बांग्लादेश को इंडिया लॉक्ड देश कहा जाता ह। इतना ही नहीं बीते कुछ सालों में बांग्लादेश, भारत के लिए एक बड़ा बाजार बनकर उभरा है. दक्षिण एशिया में बांग्लादेश भारत का सबसे बड़ा ट्रेड पार्टनर है और भारत एशिया में बांग्लादेश का दूसरा सबसे बड़ा ट्रेड पार्टनर है. वर्ष 2022-23 में बांग्लादेश भारत का पांचवां सबसे बड़ा निर्यात बाजार बन गया. वित्त वर्ष 2022-23 में दोनों देशों का द्विपक्षीय व्यापार 15.9 अरब डॉलर का था।

अब भारत के सामने एक ही विकल्प है कि भारत बांग्लादेश को अपना भूभराकर स्वरूप दिखा। हड़काये, पाबंदियां लगाए। अंतर्राष्ट्रीय दबाब बनाये, अन्यथा बांग्लादेश भी पाकिस्तान के बाद भारत का एक स्थाई दुश्मन बन जायेगा। बांग्लादेश की मौजूदा सत्ता का झुकाव इस समय भारत के बजाय चीन की और है, तय है कि बांग्लादेश इसी लिए भारत के दबाब में आ नहीं रहा है।

खतरनाक होता बायोमेडिकल वेस्ट

-डॉ. सत्यवान सौरभ-

स्वास्थ्य सेवा गतिविधियाँ स्वास्थ्य की रक्षा करती हैं और उसे बहाल करती हैं तथा जीवन बचाती हैं। लेकिन उनके द्वारा उत्पन्न अपशिष्ट और उप-उत्पादों के बारे में क्या? स्वास्थ्य सेवा गतिविधियों द्वारा उत्पन्न कुल अपशिष्ट में से लगभग 85% सामान्य, गैर-खतरनाक अपशिष्ट है जो घरेलू अपशिष्ट के बराबर है। शेष 15% को खतरनाक सामग्री माना जाता है जो संक्रामक, रासायनिक या रेडियोधर्मी हो सकता है। स्वास्थ्य सेवा अपशिष्टों के सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल प्रबंधन को सुनिश्चित करने के उपाय ऐसे अपशिष्टों से होने वाले प्रतिकूल स्वास्थ्य और पर्यावरणीय प्रभावों को रोक सकते हैं, जिसमें रासायनिक या जैविक खतरों का अनपेक्षित उत्सर्जन शामिल है। स्वास्थ्य सेवा अपशिष्टों में संभावित रूप से हानिकारक सूक्ष्मजीव होते हैं जो अस्पताल के रोगियों, स्वास्थ्य कर्मियों और आम जनता को संक्रमित कर सकते हैं। अन्य संभावित खतरों में दवा प्रतिरोधी सूक्ष्मजीव शामिल हो सकते हैं जो स्वास्थ्य सुविधाओं से पर्यावरण में फैलते हैं।

स्वास्थ्य सेवा अपशिष्ट और उप-उत्पादों से जुड़े प्रतिकूल स्वास्थ्य परिणामों में तीक्ष्ण वस्तुओं से लगी चोटें भी शामिल हैं; स्वास्थ्य सेवा अपशिष्टों के संचालन या भस्मीकरण के दौरान आस-पास के वातावरण में छोड़े जाने वाले दवा उत्पादों, विशेष रूप से एंटीबायोटिक्स और साइटोटॉक्सिक दवाओं और पारा या डाइऑक्सिन जैसे पदार्थों के संपर्क में आना; कीटाणुशोधन, बंध्यीकरण या अपशिष्ट उपचार गतिविधियों के संदर्भ में उत्पन्न होने वाली रासायनिक जलन; चिकित्सा अपशिष्ट भस्मीकरण के दौरान कण पदार्थ के निकलने के परिणामस्वरूप उत्पन्न होने वाला वायु प्रदूषण; खुले में जलने और चिकित्सा अपशिष्ट भस्मक के संचालन के साथ होने वाली तापीय चोटें; विकिरण जलन; और दवा अपशिष्टों के असुरक्षित भंडारण, उपचार और निपटान के माध्यम से रोगाणुरोधी प्रतिरोध का प्रसार। अपर्याप्त स्वास्थ्य सेवा अपशिष्ट सेवाओं के लिए कई कारण मौजूद हैं। इनमें सीमित कानूनी ढाँचे (जैसे, नीतियाँ, विनियमन, दिशा-निर्देश), स्वास्थ्य सेवा अपशिष्ट से सम्बंधित स्वास्थ्य खतरों के बारे में जागरूकता की कमी, उचित अपशिष्ट प्रबंधन में अपर्याप्त प्रशिक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन और निपटान प्रणालियों की अनुपस्थिति, अपर्याप्त वित्तीय और मानव संसाधन और कम प्राथमिकता शामिल हैं। कई देशों में या तो उचित नियम नहीं हैं या वे उनकी निगरानी और प्रवर्तन नहीं करते हैं।

दुनिया भर में, हर साल अनुमानित 16 बिलियन इंजेक्शन लगाए जाते हैं। सभी सुइयों और सिरिंजों का सुरक्षित तरीके से निपटान नहीं किया जाता है, जिससे चोट और संक्रमण का जोखिम और दोबारा इस्तेमाल के अवसर पैदा होते हैं। हाल के वर्षों में निम्न और मध्यम आय वाले देशों में दूषित सुइयों और सिरिंजों से इंजेक्शन लगाने में काफी कमी आई है, आंशिक रूप से इंजेक्शन उपकरणों के दोबारा इस्तेमाल को कम करने के प्रयासों के कारण। इस प्रगति के बावजूद, असुरक्षित इंजेक्शन अभी भी 33, 800 नए एचआईवी संक्रमण, 1.7 मिलियन हेपेटाइटिस बी संक्रमण और 315, 000 हेपेटाइटिस-सी संक्रमण के लिए ज़िम्मेदार थे। संक्रमित स्रोत रोगी पर इस्तेमाल की गई सुई से एक व्यक्ति को सुई लगने से चोट लगने का अनुभव होने पर उसे एचबीवी, एचसीवी और एचआईवी से संक्रमित होने का क्रमशः 30%, 1.8% और 0.3% जोखिम होता है। अपशिष्ट निपटान स्थलों पर सफाई करने और स्वास्थ्य सुविधाओं से खतरनाक अपशिष्ट को संभालने और मैन्युअल रूप से छांटने के दौरान अतिरिक्त खतरे उत्पन्न होते हैं। ये प्रथाएँ दुनिया के कई क्षेत्रों में आम हैं, खासकर निम्न और मध्यम आय वाले देशों में। अपशिष्ट संचालकों को सुई चुभने की चोट लगने और विषैले या संक्रामक पदार्थों के संपर्क में आने का तत्काल जोखिम होता है। स्वास्थ्य सेवा अपशिष्ट का उपचार और निपटान पर्यावरण में रोगजनकों और विषैले प्रदूषकों के निकलने के माध्यम से अप्रत्यक्ष रूप से स्वास्थ्य जोखिम पैदा कर सकता है। लैंडफिल में अनुपचारित स्वास्थ्य सेवा अपशिष्टों के निपटान से पीने, सतह और भूजल का संदूषण हो सकता है, अगर उन लैंडफिल का निर्माण ठीक से नहीं किया गया है। स्वास्थ्य सेवा अपशिष्टों को कम से कम करना प्राथमिकता होनी चाहिए। इससे उस अपशिष्ट की मात्रा में काफी कमी आएगी जिसे संभालने और उपचारित करने की आवश्यकता है। अपशिष्ट न्यूनीकरण क्रियाओं में हरित खरीद और ऐसे उत्पादों का चयन करना शामिल है जहाँ शिपिंग कम से कम हो और कम और पारिस्थितिक पैकेजिंग हो, सुरक्षित और व्यवहार्य होने पर पुनः प्रयोज्य उत्पादों पर स्विच करना, केवल प्रलेखित आवश्यकता के आधार पर फार्मास्यूटिकल्स का ऑर्डर देना / प्राप्त करना और प्लास्टिक, कागज और कार्डबोर्ड सहित सामान्य वस्तुओं का पुनर्चक्रण करना शामिल है।

भारतीय कृषि के भविष्य को आकार देने की आवश्यकता

-निमिषा सिंह-

आज भारत की अर्थव्यवस्था विश्व की पाँच सबसे मजबूत अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। भारतीय सेना विश्व की सबसे ताकतवर सेनाओं में सम्मिलित है। विश्व के सफलतम अंतरिक्ष कार्यक्रमों में भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम शामिल है। अन्य क्षेत्रों में भी भारत नियमित रूप से विकास की नई बुलंदियां छू रहा है बावजूद इसके भारत में एक क्षेत्र ऐसा भी है जो आज भी विकास की दौड़ में कहीं पीछे रह गया है। खाद्य सुरक्षा, ग्रामीण रोजगार जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला कृषि क्षेत्र आज भी उस स्थिति में नहीं पहुँच पाया है जिसे संतोषजनक माना जा सके। इसका परिणाम यह हुआ है कि कृषि पर निर्भर देश के करोड़ों लोग आज भी बेहद अभावों में जीवन जीने को विवश हैं और कई बार ये कृषि के माध्यम से अपनी बुनियादी जरूरतें भी नहीं पूरी कर पाते हैं।

किसान समुदाय को सशक्त बनाने नवाचारों का अन्वेषण और भारतीय कृषि के भविष्य को आकार देने के लिए तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद स्थित फेडरेशन ऑफ तेलंगाना चैंबर एंड कॉमर्स में दो दिवसीय राष्ट्रीय किसान सम्मेलन का आयोजन हुआ। जिसमें कृषि क्षेत्र में क्रांति लाने के उद्देश्य से व्यावहारिक चर्चा करने के लिए देश भर से किसान नेता, कृषि वैज्ञानिक, सामाजिक कार्यकर्ता और प्रगतिशील किसान एक मंच पर एकत्रित हुए। सिफा के संस्थापक और मुख्य सलाहकार पी. चेंगल रेड्डी के अनुसार भारत में खाद्य सुरक्षा और इस क्षेत्र में वैश्विक निर्यातक बनने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति के अवसर हैं। आज जलवायु परिवर्तन को ध्यान रखकर खेती करने और युवा प्रतिभाओं को खेती की ओर आकर्षित करने की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। विशेष रूप से खाद्य प्रसंस्करण और कृषि निर्यात के क्षेत्रों में भी अपार अवसरों की उपलब्धता है, जिन्हें सही ढंग से क्रियान्वित किया जाना चाहिए।

भारतीय किसान संघ परिसंघ के मौजूदा चेयरमैन रघुनाथ दादा पाटील ने देश भर से आए किसान नेताओं और प्रतिनिधियों से कहा कि इसमें कोई शक नहीं कि कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसान इसकी जीवनरेखा हैं। किसान सबसे बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता दोनों है। किसानों और वैज्ञानिकों के बीच अंतर को पाटने के लिए 'प्रयोगशाला को भूमि' से जोड़ने के प्रयासों की भी महती आवश्यकता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अत्याधुनिक अनुसंधान जमीनी स्तर तक पहुंचे। कृषि में विविधता लाने के लिए किसानों को गेहूं और धान जैसी पारंपरिक फसलों के साथ-साथ मछली पालन, मधुमक्खी पालन और हाइड्रोपोनिक्स जैसे विकल्पों को भी अपनाना चाहिए। सम्मेलन में न्यूनतम समर्थन मूल्य समेत सतत कृषि के लिए नीतिगत पहल और योजनाओं, निर्यात नीति पर विस्तृत चर्चा की गई। पीजेंट वेलफेयर एसोसिएशन के चेयरमैन अशोक बालियान ने कहा कि भारत सरकार ने 2018 में एसेंसिल कमोडिटी एक्ट की पावर को एक्सरसाइज करते हुए चीनी का न्यूनतम बिक्री मूल्य तय किया था। ठीक उसी तरह केंद्र सरकार 23 फसलों पर भी एसेंशियल कमोडिटी एक्ट के पावर को एक्सरसाइज करते हुए न्यूनतम बिक्री मूल्य तय कर सकती है ताकि इससे नीचे सौदे न हो सके। साथ ही आवश्यक है कि यह पूरे देश में लागू हो तभी यह कारगर हो सकेगा। बिहार की निमिषा सिंह ने राज्य में मंडी व्यवस्था को पुनः बहाल कराए जाने की बात कही। झारखंड की सुष्मिता सोरेन ने जल संकट पर चिंता जताई। जमीन होने के बावजूद जल की कमी की वजह से वहां खेती नहीं हो पा रही है। फसल बीमा का फायदा भी झारखंड के किसानों को ढंग से नहीं मिल पा रहा है। कृषि में सोलर ऊर्जा की भूमिका, पशुओं से फसल को होने वाले नुकसान और फसल बीमा जैसे विषयों पर भी चर्चा हुई। सिफा की बैठक में ह्यूमेन फाउंडेशन फॉर पीपल एंड एनिमल्स (एचएफपीए) जिनमें श्री मार्कस कैम्पोस और श्री राजगोपाल रेड्डी भी शामिल थे। उन्होंने किसानों को उनके संवैधानिक अधिकारों और उनकी रक्षा के लिए सरकार के कानूनी आदेश के बारे में बताया। उन्होंने उन्हें यह भी बताया कि वन्यजीव संरक्षण अधिनियम अनुच्छेद 21 आवश्यकता पड़ने पर वन्यजीवों से नागरिकों के जीवन और आजीविका के अधिकार की रक्षा करता है। जंगली सूअर, नीलगाय आदि जैसे फसल पर हमला करने वाले जानवरों के लिए मुख्य वन्यजीव अधिकारी अपनी शक्तियों को सरपंच को सौंप सकता है, जो तब पंजीकृत शूटरों को एक निश्चित समय अवधि के भीतर जानवरों को मारने के लिए बुला सकता है। किसान सर्विस ऑर्गेनाईजेशन से जुड़े सोलर ऊर्जा विशेषज्ञ गणधम श्रीनिवास राव ने बताया कि किस प्रकार उनके और उनके सहकर्मी वेणुगोपाल और पी. चेंगल रेड्डी के अनुरोधों, अभ्यावेदनों और लगातार अनुवर्ती कार्रवाई के बाद हाल ही में ऊर्जा मंत्रालय ने हाई टेंशन ट्रांसमिशन लाइनों के लिए मानक संचालन प्रक्रिया जारी की है। टावर बेस एरिया को भूमि मूल्य का 200 प्रतिशत मुआवजा दिया जाएगा। टावर के चार ग्राउंड-लेवल लेग और प्रत्येक तरफ एक अतिरिक्त मीटर विस्तार से घिरा स्थान टावर बेस एरिया के रूप में जाना जाता है। दिशा-निदेर्शों के अनुसार, जिला कलेक्टर, जिला मजिस्ट्रेट या डिप्टी कमिश्नर को मुआवजे के लिए अंतिम अधिकार दिया जाएगा। मुआवजे पर निर्णय लेने से पहले, हम अनुरोध करेंगे कि जिला कलेक्टर नवीनतम (14 जून 2024 को बिजली मंत्रालय के दिशा-निर्देश) दिशा-निर्देशों पर विचार करें।

NCR समाचार
संपादकीय कार्यालय
जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार प्रात: 9:00 से सायं 9:00
फोन: 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अत: भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

राजस्थानः दो दिवसीय पल्स पोलियो अभियान शुरू

5 वर्ष तक के बच्चों को दी जाएगी पोलियो की खुराक

प्रमोद कुमार

राजस्थानः जिले में कल से दो दिवसीय पल्स पोलियो अभियान की शुरूआत हो रही है, जिसमें 5 वर्ष तक के बच्चों को "दो बूंद जिंदगी की" पिलाई जाएगी। इस अभियान के तहत जिले में 157,000 बच्चों को पोलियो की खुराक देने का लक्ष्य रखा गया है।

शनिवार को इस अभियान की शुरूआत के लिए जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली का शुभारंभ सीएमएचओ डॉ. आशीष सिंह शेखावत ने किया, जिन्होंने रैली और प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली के माध्यम से ग्रामीण इलाकों में लोगों को पोलियो रोधी खुराक पिलाने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

सीएमएचओ ने बताया कि जिले में कुल 1463 पोलियो बूथ बनाए गए हैं और 2926 टीमें तैनात की गई हैं। रविवार को बूथ दिवस के दौरान पोलियो की खुराक दी जाएगी। आरसीएचओ डॉ. अरविन्द अग्रवाल ने बताया कि सभी जरूरी तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं और टीमों को विशेष रूप से हाई रिस्क क्षेत्रों में अधिक से अधिक बच्चों को पोलियो खुराक पिलाने के निर्देश दिए गए हैं।

डीएनओ रविकांत जांगीड़ ने बताया कि सीएमएचओ के निर्देशन में जिले में मॉनिटरिंग टीम का गठन किया गया है। यह टीम अभियान की सफलता के लिए ब्लॉक स्तर पर निरीक्षण करेगी और लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करेगी।

सोमवार को डोर टू डोर अभियान के तहत टीमों द्वारा छुटे हुए बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी। रैली में अध्यापक मुकेश जाट, अरुण कुमार, वीरेंद्र सिंह और विभाग से पवन कुमार, मेन्द्र कुमार आदि उपस्थित रहे।

मध्य प्रदेशः डॉ. आंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर बीएसपी का सफल कार्यक्रम

फूलचंद मालवीय

मध्य प्रदेशः बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) की जिला इकाई देवास के तत्वावधान में 6 दिसंबर 2024 को डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर जी का परिनिर्वाण दिवस बड़े धूमधाम से मनाया गया। इस कार्यक्रम में बीएसपी के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकताओं ने भाग लिया और कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना योगदान दिया।

कार्यक्रम में बहुजन समाज पार्टी के विभिन्न प्रमुख नेता उपस्थित रहे, जिनमें शहर अध्यक्ष राजकुमार सोनगरा, जिलाध्यक्ष रमेश पावर, विधानसभा अध्यक्ष सुनील सिलोरिया, शहर प्रभारी मधुसुदन मालवीय, और पूर्व नगर उपाध्यक्ष राजकुमार चौहान प्रमुख थे। इसके अलावा, बसपा सोनकच्छ के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष हीरालाल मालवीय, जिला प्रभारी राजेश कारपेंटर, निर्भय सिंह गौड और जिला महासचिव संजय सांगते भी मौजूद थे।

कार्यक्रम में माननीय बाबू सिंह मालवीय, नवरंग (पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष और वरिष्ठ नेता), प्रेमचंद फुलेरिया, मदन पहलवान, हेमराज परमार, बलराम सेंधवा, कृष्णा सेंधवा, इंदर चौहान, विजय चौहान, और अन्य कार्यकर्ता भी शामिल हुए। इस अवसर पर बसपा के कार्यकर्ताओं ने बाबा साहेब के योगदान को याद किया और उनके विचारों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के दौरान सभी ने मिलकर बाबा साहेब आंबेडकर की तस्वीर पर पुष्प अर्पित किए और उनके द्वारा किए गए समाज सुधार कार्यों को याद किया।

राजस्थानः निवेशकों ने जमा राशि लौटाने की मांग, राष्ट्रपति और सुप्रीम कोर्ट को भेजा पत्र

मोहम्मद खान/राजस्थानः आदर्श क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसाइटी के पीड़ित निवेशकों ने अपनी जमा राशि शीघ्र लौटाने की मांग को लेकर एक बार फिर अधिकारियों से गुहार लगाई है। दलित, ओबीसी, माइनॉरिटीज और आदिवासी परिसंघ के प्रदेश सचिव तथा आदर्श क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसाइटी संघर्ष समिति पाली के जिलाध्यक्ष मोहम्मद खान पठान ने भारत के राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति अरुण कुमार को पत्र भेजकर इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप करने की अपील की है।

पठान ने पत्र में बताया कि आदर्श सोसाइटी के करीब 21 लाख निवेशक पिछले छह वर्षों से अपनी जमा राशि वापस पाने के लिए परेशान हैं। कई निवेशक अपनी मेहनत की कमाई खो चुके हैं और इस मानसिक आघात के कारण कुछ तो मौत के मुंह में भी समा चुके हैं, जबकि अन्य गंभीर बीमारियों से जूझ रहे हैं या अपने बच्चों की पढ़ाई और शादी के खर्चे उठाने में असमर्थ हैं।

उन्होंने आगे कहा कि निवेशकों ने पिछले कई वर्षों में प्रधानमंत्री, सहकारिता मंत्री, वित्त मंत्री, लोकसभा अध्यक्ष, केंद्रीय रजिस्ट्रार को-ऑपरेटिव सोसाइटी, रिटायर्ड आईएस अधिकारी एचएस पटेल सहित कई सांसदों और विधायकों से इस मुद्दे पर मदद की गुहार लगाई है, लेकिन उन्हें अभी तक न तो कोई समाधान मिला है और न ही कोई आश्वासन प्राप्त हुआ है।

पश्चिम बंगालः मालदा जिले में 2 करोड़ का ब्राउन शुगर के साथ महिला गिरफ्तार, 5 साल का बच्चा भी था साथ

सुभाष शर्मा

पश्चिम बंगालः मालदा जिले में डाउन कामाख्या पुरी एक्सप्रेस से एक महिला को गिरफ्तार किया गया है, जब पुलिस ने उसकी तलाशी के दौरान उसके बैग से 2 करोड़ रुपये का ब्राउन शुगर बरामद किया। महिला कामाख्या से न्यू फरक्का जनरल कमरा की ओर सफर कर रही थी और उसके साथ एक 5 साल का बच्चा भी था।

सूत्रों के मुताबिक, पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी, जिसके आधार पर जीआरपी पुलिस ने महिला की तलाशी ली। तलाशी के दौरान महिला के पर्स से 594 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुआ, जिसकी कीमत लगभग 2 करोड़ रुपये से अधिक बताई जा रही है।

आरोपी महिला मुर्शिदाबाद जिले के सामशेरगंज क्षेत्र की निवासी बताई जा रही है। पुलिस ने बताया कि महिला को मालदा जिला अदालत में पेश किया गया और अब पुलिस उसकी हिरासत में लेकर जांच कर रही है ताकि यह पता चल सके कि इस अपराध में और कोई व्यक्ति शामिल है या नहीं।

पुलिस ने इस गिरफ्तारी को बड़ी सफलता मानते हुए कहा कि इस तरह की कार्रवाइयों से अवैध नशीले पदार्थों की तस्करी पर लगाम लगाने में मदद मिलेगी। पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में डाउन कामाख्या पुरी एक्सप्रेस से एक महिला को गिरफ्तार किया गया है, जब पुलिस ने उसकी तलाशी के दौरान उसके बैग से 2 करोड़ रुपये का ब्राउन शुगर बरामद किया। महिला कामाख्या से न्यू फरक्का जनरल कमरा की ओर सफर कर रही थी और उसके साथ एक 5 साल का बच्चा भी था।

एक नजर

किसान यूनियन ने राष्ट्रीय महासचिव उस्मान अली पाशा के नेतृत्व में तहसील सदर में प्रदर्शन कर एसडीएम मोनिका सिंह को सोपा ज्ञापन

अजय सक्सेना/ रामपुर। पूर्व निर्धारित कार्य क्रम के अंतर्गत किसान यूनियन के पदाधिकारी व कार्यकताओं ने तहसील सदर परिसर में एकत्रित होकर नारेबाजी करने के बाद पांच सूत्रीय ज्ञापन तहसील दिवस की अध्यक्षता कर रही उपजिला अधिकारी सदर मोनिका सिंह को ज्ञापन सोपा। इस अवसर पर राष्ट्रीय महासचिव उस्मान अली पाशा ने कहा इस समय नहर विभाग में नहरों की सफाई का कार्य चल रहा है जिनको विभाग के आला अधिकारियों और ठेकेदारों की मिली भगत से नियम अनुसार नहीं किया जा रहा वगी राजवाह, खंडिया राजवाह, अफजलपुर माइनर मेहंदीपुर माइनर आदि नहरों की सफाई में अनियमिताएं बरती गई है इसके संबंध में किसान यूनियन लगातार धरने प्रदर्शन कर रही है, लेकिन अधिकारियों के कान पर जूं नहीं रेंग रही है। उन्होंने नहर विभाग के खिलाफ धरना प्रदर्शन की चेतावनी दी है और आगे कहा उद्यान विभाग भी किसानों का उत्पीड़न कर रहा है जिसको बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

प्रदर्शन करने वालों में जुनैद खान शमी अख्तर नूर मोहम्मद जीनत खान अतीक अहमद शकील अहमद विनोद कुमार दिनेश कुमार आदि लोग मौजूद रहे।

हरियाणा में बाबा साहब के महापरिनिर्वाण दिवस पर सामाजिक संगठनों ने श्रद्धांजलि अर्पित की

अनिल/हरियाणाः बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर विभिन्न सामाजिक संगठनों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर गोविंद नारायण, संगठन के संयोजक ने कहा कि बाबा साहब का जीवन हमेशा राष्ट्रवासियों के हित में संघर्षमय रहा। उन्होंने गरीबों, मजलूमों की हिफाजत और उनके अधिकारों के लिए निरंतर प्रयास किए। बाबा साहब ने कभी धर्म, जाति या सम्प्रदाय को नहीं देखा और भारतीयों को समान अधिकार प्रदान किए।

गोविंद नारायण ने आगे कहा कि 6 दिसंबर को बाबा साहब हमसे हमेशा के लिए विदा हो गए थे, लेकिन उनके द्वारा दिया गया भारतीय संविधान हमारे बीच हमेशा रहेगा। बाबा साहब ने जाते जाते यह संदेश दिया था कि जब तक संविधान रहेगा, वे हमारे बीच रहेंगे, इसलिए हमें इसे मिटने नहीं देना चाहिए।

इस अवसर पर देवीप्रसाद निषाद ने कहा कि आज बाबा साहब की रहनुमाई की कमी महसूस हो रही है, इसलिए हमें उनके मिशन को आगे बढ़ाने के लिए एकजुट होकर संविधान की रक्षा के लिए संघर्ष करना चाहिए।

पद-यात्रा की शुरूआत राष्ट्रीय ध्वज दिखाकर डॉ. एस.के. चौधरी ने की, और इस यात्रा का संचालन चमन खन्ना ने किया। यात्रा में आशा खालिद, रिंकी साहू, औसान सिंह यादव, जगतपाल, श्रीकांत पाल, एड. सोनेलाल गौतम, रंजन पासी, मलखान सिंह, भारत राजयोगी, प्रताप साहनी, सुनील राजदान, अतर सिंह, पेरियार कुलदीप सिंह, विक्की यादव, हरिशंकर वर्मा, अनिल प्रजापति, रियाज अहमद, अजमेर सिंह, कमलेश, लाल बहादुर और डॉ. लुकमान सहित कई अन्य कार्यकर्ता भी शामिल हुए।

उत्तर प्रदेशः बार एसोसिएशन के चुनाव की अधिसूचना जारी, 20 दिसंबर को होगा मतदान

आनंद कुमार

उत्तर प्रदेशः सोनभद्र बार एसोसिएशन के चुनाव की अधिसूचना जारी होते ही कचहरी परिसर में चुनावी सरगर्मी तेज हो गई है। आगामी चुनाव में अध्यक्ष, महामंत्री, कोषाध्यक्ष सहित कुल 23 पदों के लिए प्रतिष्ठापरक चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो गई है। चुनाव की प्रक्रिया 10 दिसंबर से पर्ची वितरण के साथ शुरू होगी। पर्ची बिक्री की शुरूआत 10 दिसंबर से होगी और 17 दिसंबर को टेंडर मतदान की प्रक्रिया अपनाई जाएगी। 20 दिसंबर को मतदान होगा, जबकि 21 दिसंबर को मतगणना के बाद परिणाम की घोषणा की जाएगी। इसी दिन नई कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण की प्रक्रिया भी पूरी होगी। मुख्य चुनाव अधिकारी शशि कुमार मिश्र एडवोकेट के अनुसार, पर्चा वितरण 10 और 11 दिसंबर को होगा।

उत्तर प्रदेशः सोनभद्र में कड़ी सुरक्षा के बीच शांतिपूर्ण माहौल में अदा की गई जुमे की नमाज

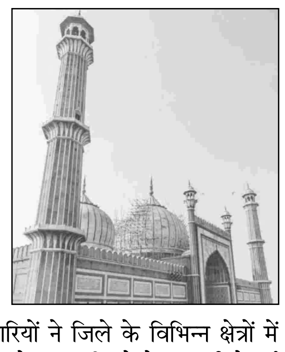

आनंद कुमार/उत्तर प्रदेशः उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले में शुक्रवार को जुमे की नमाज के दौरान सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रही, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। पुलिस प्रशासन ने जिले के विभिन्न इलाकों में विशेष सतर्कता बरती और हर गतिविधि पर नजर रखी। बृहस्पतिवार शाम से ही पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा, अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह और अन्य पुलिस अधिकारियों ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों में गश्त की। पुलिस प्रशासन ने उत्तर प्रदेश के अन्य जिलों में हाल ही में हुई हिंसक घटनाओं को ध्यान में रखते हुए जुमे की नमाज के दिन पूरी सतर्कता बरती। सोनभद्र के संवेदनशील इलाकों, जैसे कि सदर, घोरावल, चोपन, रामगढ़, ओबरा, पिपरी, दुद्धी और विंढमगंज में सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था की गई। पुलिस अधिकारियों ने धार्मिक स्थलों और उन इलाकों में विशेष निगरानी रखी, जहां विभिन्न समुदायों के लोग रहते हैं। मस्जिदों और आसपास के इलाकों की छतों पर ड्रोन कैमरों के माध्यम से निगरानी की गई, वहीं चौराहों और तिराहों पर पुलिस बल तैनात किया गया था। ड्रोन कैमरा, सीसीटीवी और वीडियो रिकॉर्डिंग के जरिए पुलिस प्रशासन ने पूरी सतर्कता के साथ निगरानी रखी, जिससे जुमे की नमाज शांतिपूर्वक अदा की जा सकी। इस कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच, जिले में किसी भी प्रकार की अशांति की खबर नहीं आई और नमाज शांति से अदा की गई।

बरेलीः सड़क हादसे में 20 वर्षीय युवक की मौत

राजू

बरेलीः मिलक थाना क्षेत्र के हरदासपुर गांव के चौराहे पर सुबह लगभग 6:00 बजे एक युवक का शव सड़क किनारे पड़ा हुआ मिला। शव को देखकर ग्रामीणों में हड़कंप मच गया और तुरंत घटना की जानकारी ग्राम प्रधान पति ने पुलिस को दी। मिलक थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव की पहचान की। युवक के पास मिले आधार कार्ड से उसकी पहचान तेजप्रकाश पुत्र नन्हेलाल पाठक, ग्राम हल्दी कला, थाना मीरगंज के रूप में हुई।

परिजनों ने बताया कि तेजप्रकाश केमरी राइस मिल पर काम करने जाता था और वह कल भी काम पर गया था। तेजप्रकाश के दो भाई हैं, जिनमें से बड़ा भाई रुद्रपुर में एक प्राइवेट कंपनी में काम करता है, जबकि पिता नन्हेलाल पाठक खेती किसानी का काम करते हैं। युवक की मौत की खबर से परिवार में कोहराम मच गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।

मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। थाना प्रभारी धन्यनेज सिंह ने बताया कि अभी तक परिवार वालों की ओर से कोई तहरीर नहीं दी गई है, तहरीर मिलने पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

उत्तर प्रदेशः बिजनौर में दहेज उत्पीड़न का मामला

पत्नी और ससुराल वालों पर 100,000 की मांग करने का आरोप

अल्ताफ राजपूत

उत्तर प्रदेशः थाना नगीना देहात क्षेत्र के ग्राम कोट कादर निवासी शौकत मलिक ने अपनी पुत्रवधू शाइस्ता और उसके पिता घसीटा मकसूद पर गंभीर आरोप लगाए हैं। शौकत मलिक ने पुलिस अधीक्षक बिजनौर को एक प्रार्थना पत्र सौंपकर और मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश को पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराकर आरोप लगाया कि शाइस्ता और उसके पिता 100,000 की मांग कर रहे हैं, और न देने पर वह उनके पूरे परिवार को दहेज उत्पीड़न के आरोप में जेल भेजने की धमकी दे रहे हैं।

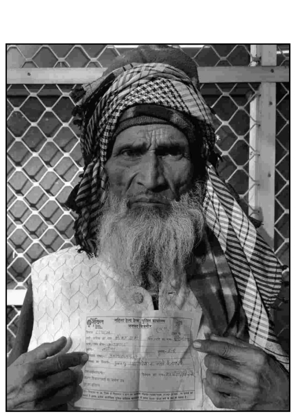

शौकत मलिक के अनुसार, शाइस्ता ने उनके पुत्र शहजाद को अपने प्रेम जाल में फंसाया था और डेढ़ वर्ष पहले उनका निकाह हुआ था। 6 अप्रैल 2024 को शाइस्ता रुखसती होकर शहजाद के घर आई थी। लेकिन, 8 मई 2024 को शाइस्ता के पिता घसीटा और उनके भाइयों ने जानलेवा हमला किया, जिसके खिलाफ मुकदमा अपराध संख्या 104/2024 धारा 323, 324, 504, 506, 308 दर्ज हुआ था। इस मामले की विवेचना चल रही है, और शाइस्ता व उसका परिवार मामले का फैसला अपने पक्ष में करने के लिए शौकत मलिक के परिवार को फंसाने की योजना बना रहे हैं।

शौकत मलिक ने बताया कि 6 नवंबर 2024 को शाइस्ता घर में रखी सोने-चांदी की चीजें ?80,000 लेकर गायब हो गई थी, जिसकी गुमशुदगी उन्होंने थाना नगीना देहात में दर्ज कराई थी। इसके बाद शाइस्ता और उसके परिवार ने उन्हें और उनके परिवार को फंसाने की धमकी दी। 28 नवंबर 2024 को शाइस्ता और उसके माता-पिता ने थाने में समझौता करने की कोशिश की और एक सप्ताह बाद आने का कहा।

उत्तर प्रदेशः बरेली में लेखपाल की मां बेहोश, एडीजी ने तुरंत अस्पताल भेजकर एसएसपी को दिए कार्रवाई के निर्देश

छत्र पाल/उत्तर प्रदेशः कलेक्ट्रेट गेट के पास एक महिला के बेहोश होने के बाद बरेली के एडीजी रमित शर्मा ने तुरंत कार्रवाई की। दरअसल, एडीजी रमित शर्मा वीसी (वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग) से लौट रहे थे, जब उनकी नजर पास में हो रहे हंगामे पर पड़ी। जैसे ही उन्होंने अपनी गाड़ी रुकवाई, वहां मौजूद कमिश्नर सौम्या अग्रवाल, आईजी डा. राकेश सिंह और अन्य अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए।

मामला यह था कि एक बुजुर्ग महिला कलेक्ट्रेट गेट पर अपने बेटे, जो कि लेखपाल है, की बरामदगी की मांग को लेकर हंगामा कर रही थी। इसी दौरान महिला अचानक बेहोश हो गई। एडीजी रमित शर्मा ने तुरंत महिला को जिला अस्पताल भेजने की व्यवस्था की।

इसके बाद, उन्होंने एसएसपी को फोन करके मामले में तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने स्थिति को संभालते हुए मामले की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए त्वरित कार्रवाई की।

दिल्लीः 85 नए केंद्रीय और 28 नवोदय विद्यालय खोले जायेंगे

आनंद कुमार / दिल्लीः शुक्रवार को केंद्र सरकार ने अपनी कैबिनेट की बैठक में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं। केंद्रीय मंत्री अश्वनी कुमार वैष्णव ने जानकारी दी कि देश में 85 नए केंद्रीय विद्यालय और 28 नए नवोदय विद्यालय खोले जाएंगे। यह निर्णय नई शिक्षा नीति के तहत पीएम श्री योजना के लागू होने के बाद लिया गया है। वैष्णव ने बताया कि सभी केंद्रीय विद्यालयों और नवोदय विद्यालयों को 'पीएम श्री स्कूल' के रूप में नामित किया गया है, ताकि इन विद्यालयों को एक मॉडल के रूप में स्थापित किया जा सके। इन नए विद्यालयों को उन जिलों में खोला जाएगा, जिन्हें नवोदय विद्यालय योजना के तहत पहले कवर नहीं किया गया था।

केंद्र सरकार के इस फैसले से देशभर में 82 हजार से अधिक छात्रों को सस्ती और उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। वर्तमान समय में, भारत में 1256 केंद्रीय विद्यालय कार्यशील हैं, जिनमें से तीन विदेशों में स्थित हैं– मास्को, काठमांडू और तेहरान में। इन विद्यालयों में कुल 13.56 लाख छात्र पढ़ाई कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

ईरान में लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त, दो पायलट की मौत

तेहरान, एजेंसी। यह दुर्घटना राजधानी तेहरान से लगभग 770 किलोमीटर दक्षिण में फिरोजाबाद शहर के पास हुई। रिपोर्ट में विमान के प्रकार या दुर्घटना के कारण के बारे में विस्तार से नहीं बताया गया। ईरान का एक लड़ाकू विमान बुधवार को देश के दक्षिणी हिस्से में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें दो पायलटों की मौत हो गई। सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी। सरकारी टेलीविजन ने पायलटों की पहचान कर्नल हामिद रजा रंजबार और कर्नल मनौचेहर पीरजादे के रूप में की है। उसने बताया कि विमान की मरम्मत के बाद पायलट परीक्षण उड़ान पर थे। यह दुर्घटना राजधानी तेहरान से लगभग 770 किलोमीटर दक्षिण में फिरोजाबाद शहर के पास हुई। रिपोर्ट में विमान के प्रकार या दुर्घटना के कारण के बारे में विस्तार से नहीं बताया गया। ईरान की वायु सेना के पास 1979 की इस्लामी क्रांति से पहले खरीदे गए अमेरिका निर्मित कई सैन्य विमान हैं। टॉमकैट एफ–14 अमेरिका निर्मित विमान है, ईरान के पास रूस निर्मित मिग और सुखोई विमान भी हैं। दशकों से पश्चिमी प्रतिबंधों के कारण देश को विमान के 'स्पेयर पार्ट्स' (खराब हुए पुर्जों की जगह नए पुर्जे) प्राप्त करना और पुराने विमानों का रखरखाव करना मुश्किल हो रहा है।

गाजा के राहत शिविर पर किए गए इजराइली हवाई हमले में कम से कम 21 लोगों की मौत

गाजा, एजेंसी। इजराइल सेना ने फलस्तीन के अन्य क्षेत्रों में किए गए हमले के बाद मुवासी इलाके के राहत शिविर में यह हमला किया है। इससे पहले गाजा के मध्य क्षेत्र पर हुए हमलों में चार बच्चों सहित आठ लोगों की मौत हो गई थी। गाजा के विस्थापित लोगों के राहत–शिविर पर इजराइल द्वारा किए गए हवाई हमले में कम से कम 21 लोग मारे गए हैं। फलस्तीन के एक स्वास्थ्य अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। दक्षिणी शहर खान यूनिस स्थित नासेर अस्पताल के निदेशक आतिफ अल–हौत ने बताया कि इस हवाई हमले में 28 लोग घायल हुए हैं। इजराइली सेना ने कहा कि वह आंकड़ों की जांच कर रही है, लेकिन उसने इस संबंध में तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की। दक्षिणी शहर खान यूनिस के पास मुवासी इलाके में यह हमला किया गया है। इस इलाके में गाजा से विस्थापित हुए हजारों लोग रहते हैं। इजराइल सेना ने फलस्तीन के अन्य क्षेत्रों में किए गए हमले के बाद मुवासी इलाके के राहत शिविर में यह हमला किया है। इससे पहले गाजा के मध्य क्षेत्र पर हुए हमलों में चार बच्चों सहित आठ लोगों की मौत हो गई थी।

चीन के शेनझेन शहर में रेलवे निर्माण स्थल पर जमीन धंसने से 13 लोग लापता

बाओआन, एजेंसी। सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' ने स्थानीय अधिकारियों के हवाले से बताया कि शेनझेन के बाओआन जिले में शेनझेन–जियांगमेन रेलवे के एक हिस्से के निर्माण स्थल पर बुधवार रात करीब 11 बजे जमीन धंसने की घटना हुई। चीन के शेनझेन शहर में रेलवे निर्माण स्थल पर अचानक जमीन का एक बड़ा हिस्सा धंस जाने से 13 श्रमिक लापता हो गए हैं। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' ने स्थानीय अधिकारियों के हवाले से बताया कि शेनझेन के बाओआन जिले में शेनझेन–जियांगमेन रेलवे के एक हिस्से के निर्माण स्थल पर बुधवार रात करीब 11 बजे जमीन धंसने की घटना हुई। घटना के बाद राहत एवं बचाव अभियान शुरू कर दिया गया है। समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' के अनुसार, आस–पास के घरों को खाली करवाया गया है और घटनास्थल के पास अस्थायी तौर पर यातायात रोक दिया गया है। वहीं दुर्घटना की जांच की जा रही है।

कम से कम आठ अमेरिकी दूरसंचार कंपनियां, कई देश चीन के 'हैकिंग' अभियान से प्रभावित- व्हाइट हाउस

वाशिंगटन, एजेंसी। साइबर सुरक्षा एवं अवसंरचना सुरक्षा एजेंसी द्वारा 'हैकिंग' और उससे जुड़े लोगों को जड़ से उखाड़ने तथा भविष्य में इसी प्रकार की साइबर जासूसी को रोकने के लिए दिशानिर्देश जारी करने के एक दिन बाद किया। कम से कम आठ अमेरिकी दूरसंचार कंपनियां और कई देश चीन के 'हैकिंग' अभियान से प्रभावित हुए हैं। व्हाइट हाउस (अमेरिकी राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) के एक शीर्ष अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ऐनी न्यूबर्गर ने व्यापक चीनी 'हैकिंग' अभियान के बारे में नए विवरण पेश किए। विवरण के अनुसार, चीन के इस 'हैकिंग' अभियान के कारण बीजिंग में अधिकारियों को अज्ञात संख्या में अमेरिकियों के निजी संदेशों और फोन पर होने वाली बातचीत तक पहुंच प्राप्त हुई थी।

साउथ कोरिया में रक्षा मंत्री का इस्तीफा, मार्शल लॉ लगाने की जिम्मेदारी ली

सियोल, एजेंसी। साउथ कोरिया में मार्शल लॉ को लेकर हो रहे विवाद के बीच रक्षा मंत्री किम योंग-ह्यून ने गुरुवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। कोरियाई न्यूज एजेंसी योनहाप के मुताबिक किम योंग ने कहा कि वे देश में हुई भारी उथल-पुथल की जिम्मेदारी ले रहे हैं। राष्ट्रपति कार्यालय ने कहा कि राष्ट्रपति यून सुक योल ने रक्षा मंत्री का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। रक्षामंत्री किम की सलाह पर ही राष्ट्रपति ने मार्शल लॉ लगाने की घोषणा की थी। गुरुवार को मीडिया ब्रीफिंग में उप-रक्षा मंत्री ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने कहा कि किम योंग के आदेश पर ही सेना संसद में घुसी थी। उप-रक्षा मंत्री ने यह भी कहा उन्हें मार्शल लॉ के बारे में कुछ भी नहीं पता था। इसकी जानकारी उन्हें टीवी पर मिली। वे इस बात से दुखी हैं कि उन्हें कुछ पता नहीं था और इस वजह से सही समय पर इस घटना को रोक नहीं सके। किम योंग की जगह अब चोई ब्युंग-ह्यूक को साउथ कोरिया का नया रक्षा मंत्री बनाया गया है। वे सेना में फोर स्टार जनरल रह चुके हैं और फिलहाल सऊदी अरब में साउथ कोरिया के राजदूत के पद पर हैं।

चुंगम गुट क्या है जिस पर मार्शल लॉ की साजिश रचने के आरोप लग रहा : विपक्षी पार्टी के सांसद किम मिन सोक ने आरोप लगाया है कि देश में मार्शल लॉ लगाने के पीछे 'चुंगम गुट' का हाथ है।

चुंगम राजधानी सियोल में एक हाई स्कूल है जहां से राष्ट्रपति और उनके दोस्तों ने पढ़ाई की है। राष्ट्रपति बनने के बाद यून ने अपने दोस्तों को अहम पदों पर नियुक्त कर दिया। इन सभी के पास मार्शल लॉ लागू करने को लेकर कई अधिकार थे और ये कई महीने से इसकी तैयारी कर रहे थे। रक्षा मंत्री किम भी चुंगम से ही पढ़ चुके हैं और राष्ट्रपति के पुराने दोस्त हैं। रिपोर्ट के मुताबिक राष्ट्रपति ने मार्शल लॉ लगाने से 3 घंटे पहले एक कैबिनेट मीटिंग बुलाई थी जिसमें उनके अलावा 4 लोग शामिल थे। प्रधानमंत्री के अलावा, वित्त और विदेश मंत्री ने मार्शल लॉ लगाए जाने का विरोध किया था। हालांकि राष्ट्रपति ने उनकी सलाह को नजरअंदाज कर दिया। एक पुलिस अधिकारी ने रॉयटर्स को बताया कि मार्शल लॉ लगाने से चार घंटे पहले उन्हें राष्ट्रपति कार्यालय से नेशनल पुलिस चीफ को मैसेज मिला था और उन्हें स्टैंडबाय पर रहने को कहा गया था।

राष्ट्रपति योल को मार्शल लॉ लगाने की जरूरत क्यों पड़ी: दक्षिण कोरिया की संसद में कुल 300 सीटें हैं। इस साल की शुरुआत में हुए चुनाव में जनता ने विपक्षी पार्टी डीपीके को भारी जनादेश दिया था। सत्ताधारी पीपल पावर को सिर्फ 108 सीटें मिलीं, जबकि विपक्षी पार्टी डीपीके को 170 सीटें मिलीं। बहुमत में होने की वजह से विपक्षी डीपीके, राष्ट्रपति सरकार के कामकाज में ज्यादा दखल दे रही थी, और वे अपने एजेंडे के मुताबिक काम नहीं कर पा रहे थे। राष्ट्रपति योल ने 2022 में मामूली अंतर से चुनाव जीता था। इसके बाद से उनकी लोकप्रियता घटती चली गई। उनकी पत्नी के कई विवादों में फंसने की वजह से भी उनकी इमेज पर असर पड़ा। फिलहाल राष्ट्रपति की लोकप्रियता 17 प्रतिशत के करीब है, जो कि देश के तमाम राष्ट्रपतियों में सबसे कम है। इन सबसे निपटने के लिए राष्ट्रपति ने मार्शल लॉ लगा दिया। उन्होंने डीपीके पर उत्तर कोरिया के साथ सहानुभूति रखने और राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाया।

पत्नी की वजह से राष्ट्रपति की छवि को नुकसान हुआ : पत्नी और फर्स्ट लेडी किम कियोन के एक लग्जरी ब्रैंड का बैग गिफ्ट लेने की वजह से राष्ट्रपति की साख में बट्टा लग गया। दरअसल इस साल की शुरुआत में एक यूट्यूबर ने वीडियो लीक कर दिया जिसमें राष्ट्रपति की पत्नी को एक पादरी से महंगा गिफ्ट लेते हुए दिख रही थी। इस वीडियो को स्पाई कैमरा से फिल्माया गया था। यह बैग क्रिस्टियन डायर कंपनी का था जिसकी कीमत 2 लाख भारतीय रुपए बताई जाती है। इतना महंगा गिफ्ट लेने पर देश में उनकी आलोचना होने लगी। साउथ कोरिया में किसी भी सार्वजनिक पद पर बैठे शख्स (परिवार भी शामिल) के लिए 1 मिलियन कोरियन वॉन (60 हजार रुपए) से ज्यादा का गिफ्ट लेना गैरकानूनी है। राष्ट्रपति की पत्नी का विवादों से पुराना नाता राष्ट्रपति की पत्नी का विवादों से पुराना नाता रहा है।

अफगानिस्तान में एड्स के 200 नए मामलों की पुष्टि

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान के सार्वजनिक स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस साल नागरिकों में एक्वायर्ड इम्यूनो डिफिशिएंसी सिंड्रोम (एड्स)/एचआईवी के 200 नए मामले दर्ज किए हैं। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, सरकारी समाचार एजेंसी बख्तर ने मंत्रालय के हवाले से बताया है कि अफगानिस्तान में एचआईवी/एड्स के लिए आठ उपचार केंद्र और 61 डायग्नोस्टिक सेंटर सक्रिय हैं तथा पूरे देश में एचआईवी/एड्स से पीड़ित व्यक्तियों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। मंत्रालय के प्रवक्ता शराफत जमान अमरखेल के अनुसार, 1989 से अब तक अफगानिस्तान में एचआईवी के कुल 3,700 मामले सामने आए हैं। फिलहाल, पूरे देश में इस वायरस से संक्रमित 1,400 लोग उपचार प्राप्त कर रहे हैं।

हाल ही में एचआईवी/एड्स पर संयुक्त राष्ट्र कार्यक्रम (यूएनएड्स) के आंकड़ों से पता चला है कि साल 2023 में दुनिया भर में लगभग 3.99 करोड़ लोग एचआईवी से संक्रमित थे, जबकि इसी अवधि के दौरान एड्स से संबंधित बीमारियों के कारण 6,30,000 लोगों की जान चली गई। विश्व स्वास्थ्य संगठन के 2023 के आंकडों पर नजर डालें तो पिछले साल अफगानिस्तान की एक प्रतिशत आबादी एचआईवी/एड्स से प्रभावित थी। मंत्रालय ने बताया था कि संक्रामक नियंत्रण कार्यक्रम के माध्यम से 3,492 व्यक्तियों की सहायता की गई। साल 1998 से हर साल 1 दिसंबर को विश्व एड्स दिवस के रूप में मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य इस गंभीर बीमारी के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाना है। एक्वायर्ड इम्यूनोडेफिशिएंसी सिंड्रोम (एड्स), एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलती है। इस बीमारी के लक्षण तीन चरणों में दिखाई देते हैं। शुरुआत में मरीज को सुपरफिशियल इन्फेक्शन का अनुभव होता है। इसके बाद यह बीमारी बढ़ती जाती है, जिससे बाद अक्सर मरीज को कमजोरी और गंभीर सूजन का सामना करना पड़ता है।

गाजा पर इजरायल का बड़ा हमला 20 फिलिस्तीनियों की मौत

गाजा, एजेंसी। दक्षिणी गाजा पट्टी के खान यूनिस स्थित राहत शिविर पर इजरायल ने हवाई हमला किया। जिसमें 20 फिलिस्तीनी मारे गए। स्थानीय सूत्रों और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बुधवार को इजरायली युद्धक विमानों ने मवासी क्षेत्र में राहत शिविर पर मिसाइल से हमला किया। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, गाजा में फिलिस्तीनी सिविल डिफेंस ने एक प्रेस बयान जारी किया है, जिसमें कहा गया कि उनकी टीम इजरायली हमले के बाद टेंटों में लगी आग को बुझाने का काम कर रही है।

चिकित्सकों ने सिन्हुआ को बताया कि बचाव दल ने पांच बच्चों सहित 20 मृतकों के शव निकाले और दर्जनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया। इजरायली सेना ने अब तक इस हमले पर कोई टिप्पणी नहीं की है। बता दें, हमला उस इलाके पर किया गया है जिसे इजराइल की ओर से मानवीय तौर पर सुरक्षित घोषित किया गया था।

7 अक्टूबर, 2023 को दक्षिणी इजरायली सीमा से हमास के हमले का जवाब देने के लिए इजरायल गाजा पट्टी में हमास के खिलाफ बड़े पैमाने पर हमला कर रहा है। हमास के उस हमले में लगभग 1,200 लोग मारे गए थे और लगभग 250 लोग बंधक बन गए थे। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों ने बुधवार को एक बयान में कहा कि गाजा में चल रहे इजरायली हमलों में अब तक मारे गए फिलिस्तीनियों की संख्या बढ़कर 44,532 हो गई है।

फ्रांस में 3 महीने में गिरी पीएम बार्नियर की सरकार

पहली बार किसी पीएम को अविश्वास प्रस्ताव से हटाया गया, राष्ट्रपति मैक्रों को इस्तीफा सौपेंगे

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस में 3 महीने पहले बनी मिशेल बार्नियर की सरकार बुधवार को गिर गई। फ्रांस की संसद में पीएम बार्नियर की सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पास हो गया। अब उन्हें अपनी पूरी कैबिनेट के साथ राष्ट्रपति मैक्रों को इस्तीफा सौंपना पड़ेगा। फ्रांस के 62 साल के इतिहास में पहली बार हुआ है, जब संसद में अविश्वास प्रस्ताव के पास होने के कारण किसी प्रधानमंत्री को सत्ता गंवानी पड़ रही है।

संसद में वामपंथी एनएफपी गठबंधन की ओर से पेश अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष में 331 वोट पड़े, जबकि प्रस्ताव के पास होने के लिए 288 वोट ही काफी थे। 3 महीने पहले ही अपॉइंट किए गए कंजर्वेटिव नेता बार्नियर गुरुवार को इस्तीफा दे सकते हैं। उन्हें फ्रांस के इतिहास में सबसे कम दिनों तक सरकार चलाने वाला प्रधानमंत्री माना जाएगा। बार्नियर ने अविश्वास प्रस्ताव से पहले अपने आखिरी भाषण में कहा था- फ्रांस और फ्रांसीसियों की सेवा करना मेरे लिए सम्मान की बात है।

बार्नियर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव क्यों : फ्रांस की संसद का निचला सदन यानी नेशनल असेंबली में किसी भी एक पार्टी के पास बहुमत नहीं है। इसमें 3 पार्टियां हैं। मैक्रों का सेंट्रिस्ट अलायंस, वामपंथी गठबंधन न्यू पॉपुलर फ्रंट और दक्षिणपंथी पार्टी नेशनल रैली। वामपंथी न्यू पॉपुलर फ्रंट और दक्षिणपंथी नेशनल रैली फिलहाल विपक्ष में हैं। ये दोनों आम तौर पर एक-दूसरे के खिलाफ रहते हैं, लेकिन अविश्वास प्रस्ताव में दोनों पार्टियां साथ आ गई। हाल ही में

बार्नियर ने नया बजट पेश किया था। इसमें उन्होंने टैक्स बढ़ाने का फैसला किया। फ्रांस में आम तौर पर बजट को नेशनल असेंबली में वोटिंग के बाद पास किया जा सकता है, लेकिन बार्नियर ने बजट को बिना वोटिंग के ही पास करवाया और लागू कर दिया। इसके विरोध में वामपंथी न्यू पॉपुलर फ्रंट और दक्षिणपंथी नेशनल रैली एकजुट हुए। उन्होंने बार्नियर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया, जो पास भी हो गया।

मैक्रों को अब नया पीएम चुनना होगा : फ्रांस के संविधान के मुताबिक, बार्नियर के इस्तीफे के बाद मैक्रों को एक नया पीएम नियुक्त करना होगा, क्योंकि फ्रांस में जुलाई 2024 में ही चुनाव हुए थे। ऐसे में जुलाई 2025 तक चुनाव नहीं हो सकते हैं। फिलहाल नेशनल असेंबली में किसी एक पार्टी को बहुमत नहीं है। इस कारण फ्रांस में राजनीतिक अस्थिरता और बढ़ सकती है।

73 साल के बार्नियर फ्रांस के अल्पाइन क्षेत्र हाउते-सावोई से आते हैं। वे यूरोपीय संघ से ब्रिटेन के अलग होने को लेकर चली बातचीत में मुख्य वार्ताकार यानी निगोशिएटर थे। बार्नियर पहली बार 27 साल की उम्र में सांसद बने थे, और बाद में उन्होंने विदेश मंत्री और कृषि मंत्री सहित कई फ्रांसीसी सरकारों में भूमिकाएं निभाई। प्रधानमंत्री नियुक्त होने से पहले वे 15 साल तक फ्रांस की राजानीति से दूर थे। उन्होंने अपना अधिकांश समय ब्रुसेल्स में यूरोपीय संघ के मुख्यालय में बिताया है।

तालिबान ने महिलाओं की नर्सिंग की पढ़ाई पर लगाई पाबंदी, शिक्षा का आखिरी रास्ता भी बंद

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान में स्वास्थ्य मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा कि इस मामले में कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है लेकिन बैठक के दौरान ही उन्हें कहा गया कि महिलाएं और लड़कियां अब इन संस्थानों में पढ़ाई नहीं कर सकती हैं। इसकी कोई वजह नहीं बताई गई। क्रिकेटर राशिद खान ने तालिबान के फैसले पर चिंता जताते हुए कहा कि तालिबान के इस फैसले का अफगानिस्तान पर गहरा असर पड़ेगा क्योंकि देश पहले से ही मेडिकल और पैरामेडिकल स्टाफ की कमी से जूझ रहा है।

राशिद ने आगे लिखा : इस्लाम में शिक्षा का अहम स्थान है, जिसे पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए जरूरी बताया गया है। अफगानिस्तान में महिलाओं के लिए शैक्षिक और चिकित्सा संस्थानों के बंद होने से मैं काफी दुखी हूं। अफगानिस्तान के पूर्व कप्तान मोहम्मद नबी ने कहा कि लड़कियों को मेडिकल की पढ़ाई से प्रतिबंधित करने का फैसला सही नहीं है। इस्लाम ने हमेशा सभी के लिए शिक्षा के महत्व पर जोर दिया है। एमनेस्टी बोला- अफसानिस्तान में सबसे ज्यादा मातृ मत्यु दर, यह और बढ़ेगा

अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र मिशन ने भी तालिबान सरकार से अपने फैसले पर फिर से विचार करने की अपील की है। मिशन ने कहा कि इस फैसले से देश के हेल्थ सिस्टम और विकास पर बुरा असर पड़ेगा। एमनेस्टी इंटरनेशनल ने कहा कि अफगानिस्तान में सबसे ज्यादा महिलाओं की मौत बच्चों को जन्म देने के दौरान हो जाती है। देश में पहले से ही मेडिकल स्टाफ की कमी है। तालिबान के फैसले से देश पर विनाशकारी प्रभाव पड़ेगा। बीबीसी के मुताबिक तालिबान के इस फैसले से देश में महिलाओं की पढाई का आखिरी रास्ता भी बंद हो गया है। तालिबान ने 2021 में अफगानिस्तान पर दोबारा कब्जा कर लिया था। इसके बाद से वह महिलाओं पर कई पाबंदियां लगा चुका है। सबसे पहले अलग-अलग सरकारी संस्थानों में काम कर रही महिलाओं से उनकी नौकरियां छीनी गई। फिर उनकी पढ़ाई पर पाबंदियां लगाई गई। अफगानिस्तान में महिलाएं सिर्फ छठी कक्षा तक ही पढ़ाई कर सकती हैं। क्या है अफगानिस्तान का शरिया कानून तालिबान ने अफगानिस्तान पर कब्जा करने के बाद कहा था कि देश में शरिया कानून लागू होगा। दरअसल, शरिया इस्लाम को मानने वाले लोगों के लिए एक लीगल सिस्टम की तरह है। कई इस्लामी देशों में इसका इस्तेमाल होता है।

मोहम्मद यूनुस बोले- शेख हसीना ने देश बर्बाद किया, फिलहाल चुनाव कराने से इनकार

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के चीफ एडवाइजर मोहम्मद यूनुस ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना पर देश में सब कुछ बर्बाद करने का आरोप लगाया। यूनुस ने कहा कि हसीना ने 15 साल के कार्यकाल में देश के सरकारी तंत्र को पूरी तरह से नष्ट कर दिया। हमारे ऊपर लोकतंत्र, आर्थिक स्थिरता और जनता के विश्वास को बहाल करके इसे फिर से खड़ा करने की बड़ी जिम्मेदारी है। यह बात उन्होंने जापान के अखबार निक्की एशिया को दिए इंटरव्यू में कही। यूनुस ने फिलहाल बांग्लादेश में चुनाव की संभावनाओं से इनकार कर दिया है। उन्होंने कहा कि हम हसीना पर ट्रायल पूरा होने के बाद भारत से उनके प्रत्यर्पण के लिए आधिकारिक तौर पर मांग करेंगे। पूर्व प्रधानमंत्री हसीना बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद निर्वासित जीवन व्यतीत कर रही हैं।

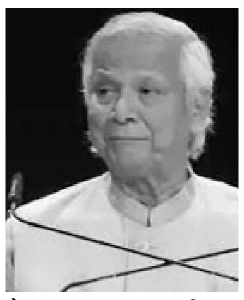

संविधान और न्यायपालिका में बदलाव के बाद चुनाव : यूनुस ने आरोप लगाया कि हसीना के शासन काल में लोकतांत्रिक सिद्धांतों की पूरी तरह से अनदेखा किया गया। हसीना ने तीन लगातार कार्यकाल में वोटर्स की भागीदारी के बिना नकली चुनाव कराए। उन्होंने खुद को और अपनी पार्टी को बिना किसी लड़ाई के जीता हुआ घोषित किया। संविधान और न्यायपालिका में बदलाव के बाद ही देश में चुनाव कराए जाएंगे। हमें देश में चुनाव से पहले प्रशासन, ब्यूरोक्रेसी और न्यायपालिका में सुधार करने की जरूरत है। अंतरिम सरकार ने देश के संविधान, न्यायपालिका और चुनावी प्रक्रिया में बदलाव के लिए कई आयोगों का गठन किया है। इन आयोगों से मिलने वाली सिफारिशों को जनवरी से फुल स्केल पर लागू किया जाएगा। इन सिफारशों को लागू करने में वक्त लग सकता है। हम पूरी तरह से एक नया बांग्लादेश बना रहे हैं। हम हसीना का ट्रायल पूरा होने के बाद भारत से उनके प्रत्यर्पण के लिए आधिकारिक तौर पर मांग करेंगे। भारत और बांग्लादेश ने एक अंतरराष्ट्रीय कानून साइन किया, जिसके मुताबिक भारत को बांग्लादेश की मांग माननी होगी। इसके अलावा यूनुस ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमले को लेकर भारत सरकार की चिंताओं को आधारहीन और प्रोपेगेंडा बताया है। बांग्लादेश ने मंगलवार को ही भारत के हाईकमीशन को त्रिपुरा में बांग्लादेशी मिशन पर हुए हमले के बाद समन किया था।

जेल में बंद ईरान की नोबेल विजेता नरगिस मोहम्मदी रिहा, 3 हफ्ते की जमानत

तेहरान, एजेंसी। जेल में बंद ईरान की नोबेल विजेता महिला अधिकार कार्यकर्ता और पत्रकार नरगिस मोहम्मदी को 3 हफ्ते के लिए जमानत पर रिहा किया गया है। नरगिस नवंबर 2021 से जेल में बंद हैं। उन्हें ईरान की सरकार ने मृत्युदंड और हिजाब के खिलाफ अभियान चलाने के लिए गिरफ्तार किया था। नरगिस को 2023 में महिलाओं की आजादी और उनके हक की आवाज उठाने के लिए नोबेल का पीस प्राइज दिया गया था। नरगिस की रिहाई की जानकारी उनके वकील मुस्तफा नीली ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर दी है। पोस्ट में बताया गया है कि डॉक्टर्स की सलाह पर सरकार ने नरगिस की सजा को 3 हफ्ते के लिए निलंबित कर दिया है। साथ ही उन्हें रिहा भी कर दिया गया है। नरगिस की सिर्फ 3 हफ्ते की रिहाई पर उनके परिवार वालों और समर्थकों ने नाराजगी जताई है। नरगिस के परिवार ने कम से कम 3 महीने की रिहाई की मांग की है।

52 साल की नरगिस को 31 साल की सजा : 52 साल की नरगिस को ईरान की इवान जेल में कैद रखा गया था। उन्हें 31 साल की जेल और 154 कोड़ों की सजा सुनाई थी। 2023 में नॉर्वे की राजधानी ओस्लो में नरगिस का परिवारजन उनका नोबेल प्राइज लेने पहुंचे थे। इसके बाद ईरान की सरकार ने नरगिस को 15 महीने की अतिरिक्त सजा सुनाई थी। नरगिस का जन्म कुर्दिस्तान ईरान के जंजन शहर में 21 अप्रैल 1972 में हुआ। उन्होंने फिजिक्स की पढ़ाई की थी। पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने

इंजीनियर के तौर पर काम किया। वो कॉलमनिस्ट भी रहीं। कई अखबारों के लिए लिखती थीं। 1990 के दशक से ही नरगिस महिलाओं के हक के लिए आवाज उठा रही थीं। 2003 में उन्होंने तेहरान के डिफेंडर्स ऑफ ह्यूमन राइट सेंटर में काम शुरू किया। नोबेल प्राइज की वेबसाइट के मुताबिक, नरगिस मोहम्मदी को जेल में बंद कार्यकर्ताओं और उनके परिवारों की सहायता करने की कोशिश करने के आरोप में पहली बार 2011 में जेल हुई थी।

8 साल से बच्चों से नहीं मिलीं नरगिस : पिछले साल जून में न्यूयॉर्क टाइम्स को दिए एक इंटरव्यू में नरगिस ने कहा था कि उन्होंने 8 साल से अपने बच्चों को नहीं देखा है। उन्होंने आखिरी बार अपनी जुड़वा बेटियों अली और कियाना की आवाज एक साल पहले सुनी थी। नरगिस की दोनों बेटियां उनके पति तागी रहमानी के साथ फ्रांस में रहती हैं। दरअसल, तागी भी एक पॉलिटिकल एक्टिविस्ट हैं। जिन्हें ईरान की सरकार ने 14 साल जेल की सजा दी थी। नरगिस ने एक किताब भी लिखी है, जिसका नाम व्हाइट टॉर्चर है। ईरानी हुकूमत की तमाम कोशिशों के बावजूद, मोहम्मदी की आवाज दबाई नहीं जा सकी। जेल में रहते हुए उन्होंने साथी कैदियों की तकलीफ को दर्ज करना शुरू किया। आखिरकार कैदियों से बातचीत के पूरे ब्योरे को उन्होंने व्हाइट टॉर्चर किताब में उतार दिया। 2022 में उन्हें रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स के साहस पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था।

नीतिगत दरें 11वीं बार यथावत, सीआरआर में कमी से तंत्र में 1.16 लाख करोड़

मुंबई, एजेंसी। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में आर्थिक गतिविधियों में आयी शिथिलता और खुदरा महंगाई में हाल की तेजी पर कड़ी नजर रखते भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को लगातार 11वीं बार नीतिगत दरों विशेषकर रेपो दर को यथावत रखने का फैसला किया जिससे ब्याज दरों में कमी की उम्मीद लगाये आम लोगों को निराशा हाथ लगी है। हालांकि नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) को 0.5 प्रतिशत कम करके 4 प्रतिशत कर दिया है जिससे बैंकिंग तंत्र में 1.16 लाख करोड़ रुपये आ गया है।

मई 2022 से 250 आधार अंकों तक लगातार छह बार की वृद्धि के बाद पिछले वर्ष अप्रैल में दर वृद्धि चक्र को रोक दिया गया और यह अभी भी इसी स्तर पर है।

आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय बैठक के बाद चालू वित्त वर्ष की पांचवी द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा करते हुए कहा कि एमपीसी ने मौद्रिक नीति को यथावत बनाए रखने का फैसला किया है। समिति के छह में से चार सदस्यों ने इस निर्णय का समर्थन किया है। इसके मद्देनजर रेपो दर के साथ ही सभी प्रमुख नीतिगत दरें यथावत हैं और मौद्रिक नीति के रूख को न्यूट्रल रखने का निर्णय लिया गया है।

समिति के इस निर्णय के बाद फिलहाल नीतिगत दरों में बढोतरी नहीं होगी। रेपो दर 6.5 प्रतिशत, स्टैंडर्ड जमा सुविधा दर (एसडीएफआर) 6.25 प्रतिशत, मार्जिनल स्टैंडिंग सुविधा दर (एमएसएफआर) 6.75 प्रतिशत, बैंक दर 6.75 प्रतिशत, फिक्स्ड रिजर्व रेपो दर 3.35 प्रतिशत, वैधानिक तरलता अनुपात 18 प्रतिशत पर यथावत है जबकि नकद आरक्षित अनुपात को 4.5 प्रतिशत से कम कर 4.0 प्रतिशत कर दिया गया है इससे बैंकिंग तंत्र में 1.16 लाख करोड़ रुपये आ गये हैं।

उन्होंने कहा कि सभी कारकों को ध्यान में रखते हुए 2024-25 के लिए वास्तविक जीडीपी वृद्धि अनुमान को पहले के 7.2 प्रतिशत से कम कर 6.6 प्रतिशत किया गया है। इसके साथ ही चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही 6.8 प्रतिशत और चौथी तिमाही 7.2 प्रतिशत रहने की संभावना जतायी गयी है।। अगले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में यह 6.9 प्रतिशत और दूसरी तिमाही में 7.3 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है।

श्री दास ने कहा 'एमपीसी ने नोट किया कि अक्टूबर नीति के बाद से भारत में निकट अवधि की मुद्रास्फीति और विकास परिणाम कुछ हद तक प्रतिकूल हो गए हैं। हालांकि, आगे चलकर, रिजर्व बैंक के सर्वेक्षणों में परिलक्षित व्यापार और उपभोक्ता भावनाओं में वृद्धि के साथ-साथ आर्थिक गतिविधि में सुधार होने की संभावना है। मुद्रास्फीति में हाल ही में हुई वृद्धि मुद्रास्फीति के दृष्टिकोण और अपेक्षाओं पर कई और अतिव्यापी झटकों के निरंतर जोखिमों को उजागर करती है। भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं और वित्तीय बाजार में अस्थिरता ने मुद्रास्फीति के लिए और अधिक जोखिम बढ़ा दिया है। उच्च मुद्रास्फीति ग्रामीण और शहरी दोनों उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति को कम करती है और निजी खपत पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। एमपीसी ने जोर दिया कि उच्च विकास के लिए मजबूत नींव केवल टिकाऊ मूल्य स्थिरता के साथ ही सुरक्षित की जा सकती है। एमपीसी अर्थव्यवस्था के समग्र हित में मुद्रास्फीति और विकास के बीच संतुलन बहाल करने के लिए प्रतिबद्ध है। तदनुसार, एमपीसी ने इस बैठक में नीति रेपो दर को 6.50 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखने का निर्णय लिया। एमपीसी ने मौद्रिक नीति के तटस्थ रुख को जारी रखने का भी निर्णय लिया क्योंकि यह अवस्फीति और विकास पर प्रगति और दृष्टिकोण की निगरानी करने और उचित रूप से कार्य करने के लिए लचीलापन प्रदान करता है। एमपीसी स्पष्ट रूप से लक्ष्य के साथ मुद्रास्फीति के टिकाऊ संरेखण पर केंद्रित है, जबकि विकास का समर्थन करता है।'

श्री दास ने कहा कि वर्तमान और विकसित हो रही व्यापक आर्थिक स्थिति का आकलन करने के बाद एमपीसी ने तरलता समायोजन सुविधा (एलएएफ) के तहत नीति रेपो दर को 6.50 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखने का निर्णय लिया है। इसके परिणामस्वरूप, स्थायी जमा सुविधा (एसडीएफ) दर 6.25 प्रतिशत पर अपरिवर्तित बनी हुई है और सीमांत स्थायी सुविधा (एमएसएफ) दर और बैंक दर 6.75 प्रतिशत पर बनी हुई है। एमपीसी ने तटस्थ मौद्रिक नीति रुख को जारी रखने और विकास का समर्थन करते हुए लक्ष्य के साथ मुद्रास्फीति के टिकाऊ संरेखण पर स्पष्ट रूप से ध्यान केंद्रित करने का भी निर्णय लिया।

उन्होंने कहा कि ये निर्णय विकास का समर्थन करते हुए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) मुद्रास्फीति के लिए 4 प्रतिशत के मध्यम अवधि के लक्ष्य को प्राप्त करने के उद्देश्य के अनुरूप हैं। उन्होंने कहा कि खुदरा मुद्रास्फीति ऊपरी सहनशीलता स्तर से ऊपर बढ़कर अक्टूबर में 6.2 प्रतिशत हो गई, जो सितंबर में 5.5 प्रतिशत और जुलाई-अगस्त में 4.0 प्रतिशत से कम थी, जो खाद्य मुद्रास्फीति में तेज उछाल और कोर (खाद्य और ईंधन को छोड़कर सीपीआई) मुद्रास्फीति में तेजी से प्रेरित थी। रबी उत्पादन के लिए अच्छे संकेतों का उल्लेख करते हुये कहा कि हालांकि, प्रतिकूल मौसम की घटनाएं और अंतरराष्ट्रीय कृषि वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि खाद्य मुद्रास्फीति के लिए जोखिम पैदा करती है। भले ही हाल के दिनों में ऊर्जा की कीमतों में नरमी आई है, लेकिन इसके बने रहने पर नजर रखने की जरूरत है। व्यवसायों को उम्मीद है कि इनपुट लागतों से दबाव ऊंचा बना रहेगा और बिक्री मूल्यों में वृद्धि चौथी तिमाही से तेज होगी। इन सभी कारकों को ध्यान में रखते हुए, 2024-25 के लिए खुदरा मुद्रास्फीति 4.8 प्रतिशत और तीसरी तिमाही में 5.7 प्रतिशत और चौथी तिमाही में 4.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। अगले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में इसके 4.6 प्रतिशत और दूसरी तिमाही में 4.0 प्रतिशत रहने का अनुमान है । जोखिम समान रूप से संतुलित हैं।

उन्होंने कहा कि समिति के अध्यक्ष सहित चार सदस्यों सौगत भट्टाचार्य, डॉ. राजीव रंजन और डॉ. माइकल देबब्रत पात्रा ने नीतिगत दरों को यथावत बनाये रखने के पक्ष में मतदान किया जबकि डॉ. नागेश कुमार और प्रोफेसर राम सिंह ने नीतिगत रेपो दर को 25 आधार अंकों तक कम करने के लिए मतदान किया।

मॉनिटरी पॉलिसी का ऐलान होते ही शेयर बाजार पर बना दबाव, सेंसेक्स व निफ्टी लुढ़के

नई दिल्ली, एजेंसी। घरेलू शेयर बाजार में आज गिरावट का रुख नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरूआत बढ़त के साथ हुई थी। सुबह 10 बजे तक सेंसेक्स और निफ्टी मामूली उतार-चढ़ाव के साथ कारोबार करते रहे लेकिन जैसे ही आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने मॉनिटरी पॉलिसी पर बोलना शुरू किया, वैसे ही शेयर बाजार गिरावट का शिकार हो गया। पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.22 प्रतिशत और निफ्टी 0.24 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे।

शुरूआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से बजाज ऑटो, बीपीसीएल, आईटीसी, पावर ग्रिड कॉरपोरेशन और आयशर मोटर्स के शेयर 2.05 प्रतिशत से लेकर 0.57 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर सिप्ला, इंडसइंड बैंक, एचडीएफसी बैंक, टाटा मोटर्स और टीसीएस के शेयर 1.03 प्रतिशत से लेकर 0.66 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे।

अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,331 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,392 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 939 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 9 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 21 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 12 शेयर हरे निशान में और 38 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

बीएसई का सेंसेक्स आज 121.69 अंक की मजबूती के साथ 81,887.54 अंक के स्तर पर खुला। बाजार खुलने के बाद इस सूचकांक की चाल में मामूली उतार-चढ़ाव होता रहा। लेकिन सुबह 10 बजे के करीब बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से इस सूचकांक ने लाल निशान में 81,529.33 अंक के स्तर तक गोता लगा दिया। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 178.95 अंक की गिरावट के साथ 81,586.91 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने आज 21.05 अंक की तेजी के साथ 24,729.45 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। शुरूआती कारोबार में ये सूचकांक भी सीमित दायरे में कारोबार करता रहा, लेकिन रिजर्व बैंक की मॉनिटरी पॉलिसी का ऐलान होते ही बाजार में दबाव बन गया।

रुपया सात पैसे की बढ़त के साथ 84.64 डॉलर पर

रुपया गुरुवार को 84.71 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समीक्षा से पहले रुपया शुक्रवार को शुरूआती कारोबार में सात पैसे मजबूत होकर 84.64 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पूंजी के ताजा प्रवाह ने निवेशकों की धारणा को समर्थन दिया। हालांकि घरेलू बाजारों में सुस्त प्रवृत्ति ने रुपये पर दबाव डालने का काम किया। इसके अलावा निवेशकों को आरबीआई की मौद्रिक नीति का भी इंतजार है। इस नीति में मुद्रास्फीति और आर्थिक वृद्धि के बीच संतुलन साधने की कोशिश की जा सकती है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 84.66 प्रति डॉलर पर खुला और सीमित दायरे में कारोबार करता हुआ 84.64 प्रति डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से सात पैसे की बढ़त दशार्ता है। रुपया गुरुवार को 84.71 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दशार्ने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 प्रतिशत की बढ़त के साथ 105.78 पर रहा।

सराफा बाजार में तेजी से उछला सोना

नई दिल्ली, एजेंसी। घरेलू सराफा बाजार में आज तेजी का रुख बना नजर आ रहा है। सोना की कीमत में आज 100 से 110 रुपये प्रति 10 ग्राम की तेजी दर्ज की गई है, जबकि और चांदी के भाव आज 1 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक उछल गए हैं। आज की तेजी के कारण देश के ज्यादातर सराफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 78,040 रुपये से लेकर 77,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 71,550 रुपये से लेकर 71,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बना हुआ है। चांदी के भाव में भी तेजी के कारण दिल्ली सराफा बाजार में इसकी कीमत आज 92,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 78,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,550 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,890 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,940 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,450 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

महंगाई बढ़ने की आशंका से सहमा अमेरिकी बाजार, एशिया में आज हो रहा है मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली, एजेंसी। ग्लोबल मार्केट से आज मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी आज गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इसके विपरीत यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद हुए। एशियाई बाजारों में भी आज मिला-जुला कारोबार हो रहा है। अमेरिका में आज महंगाई के आंकड़े आने वाले हैं। आशंका जताई जा रही है कि महंगाई के आंकड़े में तेजी आ सकती है। इस आशंका के कारण पिछले सत्र के कारोबार के दौरान लगातार दबाव बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.11 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 6,080.05 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 0.20 प्रतिशत टूट कर 19,696.01 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.15 प्रतिशत लुढ़क कर 44,698.55 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार तेजी का रुख बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.16 प्रतिशत की बढ़त के साथ 8,349.38 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.37 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,330.54 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 126.66 अंक यानी 0.62 प्रतिशत उछल कर 20,358.80 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में आज मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 5 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 4 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। निक्केई इंडेक्स 432.78 अंक यानी 1.10 प्रतिशत टूट कर 38,962.82 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 0.92 प्रतिशत फिसल कर 2,419.34 अंक के स्तर तक गिर गया है।

विकास अनुमान में भारी कटौती, 6.6 प्रतिशत दर से बढ़ेगी अर्थव्यवस्था

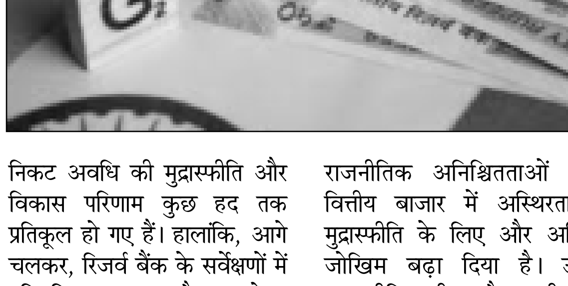

मुंबई, एजेंसी। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में आर्थिक गतिविधियों के 5.4 प्रतिशत कर दर से बढ़ने के मद्देनजर आर्थिक विकास में आयी सुस्ती को ध्यान में रखकर भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को चालू वित्त वर्ष के विकास अनुमान को पहले के 7.2 प्रतिशत से 0.6 प्रतिशत कम कर 6.6 प्रतिशत कर दिया और आर्थिक गतिविधियों को गति देने के उद्देश्य से नकद आरक्षित अनुपात(सीआरआर) में 0.5 प्रतिशत की कटौती कर दी जिससे बैंकिंग तंत्र में 1.16 लाख करोड़ रुपये आ गये।

रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय पांचवी द्विमासिक बैठक के समापन पर शुक्रवार को जारी अपने बयान में कहा 'एमपीसी ने नोट किया कि अक्टूबर नीति के बाद से भारत में निकट अवधि की मुद्रास्फीति और विकास परिणाम कुछ हद तक प्रतिकूल हो गए हैं। हालांकि, आगे चलकर, रिजर्व बैंक के सर्वेक्षणों में परिलक्षित व्यापार और उपभोक्ता भावनाओं में वृद्धि के साथ-साथ आर्थिक गतिविधि में सुधार होने की संभावना है। मुद्रास्फीति में हाल ही में हुई वृद्धि मुद्रास्फीति के दृष्टिकोण और अपेक्षाओं पर कई और अतिव्यापी झटकों के निरंतर जोखिमों को उजागर करती है। भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं और वित्तीय बाजार में अस्थिरता ने मुद्रास्फीति के लिए और अधिक जोखिम बढ़ा दिया है। उच्च मुद्रास्फीति ग्रामीण और शहरी दोनों उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति को कम करती है और निजी खपत पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। एमपीसी ने जोर दिया कि उच्च विकास के लिए मजबूत नींव केवल टिकाऊ मूल्य स्थिरता के साथ ही सुरक्षित की जा सकती है। एमपीसी अर्थव्यवस्था के समग्र हित में मुद्रास्फीति और विकास के बीच संतुलन बहाल करने के लिए प्रतिबद्ध है। तदनुसार, एमपीसी ने इस बैठक में नीति रेपो दर को 6.50 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखने का निर्णय लिया। एमपीसी ने मौद्रिक नीति के तटस्थ रुख को जारी रखने का भी निर्णय लिया क्योंकि यह अवस्फीति और विकास पर प्रगति और दृष्टिकोण की निगरानी करने और उचित रूप से कार्य करने के लिए लचीलापन प्रदान करता है। एमपीसी स्पष्ट रूप से लक्ष्य के साथ मुद्रास्फीति के टिकाऊ संरेखण पर केंद्रित है, जबकि विकास का समर्थन करता है।'

उन्होंने कहा कि सभी कारकों को ध्यान में रखते हुए 2024-25 के लिए वास्तविक जीडीपी वृद्धि अनुमान को पहले के 7.2 प्रतिशत से कम कर 6.6 प्रतिशत किया गया है। इसके साथ ही चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही 6.8 प्रतिशत और चौथी तिमाही 7.2 प्रतिशत रहने की संभावना जतायी गयी है।। अगले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में यह 6.9 प्रतिशत और दूसरी तिमाही में 7.3 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है। उन्होंने कहा कि सीआरआर में आधी फीसदी की कटौती गयी है और अब यह 4 प्रतिशत पर आ गया है जिससे बैंकिंग तंत्र में 1.16 लाख करोड़ रुपये आ गये हैं।

श्री दास ने कहा 'जैसा कि हम 2025 की दहलीज पर खड़े हैं, मुझे 2024 की घटनापूर्ण यात्रा पर विचार करने दें। पिछले कुछ वर्षों में चलन के अनुरूप, केंद्रीय बैंकों को एक बार फिर निरंतर, विशाल और जटिल झटकों के खिलाफ अपनी अर्थव्यवस्थाओं को स्थिर करने के लिए अंतिम परीक्षण के दौर से गुजरना पड़ा। केंद्रीय बैंक लगातार भू-राजनीतिक संघर्षों, भू-आर्थिक विखंडन, वित्तीय बाजार में अस्थिरता और निरंतर अनिश्चितताओं द्वारा निर्मित नए वैश्विक आर्थिक और वित्तीय परिदृश्य के अनुकूल हो रहे हैं, जो सभी वैश्विक अर्थव्यवस्था के लचीलेपन का परीक्षण कर रहे हैं। उन्नत और उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं (ईएमई) दोनों के लिए मुद्रास्फीति की अंतिम मील लंबी और कठिन होती जा रही है। व्यापक आर्थिक और वित्तीय स्थिरता बनाए रखना और बफर बनाना ईएमई के लिए दिशा-निर्देश बने हुए हैं। भारत में, विकास और मुद्रास्फीति के प्रक्षेपवक्र में हाल के विचलन के बावजूद, अर्थव्यवस्था प्रगति की ओर एक निरंतर और संतुलित पथ पर अपनी यात्रा जारी रखे हुए है।

एक नजर

देश का स्वर्ण भंडार बढ़कर 882 टन, आरबीआई ने खरीदा 27 टन सोना

मुंबई/नई दिल्ली, एजेंसी। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने इस साल अक्टूबर में दुनियाभर के अन्य केंद्रीय बैंकों की तुलना में सबसे ज्यादा 27 टन सोना खरीदा है। इसके साथ ही देश का स्वर्ण भंडार बढ़कर 882 टन पहुंच गया है, जिसमें से 510 टन सोना देश में ही मौजूद है। विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) की तरफ से जारी की गई रिपोर्ट के मुताबिक अक्टूबर में दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों ने कुल 60 टन सोना खरीदा। रिजर्व बैंक ने सबसे ज्यादा 27 टन सोना खरीदा। इसके बाद तुर्किये का केंद्रीय बैंक 17 टन सोना के साथ भारत के आरबीआई के बाद दूसरे और पोलैंड 8 टन सोना के साथ तीसरे स्थान पर रहा। रिपोर्ट के मुताबिक भारत, तुर्किये और पोलैंड के केंद्रीय बैंकों की कुल वैश्विक स्वर्ण खरीदारी में 60 फीसदी हिस्सेदारी रही है। चीन का केंद्रीय बैंक सोना खरीदने के मामले में चौथे और अजरबैजान पांचवें स्थान पर रहा। कजाकिस्तान के केंद्रीय बैंक ने लगातार पांच महीने तक सोना बेचने के बाद अक्टूबर में पहली बार खरीदारी की। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) की मासिक रिपोर्ट पर आधारित डब्ल्यूजीसी के आंकड़ों के अनुसार उभरते देशों के केंद्रीय बैंकों ने सोना की खरीदारी में अपना दबदबा कायम रखा है। आरबीआई ने इस वर्ष जनवरी से अक?टूबर तक कुल 77 टन सोना खरीदा है। ये पिछले साल की समान अवधि की तुलना में पांच गुना ज्यादा है। रिपोर्ट के मुताबिक इस दौरान तुर्किये ने अपने स्वर्ण भंडार में 72 टन और पोलैंड ने 62 टन सोने की बढ़ोतरी की है। वहीं, सिंगापुर समेत कई देशों के केंद्रीय बैंकों ने अक्टूबर में सोना बेचा है। इनमें जर्मनी, मंगोलिया, जॉर्डन, थाईलैंड और फिलीपीन भी शामिल हैं।

रॉयल एनफील्ड सोशल मिशन का 'जर्नी एक्रॉस द हिमालयाज' महोत्सव

नई दिल्ली, एजेंसी। रॉयल एनफील्ड सोशल मिशन का 10 दिवसीय 'जनीईंग एक्रॉस द हिमालयाज' महोत्सव राजधानी दिल्ली में शुरू हो गया है। मिशन द्वारा आज यहां जारी बयान में कहा गया है कि केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कल शाम इस महोत्सव का शुभारंभ किया। रचनात्मक अभिव्यक्तियों, आकर्षक बातचीत, क्यूरेटेड व्यंजनों, लाइव संगीत और इसके कम्युनिटी की कहानियों के माध्यम से हिमालय की अनंत भावना का जश्न मनाने वाले इस उत्सव के लिए 100 हिमालयन कम्युनिटीज के साथ साझेदारी की गयी है। रॉयल एनफील्ड के सामाजिक मिशन के हिस्से के रूप में जनीईंग अक्रॉस द हिमालयाज एक ऐसा पहला मंच है जो सामूहिक कार्रवाई की शक्ति का जश्न मनाने के लिए व्यापक दर्शकों को एक साथ लाता है। आयशर ग्रुप फाउंडेशन की कार्यकारी निदेशक बिदिशा डे ने कहा 'हम हिमालय के पार यात्रा में दर्शकों का स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं। रॉयल एनफील्ड सोशल मिशन द्वारा प्रस्तुत यह 10 दिवसीय उत्सव स्थायी प्रारूप के माध्यम से क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत को प्रदर्शित करता है। जब हम हिमालय से कहानियाँ, संगीत और व्यंजन साझा करने के लिए एकत्र होते हैं, तो हम सामूहिक कार्रवाई और इस प्रतिष्ठित क्षेत्र के साथ गहरे संबंध को प्रेरित करने की उम्मीद करते हैं जिसे हम अपना आध्यात्मिक घर कहते हैं।' उन्होंने कहा कि इसमें 50 से ज्यादा कम्युनिटीज, 100 पार्टनर्स, 150 एक्सपट्र्स और 200 कलाकारों और क्रिएटिव प्रोफेशनल्स को एक मंच पर लाकर, यह उत्सव विभिन्न विषयों पर चर्चा करता है ताकि पारस्परिक शिक्षा और विचारों के आदान-प्रदान को बढ़ावा मिले।

आरबीआई ने वित्तीय क्षेत्र में एआई के जिम्मेवार इस्तेमाल के लिए बनाई कमेटी

मुंबई, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने वित्तीय क्षेत्र में एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के जिम्मेवार और नैतिक रूप से सक्षम इस्तेमाल की रूपरेखा तैयार करने के लिए एक समिति बनाए जाने की घोषणा की। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय बैठक के बाद चालू वित्त वर्ष की पांचवी द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा करते हुए शुक्रवार को कहा कि वित्तीय क्षेत्र का परिदृश्य अग्रणी प्रौद्योगिकियों के आगमन के साथ प्रतिमान बदलाव देख रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, टोकनाइजेशन, क्लाउड कंप्यूटिंग जैसी प्रौद्योगिकियां वित्तीय क्षेत्र के लिए परिवर्तनकारी क्षमता रखती हैं क्योंकि वे भारी मात्रा में डेटा को संभाल सकती हैं, जटिल प्रक्रियाओं को स्वचालित कर सकती हैं, निर्णय लेने में सुधार कर सकती हैं और अभूतपूर्व दक्षता ला सकती हैं। हालांकि इनके कई लाभ हैं तो एल्गोरिदमिक पूर्वाग्रह, निर्णयों की व्याख्या, डेटा गोपनीयता आदि जैसे जोखिम भी अधिक हैं। श्री दास ने कहा कि इस दिशा में एक कदम के रूप में, वित्तीय क्षेत्र में एआई के जिम्मेदार और नैतिक इस्तेमाल के उद्देश्य रूपरेखा विकसित करने के लिए एक समिति का गठन करने का प्रस्ताव है। समिति में विविध क्षेत्रों के विशेषज्ञ शामिल होंगे और वित्तीय क्षेत्र के लिए एक मजबूत, व्यापक और अनुकूलनीय एसआई रूपरेखा की सिफारिश करेंगे। समिति का विवरण अलग से अधिसूचित किया जाएगा। रिजर्व बैंक गवर्नर ने कहा कि वित्तीय क्षेत्र में डिजिटल धोखाधड़ी को रोकने और कम करने के लिए आरबीआई बैंकों और अन्य हितधारकों के साथ विभिन्न उपाय कर रहा है। इनमें साइबर सुरक्षा, साइबर धोखाधड़ी की रोकथाम और लेन-देन की निगरानी को मजबूत करने के लिए विनियमित संस्थाओं को केंद्रीय बैंक के दिशा-निर्देश शामिल हैं।

फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री में पीएलआई आने से पैदा हुए 2.89 लाख से ज्यादा रोजगार के अवसर: केंद्र

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार द्वारा फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री में प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) स्कीम लागू करने से 31 अक्टूबर तक 2.89 लाख से ज्यादा रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं। यह जानकारी सरकार द्वारा शुक्रवार को दी गई। केंद्रीय फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्रीज मंत्रालय द्वारा जारी बयान में कहा गया कि स्कीम का लाभ उठाने वाली कंपनियों द्वारा पीएलआई के तहत पूरे देश में 213 स्थानों पर 8,910 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है। फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री के लिए पीएलआई (पीएलआईएसएफपीआई) स्कीम को मार्च, 2021 में केंद्रीय कैबिनेट ने 10,900 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ मंजूरी दी थी। यह योजना 2021-22 से लेकर 2026-27 तक के लिए लागू की गई है। मंत्रालय ने बताया कि योजना के तहत लगभग 171 आवेदकों को नामांकित किया गया है। पीएलआईएसएफपीआई के तहत लाभार्थी चयन प्रक्रिया वन-टाइम एक्साइज के रूप में आयोजित की गई थी। पक्षकारों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए इस योजना का व्यापक प्रचार किया गया था। मंत्रालय ने कहा कि इस योजना के तहत घरेलू स्तर पर उगे कृषि उत्पादों (एडिटिव्स, फ्लेवर्स और खाद्य तेलों को छोड़कर) का उपयोग मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेस में करना अनिवार्य किया गया था। इससे स्थानीय कच्चे माल की मांग बढ़ेगी और इसका फायदा विकाशील और ग्रामीण इलाकों को मिलेगा और किसानों की आय में इजाफा होगा। मंत्रालय ने जोर देते हुए कहा, 'इसके अलावा प्रोसेस्ड फूड के लिए कच्चे माल के स्थानीय उत्पादन पर जोर ने अतिरिक्त गैर-कृषि रोजगार के अवसर पैदा किए हैं, इससे ग्रामीण क्षेत्रों के आर्थिक विकास को सहारा मिल रहा है।' इस योजना ने घरेलू मैन्युफैक्चरिंग, मूल्य संवर्धन और कच्चे माल के घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देकर और रोजगार के अवसर पैदा करके देश की समग्र वृद्धि और विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में चमके दिल्ली के प्रणय

● व्यक्तिगत में दो और टीम स्पर्धा में एक स्वर्ण जीता

नईदिल्ली, एजेंसी। प्रणय जनकपुरी के रहने वाले हैं। उन्होंने अपने शानदार प्रदर्शन से ऑस्ट्रेलिया, बोत्सवाना के खिलाड़ियों को हराया है। दक्षिण अफ्रीका के डरबन में कराटे कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में प्रणय शर्मा ने तीन स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। उन्होंने दो पदक व्यक्तिगत और एक टीम स्पर्धा में जीता है।

75 किलो भारवर्ग के फाइनल में शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर जीत हासिल की। इससे पहले उन्होंने बोत्सवाना और दक्षिण अफ्रीका के प्रतिभागियों को मात दी। प्रणय जनकपुरी के रहने वाले हैं। उन्होंने अपने शानदार प्रदर्शन से ऑस्ट्रेलिया, बोत्सवाना के खिलाड़ियों को हराया है। विश्वस्तर पर कराटे चैंपियनशिप में इससे पहले उन्होंने कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप 2022 में भी सिल्वर मेडल जीता था।

गस एटकिंसन ने वेलिंग्टन में रचा इतिहास

न्यूजीलैंड-इंग्लैंड: टेस्ट में 1265 दिन बाद किसी गेंदबाज ने ली हैट्रिक

वेलिंगटन, एजेंसी। न्यूजीलैंड के खिलाफ वेलिंगटन में दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन गस एटकिंसन ने इतिहास रचा। उन्होंने इंग्लैंड के गेंदबाज के लिए 15वीं टेस्ट हैट्रिक ली। तेज गेंदबाज एटकिंसन ने नाथन स्मिथ को गेंद छोड़ने के प्रयास में बोल्ड किया। मैट हेनरी को गली में कैच कराया। फिर टिम साउथी को एलबीडब्लू आउट किया। एटकिंसन की धमाकेदार गेंदबाजी से न्यूजीलैंड की पारी को 125 रनों पर सिमट गई। पहली पारी 280 रन बनाने वाले इंग्लैंड को 155 रन की बढ़त मिली। टेस्ट क्रिकेट में 1265 दिन बाद किसी गेंदबाज ने पहली हैट्रिक ली। इससे पहले 2021 में वेस्टइंडीज के खिलाफ साउथ अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज ने हैट्रिक ली थी। ऐतिहासिक बेसिन रिजर्व में पहली बार किसी गेंदबाज ने हैट्रिक ली।

एटकिंसन टेस्ट हैट्रिक लेने वाले 14वें अंग्रेज

2017 में द ओवल में साउथ अफ्रीका के खिलाफ मोइन अली के बाद टेस्ट क्रिकेट में इंग्लैंड के किसी गेंदबाज ने पहली हैट्रिक ली। 16 साल पहले हैमिल्टन में न्यूजीलैंड के खिलाफ रयान साइडबॉटम ने हैट्रिक ली थी। कुल मिलाकर एटकिंसन टेस्ट हैट्रिक लेने वाले 14वें अंग्रेज बन गए। स्टुअर्ट ब्रॉड ने दो हैट्रिक ली हैं।

गस एटकिंसन के लिए शानदार साल

26 साल के गस एटकिंसन के लिए टेस्ट क्रिकेट में यह पहला साल शानदार रहा है। उन्होंने जुलाई में लॉर्ड्स में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने डेब्यू मैच में 12 विकेट लिए। 26 वर्षीय खिलाड़ी ने अगस्त में श्रीलंका के खिलाफ उसी वेन्यू पर शतक जड़ा और पांच विकेट लिए। अब हैट्रिक ले ली।

हैरी ब्रुक हैं टेस्ट क्रिकेट के बेताज बादशाह

सर डॉन ब्रैडमैन के पहुंचे करीब

नईदिल्ली, एजेंसी। हैरी ब्रूक लगातार अपनी शानदार फॉर्म का मुजाहिरा पेश करते हुए दिख रहे हैं. इन दिनों इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला खेला जा रहा है. ब्रुक मुकाबले की पहली पारी में बैटिंग करते हुए शानदार शतक जड़ चुके हैं. यह टेस्ट सीरीज न्यूजीलैंड की मेजबानी में खेली जा रही है. विदेश सरजमीं पर खेलते हुए ब्रुक के बल्ले से खूब रन निकलते हैं.

विदेशों में खेलते हुए हैरी ब्रुक में ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज सर डॉन ब्रैडमैन की झलक नजर आ रही है क्योंकि धीरे-धीरे वह विदेशी सरजमीं पर टेस्ट में 100 के औसत के करीब पहुंच रहे हैं. वह 90 के औसत को पार कर चुके हैं. ब्रैडमैन ने अपने करियर में विदेशी सरजमी पर खेले गए टेस्ट में 102.84 की औसत से रन बनाए थे. वहीं ब्रूक तक विदेशी सरजमीं पर खेले गए टेस्ट में 91.50 की औसत से रन बना चुके हैं. इस तरह वह धीरे-धीरे डॉन ब्रैडमैन के करीब पहुंच रहे हैं.

लगातार जड़े दो शतक

न्यूजीलैंड दौरे पर ब्रूक अब तक लगातार दो शतक जड़ चुके हैं. न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए सीरीज के पहले टेस्ट में इंग्लिश बल्लेबाज हैरी ब्रुक ने सिर्फ एक पारी में बल्लेबाजी की, जिसमें उन्होंने 15 चौके और 3 छक्कों की मदद से 171 रन स्कोर किए. इसके बाद दूसरे मुकाबले की पहली पारी में बैटिंग करते हुए ब्रुक ने 11 चौके और 5 छक्कों की मदद से 111 रन बनाए.

चेस चैम्पियनशिप:

तानिया सचदेव बोलीं- विश्व चेस चैंपियनशिप का मैच प्लेऑफ में पहुंचा तो लिरेन का पलड़ा भारी

मुंबई, एजेंसी। ग्रैंडमास्टर तानिया सचदेव का मानना है कि डी गुकेश के खिलाफ विश्व शतरंज चैंपियनशिप का मुकाबला अगर प्लेऑफ में खिंचता है तो ज्यादा अनुभवी के कारण गत चैम्पियन डिंग लिरेन का पलड़ा भारी होगा। शुरुआती नौ दौर के बाद दोनों खिलाड़ी एक समान 4.5 अंक के साथ बराबरी पर है। सचदेव को उम्मीद है कि 18 साल के गुकेश आगामी पांच बाजियों में अपने मौकों का भरपूर फायदा उठाने में सफल रहेंगे होंगे।

तानिया ने कहा, गुकेश के लिए निश्चित रूप से शुरुआत में संभावनाएं बहुत अधिक थीं। लेकिन जिस तरह से मैच का रुख बदल गया, मुझे लगता है कि अब थोड़े पिछड़ रहे हैं। तानिया ने कहा, यह मुकाबला अगर टाई-ब्रेक, प्ले-ऑफ में जाता है तो स्पीड शतरंज में अपने अनुभव के कारण मुकाबले पर लिरेन के पास अधिक मौके होंगे। तानिया ने कहा कि भारतीय ग्रैंडमास्टर और चीन के उनके प्रतिद्वंद्वी के बीच मुकाबला उम्मीदों के विपरीत रहा है। उन्होंने कहा, विश्व चैम्पियनशिप मैच की शुरुआत में दुनिया भर के खिलाड़ियों और शतरंज प्रशंसकों के विचार काफी अलग थे। कई लोगों ने कहा था कि गुकेश पर जीत का दावेदार होगा क्योंकि वह शानदार लय में था। उसने अपने प्रदर्शन से अपने स्तर को काफी ऊंचा कर दिया था। उन्होंने कहा, डिंग बहुत ही चुनौतीपूर्ण और पेशेवर तौर पर बहुत मुश्किल समय का सामना कर विश्व चैम्पियनशिप में पहुंचे थे। क्लासिकल में बहुत चर्चा हो रही थी कि क्या यह मैच 14वीं बाजी तक भी पहुंचेगा?

तानिया ने कहा कि लिरेन ने अब तक प्रतियोगिता में 'असाधारण जज्बा' दिखाया है। उन्होंने कहा, लिरेन ने कमाल का जज्बा और धैर्य दिखाया है। गुकेश के पास अब भी कई मौके हैं। इस मुकाबले में कई बार ऐसा हुआ जब गुकेश ने अपनी पकड़ मजबूत की लेकिन हर बार लिरेन ने अच्छी वापसी की।

डुमिनी ने अचानक छोड़ा दक्षिण अफ्रीका टीम का साथ

जोहानिसबर्ग, एजेंसी। जेपी डुमिनी ने निजी कारणों का हवाला देते हुए दक्षिण अफ्रीका की सीमित ओवरों की टीम के बल्लेबाजी कोच पद से इस्तीफा दे दिया है। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने शुक्रवार को इसकी घोषणा की। डुमिनी ने पिछले साल मार्च में दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजी कोच का पद संभाला था। सीएसए ने कहा कि उन्होंने आपसी सहमति के बाद तुरंत प्रभाव से अपना पद छोड़ दिया है।

सीएसए ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ''दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट के दिग्गज जेपी डुमिनी मार्च 2023 में अपनी नियुक्ति के बाद से सीमित ओवरों की टीम के कोचिंग स्टाफ के प्रमुख सदस्य रहे हैं। उनके स्थान पर सीमित ओवरों की टीम के लिए जल्द ही बल्लेबाजी कोच की नियुक्ति की जाएगी। डुमिनी ने 2004 से 2019 के बीच 15 साल के करियर में दक्षिण अफ्रीका के लिए 46 टेस्ट, 199 वनडे और 81 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले।

ट्रैविस हेड ने बेटे हैरिसन को समर्पित किया शतक, गोद में बच्चा उठाए झूमी पत्नी

एडिलेड (एजेंसी)। एडिलेड टेस्ट में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ट्रैविस हेड ने शानदार शतक लगाकर अपने नवजात शिशु हैरिसन के लिए प्यार दिखाया। हेड ने भारत के खिलाफ और एडिलेड में अपनी शानदार फॉर्म जारी रखी और 111 गेंदों में अपना शतक बनाकर ऑस्ट्रेलिया को पिंक टेस्ट में मजबूत स्थिति प्रदान कर दी।

बाएं हाथ के बल्लेबाज ने शुरुआत से ही भारतीय गेंदबाजों पर कड़ा प्रहार किया और इस ऐतिहासिक उपलब्धि तक पहुंचते हुए 10 चौके और 3 छक्के लगाए। हेड ने शतक पूरा करने के बाद स्टैंड में बैठे परिवार की ओर ईशारा किया। ऑस्ट्रेलियाई स्टार की पत्नी और बच्चे स्टैंड में थे। अभी बीती 4 नवंबर को ही हेड के घर बेटे हैरिसन ने जन्म लिया था। ऐसे में ऐतिहासिक मुकाबले को देखने के लिए हेड की पत्नी अपने बच्चे के साथ विशेष तौर पर स्टैंड में मौजूद रही। पिंक टेस्ट के दौरान ट्रैविस हेड ने सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड भी बना दिया।

इंग्लैंड-न्यूजीलैंड दूसरा टेस्ट

टीम इंडिया पर मंडराया पारी की हार का खतरा

105 रन पर भारत की आधी टीम पवेलियन लौटी

एडिलेड टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया 337 पर ऑलआउट

कमिंस ने रोहित शर्मा को बोल्ड किया ,कोहली ने दो पारियों में कुल 18 रन बनाए

एडिलेड (एजेंसी)। भारत ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दूसरे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 337 रन पर ऑलआउट कर दिया। कंगारुओं ने ट्रैविस हेड (140 रन) और मार्नस लाबुशेन (64 रन) की पारियों के दम पर 157 रनों की बढ़त बनाई।

फिलहाल एडिलेड में डे-नाइट टेस्ट के दूसरे दिन के तीसरे सेशन का खेल जारी है। भारत ने दूसरी पारी में 5 विकेट के नुकसान पर 128 रन बना लिए। ऋषभ पंत और नीतीश रेड्डी क्रीज पर हैं। रोहित शर्मा 6, केएल राहुल 7, विराट कोहली 11, शुभमन गिल 28 और यशस्वी जायसवाल 24 रन बनाकर आउट हुए। स्कॉट बोलैंड और पैट कमिंस को 2-2 विकेट मिले। मिचेल स्टार्क ने शुभमन गिल को बोल्ड किया।

विराट कोहली 11 रन बनाकर आउट हुए, उन्हें स्कॉट बोलैंड ने विकेट के पीछे एलेक्स कैरी के हाथों कैच कराया। कोहली एक ही चौका लगा सके, उन्होंने पहली पारी में 7 रन बनाए थे।

भारत की दूसरी पारी के चौथे ओवर में केएल राहुल आउट हुए। यहां कप्तान कमिंस ने शॉर्ट लेंथ की बॉल डाली थी। राहुल पुल करने गए और विकेटकीपर कैरी को कैच दे बैठे। उन्होंने 7 रन बनाए। यशस्वी जायसवाल ने भारत की दूसरी पारी के पहले ओवर में चौका जमाया। उनके इस चौके से भारतीय टीम का खाता खुला। नई बॉल से पहला ओवर डालने आए मिचेल स्टार्क ने चौथे स्टंप पर ओवरपिच बॉल डाली, जिस पर जायसवाल ने स्क्वैयर कट करके चौका जमाया।

हेड ने छक्का मारा, तो सिराज ने अगली बॉल पर बोल्ड किया

82वें ओवर में ऑस्ट्रेलिया ने 7वां विकेट गंवा दिया है। यहां ट्रैविस हेड 140 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने सिराज के ओवर की तीसरी बॉल पर छक्का मारा, फिर सिराज ने अगली ही बॉल पर उन्हें बोल्ड किया।

गुकेश-लिरेन की 9वीं बाजी ड्रॉ, सिर्फ 'राजा' बचा रहा

सिंगापुर (एजेंसी)। वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप के फाइनल में गुरुवार को डी गुकेश और चीन के डिंग लिरेन की 9वीं बाजी ड्रॉ रही। यह मैच किंग वर्सेज किंग पर ड्रॉ रहा यानी दोनों खिलाड़ियों के पास राजा का मोहरा बचा रहा। इस मुकाबले में 54 चालों के बाद दोनों खिलाड़ी ड्रॉ पर सहमत हुए।

32 साल के चीन ग्रैंड मास्टर लिरेन ने पहला मुकाबला जीता था, जबकि 18 साल के भारतीय ग्रैंड मास्टर गुकेश तीसरी बाजी अपने नाम की थी। दूसरी, चौथी, पांचवीं, छठी, सातवीं और आठवीं बाजी ड्रॉ रही। लगातार 6 बाजियां ड्रॉ रहीं। मुकाबले में अब तक 7 बाजियां बराबरी पर छूटीं। 9वीं बाजी ड्रॉ रहने के बाद दोनों खिलाड़ियों के 4.5-4.5 अंक हो गए हैं। चैंपियनशिप जीतने के लिए 7.5 पॉइंट चाहिए। शुक्रवार (6 दिसंबर) को आराम का दिन था। इसके बाद दोनों खिलाड़ी शनिवार को फिर मुकाबला शुरू किया। 25 लाख डॉलर (करीब 21.14 करोड़ रुपए) इनामी चैंपियनशिप में अब सिर्फ 5 मुकाबले बचे हैं। अगर 14 राउंड के बाद भी स्कोर बराबर रहता है, तो विनर तय करने के लिए 'फास्टर टाइम कंट्रोल' के तहत बाजियां होंगी।

गुकेश ने कैटालान ओपनिंग की, लिरेन टाइम प्रेशर में दिखे

गुकेश ने सफेद मोहरों से कैटालान ओपनिंग की। यहां भी लिरेन ने ओपनिंग से निपटने के लिए काफी समय लिया। पहली 14 चालों में गुकेश ने जहां 15 मिनट लिए। वहीं, लिरेन ने 50 मिनट लगाए। मिडिल गेम में गुकेश को 20वीं चाल में लिरेन पर दबाव बनाने का मौका मिला, लेकिन लिरेन ने बेहतरीन चालों से गुकेश को लाभ नहीं लेने दिया। एक समय लिरेन 30 मिनट से पीछे थे, लेकिन उन्होंने समय के दबाव के बावजूद सही चालें चलीं और मुकाबले को बराबरी पर ले आए। इस दौरान गुकेश ने अपने अतिरिक्त समय का उपयोग किया। 23वीं चाल में वे लिरेन से समय के मामले में पिछड़ गए। 24वीं चाल के बाद यह तय हो गया कि बाजी ड्रॉ रहेगी और अंत में ऐसा ही हुआ।

आखिरी में पिछड़ने लगे थे गुकेश

9वीं बाजी की 41वीं चाल के बाद लिरेन को फायदा मिला और डी गुकेश पिछड़ने लगे थे। थोड़े ब्रेक के बाद 54वीं चाल में चेस बोर्ड में राजा बनाम राजा की स्थिति बनी और दोनों खिलाड़ी ड्रॉ पर सहमत हो गए।

जो बोल नहीं सकती, उसके हुनर की गूंज पूरे देश ने सुनी

बरेली (उप्र), एजेंसी। अगर दिल में हौसला है तो कोई भी बाधा आपको सफल होने से नहीं रोक सकती। बरेली की मूक-बधिर बेटी रिदम शर्मा ने ऐसा कर दिखाया है। उन्होंने मलयेशिया की राजधानी कुआलालंपुर में 10वीं एशियन पैसिफिक डेफ एथलेटिक्स चैंपियनशिप में दो स्वर्ण व एक रजत पदक जीतकर नाम रोशन किया है। बरेली की मूक-बधिर बेटी भले ही बोल और सुन नहीं सकती, लेकिन आज उसकी सफलता की गूंज पूरे देश में है। पैरा एथलीट रिदम शर्मा ने एक दिसंबर से मलयेशिया की राजधानी कुआलालंपुर में चल रही 10वीं एशियन पैसिफिक डेफ एथलेटिक्स चैंपियनशिप में दो स्वर्ण व एक रजत पदक जीतकर नाम रोशन किया है। उन्होंने बृहस्पतिवार को 400 मीटर मिक्स रिले व 4×400 मीटर रिले में स्वर्ण पदक हासिल जीते। शुक्रवार को 400 मीटर बाधा दौड़ में रजत पदक अपने नाम किया।

रिदम ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय ऑल इंडिया स्पोर्ट्स काउंसिल ऑफ डेफ के महासचिव सुरेश, डेफ स्पोर्ट्स एसोसिएशन ऑफ यूपी, कोच अजय कश्यप आदि को दिया है। दो माह बाद होने वाली वर्ल्ड डेफ एथलेटिक्स प्रतियोगिता के लिए भी उनका चयन हो चुका है। इस प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने पर उनका चयन डेफलिंपिक्स के लिए भी हो सकता है।

इन प्रतियोगिताओं में भी जीत चुकी हैं पदक

बड़ा बाजार निवासी रिदम (17) ने इससे पहले इंदौर में हुई 35वीं राष्ट्रीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 200 मीटर दौड़, 100 व 400 मीटर बाधा दौड़ में तीन पदक हासिल किए थे। बंगलूरू में आयोजित ट्रायल में शानदार प्रर्दशन के दम पर उनका चयन बीते साल ब्राजील में आयोजित वर्ल्ड डेफ एथलेटिक्स प्रतियोगिता के लिए हुआ था, लेकिन कुछ समस्याओं के कारण वह इसमें प्रतिभाग नहीं कर सकी थीं।

माता-पिता के समझाने पर उन्होंने दोबारा अभ्यास शुरू किया और आज दुनिया के फलक पर छा गईं। उनकी मां पूनम शर्मा गृहिणी और पिता अनुकाम शर्मा प्राइवेट जॉब करते हैं। उन्होंने बताया कि बेटी को आगे बढ़ाने के लिए वह हर संभव प्रयास कर रहे हैं। रिदम लिप रीडिंग तकनीक के सहारे लोगों की बात समझ लेती है। उसने 12 साल की उम्र में ही एथलेटिक्स में अपना भविष्य बनाने का फैसला कर लिया था। मूक-बधिर होने के कारण कोच प्रशिक्षण देने से पीछे हटे तो उन्होंने रेलवे स्टेडियम के कोच अजय कश्यप से संपर्क किया। कोच अजय ने प्रशिक्षण में मदद की और बेटी ने सफलता का शिखर छू लिया।

पैरा एथलीट रिदम शर्मा को किया गया पुरस्कृत

डीएम रविंद्र कुमार ने शुक्रवार को मिशन शक्ति फेज-5 के तहत आयोजित हक की बात, जिलाधिकारी के साथ और वीरांगना सम्मान समारोह में कई खिलाड़ियों, बालिकाओं व महिलाओं को पुरस्कृत किया। रिदम के मलयेशिया में होने की वजह से 20 हजार रुपये की धनराशि और प्रशस्तिपत्र उनके प्रतिनिधि को दिया गया।

फूड इंडस्ट्री में दें अपने भविष्य को उड़ान

कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जिन्हें न सिर्फ तरह-तरह के पकवान खाना अच्छा लगता है, बल्कि वे अच्छे स्वाद को भी भली-भांति पहचान लेते हैं। अगर आप भी उन्हीं में से एक हैं, जिन्हें विशिष्ट प्रकार के व्यंजनों से विशिष्ट लगाव है तो आप अपने इसी लगाव को अपना भविष्य बना सकते हैं। फूड इंडस्ट्री में विकल्पों की भरमार है। लीक से हटकर यह कॅरियर बेहद दिलचस्प होने के साथ-साथ चुनौतीपूर्ण भी है। आइए फूड इंडस्ट्री में मौजूद विकल्पों के बारे में जानें।

फूड क्रिटिक

मार्केट में कौन–से नए फूड प्रोडक्ट आए हैं, इससे लेकर किस रेस्तरां में कौन–से स्वादिष्ट व्यंजन मिलते हैं, इसकी पूरी जानकारी अपनी राइटिंग स्किल के जरिए लोगों तक पहुंचाना फूड क्रिटिक का महत्वपूर्ण काम होता है। फूड क्रिटिक खाने के टेस्ट के साथ ही रेस्तरां की सर्विस के बारे में भी पूरी जानकारी देते हैं। फूड क्रिटिक बनने के लिए विशिष्ट शैक्षणिक योग्यता की जरूरत नहीं होती लेकिन बैचलर डिग्री होनी जरूरी है। बशर्ते आपमें खाने का स्वाद पहचानने, उसे बनाने का तरीका जानने और लिखने की कला होनी चाहिए।

न्यूट्रीशनिस्ट

यदि आप फूड के बारे में वैज्ञानिक तौर पर काफी कुछ जानते हैं तो आप न्यूट्रीशनिस्ट बन सकते हैं। आपको यदि ज्यादा से ज्यादा फूड के बारें में जानकारी हैं कि कौन सा फूड कैसा असर करता है। मोटे होने के लिए क्या खाएं और पतले होने के लिए क्या खाएं। डायबीटिज में क्या खाना फायदेमंद है, हार्ट अटैक से बचने के लिए किन चीजों का सेवन करें या किन चीजों का ना करें, इस तरह की जानकारियां यदि आपकों अच्छी लगती हैं और आपकी इनमें गहरी रूचि है तो आप एक न्यूट्रीशनिस्ट के रूप में अपने कॅरियर को संवार सकतें है

फूड स्टाइलिस्ट

जितना खाने मे टेस्ट का होना जरूरी है, उतना ही खाने का बेहतर और क्रिएटिव दिखना भी जरूरी है। खाने को परोस कर देने का तरीका भी खाने को बेहतर बनाता है। अगर आप में यह स्किल है कि आप किसी भी तरीके के खाने को अच्छी तरह से सजाकर लोगों को उसकी ओर आकर्षित कर सकतें है तो आप फूड स्टाइलिस्ट बन सकतें है। इसकी भी काफी डिमांड है क्योंकि आजकल फाइव स्टार होटल और रेस्तरां में इनकी खासी कमी है। फूड स्टाइलिस्ट बनने के लिए आपका क्रिएटिव होना काफी जरूरी है।

कलिनरी ट्रेंडोलॉजिस्ट

सिर्फ फैशन की दुनिया में ही नहीं, बल्कि फूड इंडस्ट्री में भी ट्रेंड बदलते रहते हैं। कलिनरी ट्रेंडोलॉजिस्ट समय–समय पर फूड को लेकर ग्राहकों की बदलती पसंद या नापसंद की जानकारी अपने क्लाइंट तक पहुंचाते हैं। किस रेस्तरां में कौन–कौन से आइटम परोसे जा रहे हैं। किस रेस्तरां की किस खास चीज को लोग ज्यादा पसंद कर रहे हैं, ये सारी जानकारियां जुटाने का काम कलिनरी ट्रेंडोलॉजिस्ट का ही है। वे फूड इंडस्ट्री में होने वाले बदलावों को जानने के लिए फूड ब्लॉगर्स पर भी अपनी नजर बनाए रखते हैं।

प्रमुख कोर्स

- केटरिंग टेक्नोलॉजी और कलिनरी ऑर्ट्स में बैचलर डिग्री
- फूड प्रोडक्शन में क्राफ्ट सर्टिफिकेट कोर्स
- फूड और बेवरेज सर्विस में डिप्लोमा
- बेकरी और कनफेक्शनरी में डिप्लोमा
- किचन मैनेजमेंट में डिप्लोमा
- गेस्ट सर्विस मैनेजमेंट में डिप्लोमा
- हाउसकीपिंग मैनेजमेंट में डिप्लोमा
- कलिनरी आर्ट्स में एडवांस डिप्लोमा
- कलिनरी आर्ट्स में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा
- हॉस्पिटैलिटी एडमिनिस्ट्रेशन में एमएससी
- डाइअटेटिक्स और फूड सर्विस मैनेजमेंट में एमएससी

फूड फोटोग्राफर

जिन लोगो को खाना काफी पसंद है और वे कुछ क्रिएटिव करना चाहतें हैं तो वे इन चीजों के साथ फूड फोटोग्राफी भी कर सकते हैं। फूड फोटोग्राफी वर्तमान में एक अच्छा कॅरियर ऑप्शन बनकर सामने आया है, जिसकी ओर युवा काफी आकर्षित भी हैं। बतौर फूड फोटोग्राफर आप किसी भी रेस्तरां या मैगजीन के लिए काम कर सकते हैं।

रेस्तरां प्रचारक

किसी रेस्तरां या होटल को फूड ब्लॉगर, मीडिया हाउसेस, मैगजीन या टीवी शो प्रोड्यूसर के माध्यम से आम लोगों के बीच लोकप्रिय बनाने की जिम्मेदारी रेस्तरां प्रचारक की होती है। इनका अहम मकसद ज्यादा से ज्यादा ग्राहकों को अपनी रेस्तरां की तरफ आकर्षित करना है।

स्कूल साइकोलॉजी की दुनिया में तराशें रोजगार

आजकल कुछ स्कूलों में मनोवैज्ञानिक या परामर्शदाता की नियमित व्यवस्था की जाती है। यह व्यवस्था विद्यार्थियों और अध्यापकों दोनों के लिए महत्वपूर्ण साबित हुई है। मनोविज्ञान अपनी पूर्णता में एक ऐसा क्षेत्र है, जहां करियर से जुड़े अनेक विकल्प हैं। स्कूल साइकोलॉजी इसकी महत्वपूर्ण शाखाओं में एक है। स्कूलों में बढ़ते अपराधों को देखते हुए अब स्कूल साइकोलॉजिस्ट की मांग तेजी से बढ़ रही है।

कूल साइकोलॉजिस्ट किसी भी स्कूल की टीम के मुख्य सदस्य होते हैं, जो शैक्षिक मनोविज्ञान, बाल मनोविज्ञान, नैदानिक मनोविज्ञान और सामुदायिक मनोविज्ञान के सिद्धांतो का पालन कर छात्रों में सीखने की क्षमता और अध्यापकों में सिखाने की क्षमता का विकास करते हैं। स्कूल मनोवैज्ञानिक बच्चों के भावनात्मक, व्यवहारिक, और शैक्षिक जरूरतों का अध्ययन कर उनकी समस्याओं का हल करने का हरसंभव प्रयास करते हैं। अगर आपकी रुचि बच्चों के मनोभाव को जानने और उनके डिप्रेशन को दूर करने की दिशा में है तो आप स्कूल साइकोलॉजिस्ट का कॅरियर चुन सकते हैं। आजकल बच्चे सबसे ज्यादा डिप्रेशन का शिकार होते हैं। यही वजह है कि इस क्षेत्र में कॅरियर की भरपूर संभावनाएं पैदा हो रही हैं। ऐसे में आप साइकोलॉजिकल काउंसलिंग करके बच्चों के भविष्य को खराब होने से बचा सकते हैं।

स्कूल साइकोलॉजिस्ट के कार्य

- स्कूल मनोवैज्ञानिक बच्चों के विकास की विशेषताओं को समझने में शिक्षक की सहायता करता है।
- प्रत्येक छात्र विकास की कुछ निश्चित अवस्थाओं से गुजरता है जैसे शैशवास्था, बाल्यावस्था, किशोरावस्था और प्रौढ़ावस्था। विकास की दृष्टि से इन अवस्थाओं की विशिष्ट विशेषताएं होती हैं। यदि शिक्षक इन विभिन्न अवस्थाओं की विशेषताओं से परिचित होता है तो वह अपने छात्रों को भली प्रकार समझ सकता है और छात्रों को उसी प्रकार निर्देशन देकर उनको लक्ष्य प्राप्ति में सहायता कर सकता है। इस बारे में पूर्ण जानकारी भी स्कूल साइकोलॉजिस्ट ही टीचर को देता है।
- बच्चों के नेचर को जानने की कोशिश करता है।
- शिक्षा की प्रकृति एवं उद्देश्यों को समझने में सहायता प्रदान करता है।
- बच्चों की वृद्धि और विकास के बारे में शिक्षकों को ज्ञान देता है।

- बच्चों के अच्छे समायोजन में मदद करता है और कुसमायोजन से बचाता है।
- स्कूल मनोवैज्ञानिक कुछ खास बच्चों की समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी शिक्षक को देता है, जिससे शिक्षक उन बच्चों को अपनी क्लास में पहचान सकें और उनकी आवश्यकतानुसार मदद कर सकें। उनके लिए विशेष कक्षाओं का आयोजन कर सकें और फिर उन्हें परामर्श दे सकें।
- मानसिक रूप से स्वस्थ बच्चों के लक्षणों को पहचानना और ऐसा प्रयास करना कि उनकी इस स्वस्थता को बनाए रखा जा सके, यह कार्य भी स्कूल साइकोलॉजिस्ट का ही होता है।

शैक्षणिक योग्यता

आप किसी भी विषय में इंटरमीडिएट पास करने के बाद साइकोलॉजी विषय में ग्रेजुएशन कर सकते हैं। आम तौर पर इसमें बैचलर ऑफ आर्ट्स यानी बीए की डिग्री दी जाती है लेकिन अगर आपने साइंस से इंटर पास किया है तो साइकोलॉजी में बीएससी ऑनर्स भी कर सकते हैं। फिर पोस्ट ग्रेजुएशन करने के बाद पीएचडी या एमफिल किया जा सकता है।

कहां काम करते हैं स्कूल साइकोलॉजिस्ट

- पब्लिक और प्राइवेट स्कूल
- यूनिवर्सिटीज
- स्कूल आधारित स्वास्थ्य और मानसिक स्वास्थ्य केंद्र
- कम्यूनिटी आधारित डे ट्रीटमेंट या आवासीय क्लीनिक और अस्पताल
- बाल न्याय केंद्र
- प्राइवेट प्रैक्टिस

पर्सनल स्किल

- बेहतर कम्युनिकेशन स्किल
- धैर्य और सहजता
- सभी उम्र के लोगों के साथ काम करने की कला
- आत्मविश्वास
- क्लाइंट को संतुष्ट करने की योग्यता
- लोगों की मदद करने का पैशन
- काम के प्रति लगाव
- संवेदनशीलता
- सहानुभूति की भावना

कहां से करें पढ़ाई

- लेडी श्रीराम कॉलेज फॉर विमन
- जीसस एंड मैरी कॉलेज
- प्रेसिडेंसी कॉलेज, चेन्नई
- क्रिस्ट यूनिवर्सिटी, क्रिस्ट कॉलेज
- सोफिया कॉलेज फॉर विमन
- कमला नेहरु कॉलेज फॉर विमन
- मिठिबाई कॉलेज ऑफ आर्ट्स
- यूनिवर्सिटी ऑफ कोलकाता
- बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी
- गार्गी कॉलेज
- जय हिंद कॉलेज
- जामिया मिलिया इस्लामिया
- ज्योति निवास कॉलेज
- विल्सन कॉलेज, मुंबई
- एमिटी यूनिवर्सिटी, जयपुर
- यूनिवर्सिटी ऑफ लखनऊ
- आशुतोष कॉलेज
- नेयानल डिग्री कॉलेज, जया नगर
- भीम राव अम्बेडकर कॉलेज

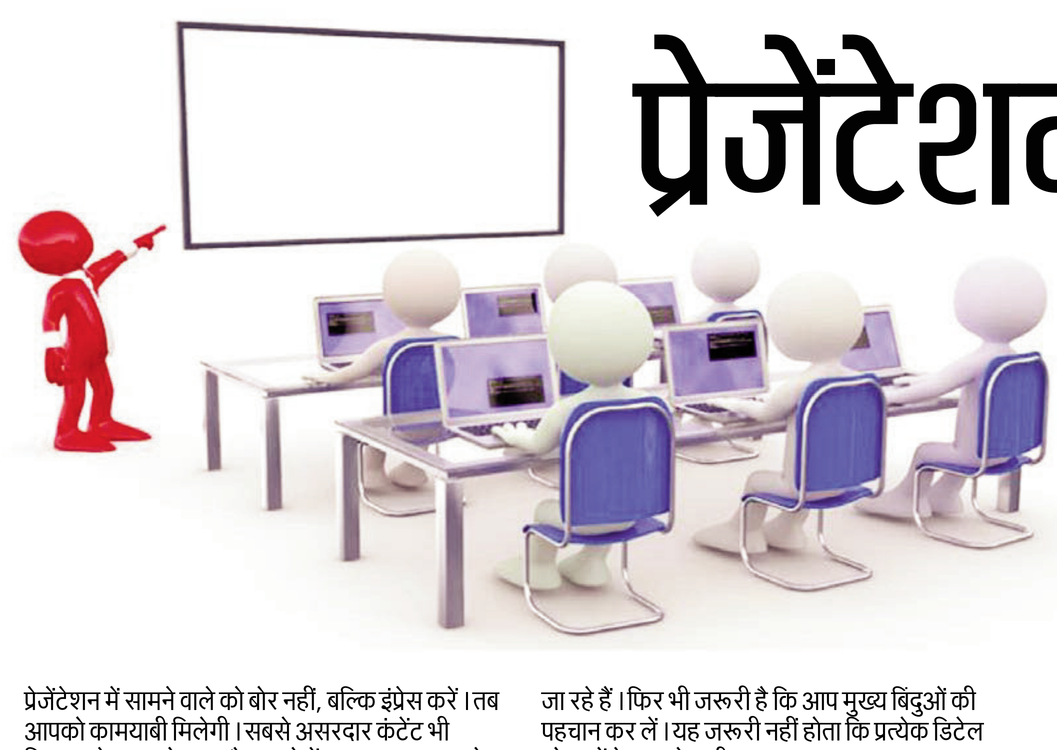

प्रेजेंटेशन स्किल्स से मिलेगी कामयाबी

प्रेजेंटेशन में सामने वाले को बोर नहीं, बल्कि इंप्रेस करें। तब आपको कामयाबी मिलेगी। सबसे असरदार कंटेंट भी बिल्कुल बेअसर हो जाता है, जब प्रेजेंटर का स्टाइल उसके अनुरूप न हो। कई लोग प्रेजेंटेशन के दौरान नर्वस हो जाते हैं, जिसका असर उनके बोलने और बॉडी लैंग्वेज पर पड़ता है। यही कुछ रुकावटें हैं, जिन पर काबू पाना जरूरी होता है। आत्मविश्वास बढ़ने के साथ–साथ यह कमियां दूर हो जाती हैं और आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए अभ्यास, लचीलापन और अपने कंटेंट की गहरी जानकारी बेहद जरूरी होती है।

कटेंट पर ध्यान दें

आपके पास पहले से रोचक, संपूर्ण और सबका ध्यान खींचने वाला कंटेंट होना चाहिए। साथ ही उस मैटेरियल को सबके सामने रखने का आत्मविश्वास भी जरूरी है। अपने माहौल की समझ के साथ–साथ आपको यह ध्यान रखना भी आवश्यक होता है कि आपके संदेश का असर अधिकाधिक लोगों तक पहुंचे। वहीं अपने कंटेंट को तैयार करना इस पर भी निर्भर करता है कि आप किस किस्म की प्रेजेंटेशन देने जा रहे हैं। फिर भी जरूरी है कि आप मुख्य बिंदुओं की पहचान कर लें। यह जरूरी नहीं होता कि प्रत्येक डिटेल श्रोताओं के सामने रखी जाए।

स्टाइल पर ध्यान दें

प्रेजेंटर का स्टाइल ही एक अच्छे प्रेजेंटेशन के लिए जरूरी होता है। इसलिए अपनी स्टाइल और बात करने के तरीके पर खास ध्यान दें।

पूरी जानकारी दें

बेहतर प्रेजेंटेशन दर्शकों को विषय के बारे में अतिरिक्त जानकारी देती है, इसलिए जरूरी है कि विषय की आउटलाइन से शुरुआत की जाए। श्रोताओं को बताएं कि आप क्या विषय उठाना चाहते हैं, ताकि उनकी अपेक्षाएं शुरू में ही स्पष्ट हो जाएं। इससे विषय के प्रति कौतुहल भी बना रहता है।

उदाहरण से बनेगी बात

एक अन्य तथ्य यह है कि प्रेजेंटेशन की शुरुआत और अंत जोरदार तरीके से हो। यदि शुरुआत में आप श्रोताओं का ध्यान नहीं खींच पाते है तो यह आपके पक्ष में नहीं जाता। साथ ही बीच–बीच में रोचक उदाहरण देना भी जरूरी होते हैं।

सुनने वाले के बारे में जानें

आपको सुनने वालों के बारे में सबसे पहले पता लगाना चाहिए कि वे कौन हैं? इसके बाद यह जानना जरूरी होता है कि प्रेजेंटेशन से वे क्या चाहते हैं? उनके लिए क्या सूचना नई होगी और क्या पुरानी? क्या उनकी कुछ विशेष जरूरतें हैं, जिनका आपको ध्यान रखना चाहिए? इसके लिए जरूरी है कि अपनी प्रेजन्टेशन की आउटलाइन आपको स्पष्ट हो। दरअसल, आपको सुनने वाले यदि संतुष्ट होते हैं तो समझिए कि आपकी प्रेजेंटेशन सफल रही।

मोहनलाल की एल 2-एमपुरान की शूटिंग पूरी

मोहनलाल और पृथ्वीराज सुकुमारन की फिल्म एल 2- एमपुरान साल 2025 में आने वाली है। की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। हाल ही में, दिग्गज अभिनेता ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर घोषणा की कि टीम ने फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है। एल 2- एमपुरान के आखिरी शॉट मलमपुझा जलाशय के किनारे शूट किया गया था।

एक्स अकाउंट पर किया व्यक्त

साउथ अभिनेता मोहनलाल ने अपने एक्स अकाउंट पर फिल्म से जुड़ी 14 महीनों की अपनी इस यात्रा को दिखाया है।
इस फिल्म की शूटिंग आठ राज्यों और 4 देशों में हुआ है। इस बात को खुद मोहनलाल ने ही बताया है।

मोहनलाल ने लिखी ये बात

मोहनलाल ने लिखा, यह एल 2- एम्पुरान का समापन है! 8 राज्यों और 4 देशों, जिनमें यूके, यूएसए और यूएई शामिल हैं, में 14 महीने की एक अविश्वसनीय यात्रा। इस फिल्म का जादू पृथ्वीराज सुकुमारन के शानदार निर्देशन के कारण है, जिनकी रचनात्मकता हर फ्रेम को ऊपर उठाती है।

टीम को किया धन्यवाद

मोहनलाल ने लिखा,यह सब समर्पित कलाकारों और क्रू के बिना संभव नहीं होता, जिन्होंने इस कहानी को जीवंत किया। एल 2- एम्पुरान एक कलाकार के रूप में मेरी यात्रा का एक उल्लेखनीय अध्याय रहा है, जिसे मैं हमेशा संजो कर रखूंगा।

मार्च में रिलीज होगी फिल्म

एल 2- एम्पुरान फिल्म ग्लोबली अगले साल 27 मार्च 2025 में रिलीज होने वाली है। फिल्म को देखने के लिए मोहनलाल और पृथ्वीराज सुकुमारन के प्रशंसक उत्साहित हैं। इस फिल्म में मुरली गोपी भी नजर आने वाले हैं। फिल्म मलयालम, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और हिंदी भाषा में रिलीज होने वाली है।

मैं पैपराजी को फोन करके नहीं बुलाती, सोशल मीडिया पर पॉपुलर होने का तरीका बताया

किरदारों में खुद को पूरी तरह से ढाल लेने वाले कलाकारों में से एक अभिनेत्री पत्रलेखा भी है। वह कई फिल्मों में बेहतरीन किरदार निभा चुकी हैं। हाल ही में उन्होंने अपने करियर और सोशल मीडिया पर कैसे पॉपुलर हुआ जा सकता है, इस बारे में एक इंटरव्यू में बात की। पत्रलेखा को अकसर ही जिम के बाहर पैपराजी घेर लेते हैं और उनकी तस्वीरें भी लेती हैं। उनकी जिम फोटोज हमेशा ही शानदार आती हैं। हाल ही में दिए गए इंटरव्यू में पत्रलेखा ने पैपराजी के बारे में कहा कि वह लोग काफी अच्छे होते हैं, अगर मैं उन्हें कहूं कि आज अच्छा गेटअप नहीं है और फोटो मत लो तो वह मेरी बात मान लेते हैं। इस पर इंटरव्यू ले रहे व्यक्ति ने पूछा कि क्या आप पैपराजी को खुद बुलाती हैं। इस पर पत्रलेखा ने कहा बिल्कुल नहीं, मैं ऐसा नहीं करती हूं। इसके जवाब में इंटरव्यू लेने वाला शख्स दोबारा कहता है कि कुछ एक्टर तो पैपराजी को फोन करके बुलाते हैं। इसी बात पर पत्रलेखा भी हामी भरती हैं।

सोशल मीडिया पर रियल रहना चाहिए

इसी इंटरव्यू में उनसे सवाल किया जाता है कि वह अपनी बहुत सी सेल्फी खींच कर सोशल मीडिया पर डालती हैं। उनको इस पर खूब लाइक्स भी मिलते हैं। क्या सोशल मीडिया पर कुछ भी शेयर करने से पहले वह सोच-विचार करती हैं। पत्रलेखा इस सवाल के जवाब में कहती हैं, 'ऐसा नहीं है। मुझे अपनी जो फोटो अच्छी लगती है, सही लगती है, वह मैं शेयर कर देती हूं। मैं अपने मन की सुनती हूं, अपने मन की करती हूं।' पत्रलेखा सोशल मीडिया पर खुद को रियल रखती हैं, शायद इसी वजह से उनके फॉलोअर बढ़ते जाते हैं।

राजकुमार से मिलती है फिल्में देखने की सलाह

पत्रलेखा यह भी बताती हैं कि जब राजकुमार राव घर पर होते हैं तो उन्हें कोई फिल्म या शो देखने का सजेशन देते हैं। इसी तरह से वह भी राजकुमार राव को अच्छी फिल्में सजेस्ट करती हैं। दोनों कम समय साथ में बीता पाते हैं लेकिन जब भी साथ होते हैं तो मनपसंद खाना खाते हैं।

ऋतिक रोशन-एनटीआर की वॉर 2 से जुड़े तीन एक्शन निर्देशक, हॉलीवुड की फिल्मों के लिए भी कर चुके हैं काम

बॉलीवुड की बहुप्रतीक्षित फिल्म वॉर 2 को लेकर फैंस काफी उत्साहित हैं। अब खबर आ रही है कि फिल्म से तीन एक्शन निर्देशक को जोड़ा गया है, जिनमें हॉलीवुड की वेनम और एवेंजर्स एज ऑफ अल्ट्रॉन जैसी फिल्मों के लिए काम कर चुके निर्देशक शामिल हैं।
ऋतिक रोशन, जूनियर एनटीआर और कियारा आडवाणी जैसे सितारों से सजी वॉर 2 बॉलीवुड की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। इस फिल्म को मशहूर निर्देशक अयान मुखर्जी निर्देशित कर रहे हैं। इस फिल्म ने घोषणा के बाद से ही दर्शकों का ध्यान आकर्षित कर लिया है। फिल्म को लेकर फैंस की जबर्दस्त उत्सुकता को देखते हुए निर्माता इसमें किसी तरह की कोई कमी नहीं छोड़ना चाहते हैं। इस वजह से फिल्म के निर्माताओं ने इसके क्लाइमैक्स को शानदार सिनेमाई अनुभव बनाने के लिए हॉलीवुड के एक्शन निर्देशकों को फिल्म से जोड़ा है, जिन्होंने वेनम, ऐज ऑफ अल्ट्रॉन, के साथ-साथ जवान और पठान जैसी फिल्मों का एक्शन निर्देशित किया है।

वॉर 2 से जुड़े हॉलीवुड फिल्मों के एक्शन निर्देशक

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसके शानदार एक्शन सीक्वेंस के लिए तीन मशहूर एक्शन निर्देशकों को फिल्म से जोड़ा गया है, जिनमें अमेरिकी स्टंट कोर्डिनेटर स्पाइरो रजाटोस, सी योंग ओह, और सुनील रोड्रिग्स हैं। स्पाइरो रजाटोस ने इससे पहले वेनम और द फेट ऑफ द फ्यूरियस जैसी फिल्मों का एक्शन निर्देशन किया है। वहीं, एवेंजर्स- एज ऑफ अल्ट्रॉन में सी योंग ओह तथा जवान और पठान में सुनील रोड्रिग्स ने काम किया है। बताया जा रहा है कि यह तिकड़ी एक शानदार और स्टाइलिश फाइट सीक्वेंस तैयार कर रही है, जो दर्शकों को लिए एक बेहद शानदार अनुभव होने वाला है।

दमदार होगा फिल्म का क्लाइमेक्स

फिल्म को एक शानदार अनुभव बनाने के निर्माताओं द्वारा काफी सारी चीजें की जा रही हैं, जिसके तहत फिल्म के क्लाइमेक्स में दर्शकों को सांस रोक देने वाला एक्शन सीक्वेंस दिखाया जाएगा। मिड-डे की एक रिपोर्ट के अनुसार, ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर दिसंबर के मध्य में मुंबई में हाई-ऑक्टेन क्लाइमेक्स सीन की शूटिंग करेंगे, जिसे 15 दिनों के शेड्यूल में पूरा किया जाएगा। दोनों कलाकार गोरेगांव में फिल्म सिटी और अंधेरी के वाईआरएफ स्टूडियो में इसकी शूटिंग करेंगे। बताया जा रहा है कि निर्माता आदित्य चोपड़ा और निर्देशक अयान मुखर्जी व्यक्तिगत रूप से सेट डिजाइन और जटिल एक्शन कोरियोग्राफी की देखरेख कर रहे हैं।

अगले साल स्वतंत्रता दिवस पर रिलीज होगी वॉर 2

बताते चलें कि यशराज फिल्म्स की वॉर 2 अगले साल 2025 में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर रिलीज होने वाली है। इस फिल्म को आदित्या चोपड़ा द्वारा बनाया जा रहा है, जबकि अयान मुखर्जी इसका निर्देशन कर रहे हैं। फिल्म से जूनियर एनटीआर अपना बॉलीवुड डेब्यू करेंगे, जो बॉलीवुड सुपरस्टार ऋतिक रोशन के साथ दमदार एक्शन करते दिखाई देंगे।

नेटफ्लिक्स प्रोजेक्ट में इमरान खान के अपोजिट नजर आएंगी भूमि पेडनेकर

अभिनेता इमरान खान साल 2015 से सिल्वर स्क्रीन से गायब हैं। हालांकि, खबरें हैं कि वो अब एक नए नेटफ्लिक्स प्रोजेक्ट के साथ वापसी करने वाले हैं। यह फिल्म एक रोमांटिक कॉमेडी होगी, जिसका निर्देशन दानिश असलम करेंगे। दानिश ने इमरान की फिल्म ब्रेक के बाद का भी निर्देशन किया था। वहीं, इस नेटफ्लिक्स प्रोजेक्ट में नजर आने वालीं अभिनेत्री को लेकर भी चर्चाएं तेज हो गई हैं। एक नाम भी सामने आया है।

इमरान के अपोजिट नजर आएंगी भूमि

कथित तौर पर अभिनेत्री भूमि पेडनेकर इस बहुप्रतीक्षित फिल्म में इमरान खान के अपोजिट नजर आएंगी। हालांकि, अभिनेत्री ने अभी तक कॉन्ट्रैक्ट पर साइन नहीं किया है। अगर वह फिल्म का हिस्सा बनती हैं तो यह भक्षक और आगामी द रॉयल्स के बाद नेटफ्लिक्स इंडिया के साथ उनका तीसरा सहयोग होगा।

मार्च 2025 में शुरू होगी शूटिंग!

फिल्म की स्क्रिप्ट फिलहाल अपने अंतिम चरण में है, जिसका मसौदा अगले महीने पूरा होने की उम्मीद है। इसके तुरंत बाद प्री-प्रोडक्शन शुरू हो जाएगा और टीम की योजना मार्च 2025 में शूटिंग शुरू करने की है। इमरान के फैंस उनकी स्क्रीन पर वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

ट्रोलिंग करने वालों के मजे लेती हूं

टीवी पर दुल्हन बनू मैं तेरी से रातों-रात लोकप्रिय होने वाली दिव्यांका त्रिपाठी ने छोटे पर्दे पर एक अरसा बिताने वाली ये अभिनेत्री नच बलिये और फियर फैक्टर ्खतरों के खिलाड़ी जैसे रिएलिटी शोज में भी अपना जलवा दिखा चुकी हैं। इन दिनों वे वेब सीरीज द मैजिक ऑफ शीरी में दिखाई दे रही हैं। उनसे एक बातचीत। अपनी सीरीज के बारे में वे कहती हैं, ये कहानी सिर्फ एक औरत के अधूरे सपनों को पूरा करने की नहीं है बल्कि बुजुर्गों की कहानी भी है कि वे कैसे इफेक्ट हो रहे हैं? बच्चों पर क्या असर पड़ता है? जब एक औरत असंतुष्ट रहती है? वहीं सलीम बने जावेद जाफरी की अपनी कहानी है, जो बताती है कि जादूगर बनने के लिए उन्होंने क्या-क्या बलिदान दिए। मैं इसमें जादूगर बनने का सपना पूरा करती हूं और उसके लिए मेरे किरदार शीरी को किस तरह की कठिनाइयों से गुजरना पड़ता है, यही हमारी वेब सीरीज है।
ट्रोल्स के बारे में वे हंसते हुए कहती हैं, हम जो सामाज हैं, उसी का तो प्रतिबिंब है सोशल मीडिया। अब उन्हें पता है कि उनके पास एक पर्दा है उस पर्दे की आड़ में वे अपनी कुटिल सोच को सामने लाते हैं। तो हम किसी एक ट्रोलर्स या बंदे को ब्लेम नहीं कर सकते, हमारी सोसायटी की सोच ही ऐसी है। हमें उसके बारे में सोचना चाहिए। एक जमाने में हमारे घरों में चुगलखोर आंटियां हुआ करती थीं। ये ट्रोलिंग करने वाले वही तो हैं चुगलीखोर। मेरे फैंस भी इस बात के बहुत मजे लेते हैं। मैंने ट्रोल्स करने वालों के नाम रख दिए हैं आंटी और चाची, तो जब वे ट्रोलिंग करते हैं, तो मैं पूछ बैठती हूं, अरे आंटी आप दोबारा आ गईं। एक जीजाजी (ट्रोल्स) हैं, जो हमेशा रूठे रहते हैं। मेरा मानना है कि जब आप इनका कुछ नहीं बिगाड़ सकते, तो फिर मजे ले लो।

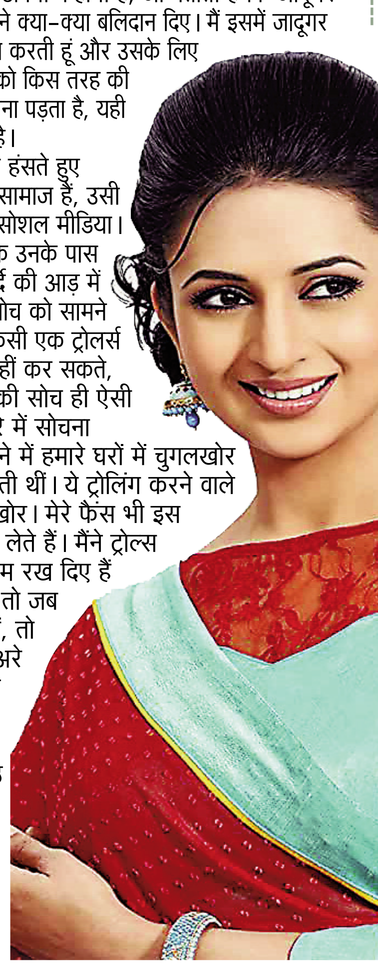

सिल्वर स्क्रीन पर आमने सामने होंगे अजय और ऋतिक

2020 में तान्हाजी- द अनसंग वॉरियर की सफलता के बाद, अभिनेता-निर्माता अजय देवगन अनसंग वॉरियर्स फ्रेंचाइजी में दूसरी किस्त की योजना बना रहे हैं। जानकारी के अनुसार, अजय देवगन और निर्देशक ओम राउत महीनों से इस परियोजना पर चर्चा कर रहे हैं। दोनों को शुरू में 17वीं सदी के मराठा सेना के जनरल बाजी प्रभु देशपांडे की कहानी बताने में रुचि थी। हालांकि, इसी विषय पर आधारित मराठी फिल्म पवनखिंड (2022) की रिलीज के बाद योजनाएं बदल गईं। प्रोजेक्ट पर आया नया अपडेट यकीनन उत्साह बढ़ाने वाला है।

अजय देवगन-ओम राउत के बीच चल रही चर्चा!

एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, अजय देवगन और ओम राउत दो विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। वे या तो एक ही कहानी को बड़े पैमाने पर बताएं, या मराठा साम्राज्य से किसी अन्य नायक को चुनें। बातचीत अभी शुरुआती चरण में है। उन्होंने बाजी प्रभु की बायोपिक बनाने के विचार को पूरी तरह से खत्म नहीं किया है, क्योंकि उस मोर्चे पर काफी शोध और योजना बनाई गई थी।

ऋतिक रोशन होंगे खलनायक!

विशेष रूप से, तान्हाजी में अजय देवगन ने तान्हाजी मालुसरे की भूमिका निभाई और अपने प्रदर्शन के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय पुरस्कार जीता। अगला भाग अनसंग वॉरियर्स फ्रेंचाइजी की दूसरी किस्त मालूम होती है। अजय देवगन फिल्म में मुख्य भूमिका निभाएंगे और वह इसमें खलनायक के रूप में ऋतिक रोशन को साइन करना चाहते हैं।
अजय वर्सेज ऋतिक की खबर ने बढ़ाया बज
जानकारी के अनुसार, अजय को लगता है कि ऋतिक के पास जबरदस्त स्क्रीन उपस्थिति और करिश्माई ताकत है। वह स्क्रीन पर एक बेहतरीन प्रतिद्वंद्वी बनकर उभरेंगे। अगर यह सहयोग होता है, तो यह दो बॉलीवुड सुपरस्टारों का पहला ऑन-स्क्रीन मिलन होगा। सीक्वल में शरद केलकर छत्रपति शिवाजी महाराज की अपनी भूमिका को दोहरा सकते हैं।
हालांकि, देवगन या राउत ने अभी तक कलाकारों और कहानी के बारे में आधिकारिक घोषणा नहीं की है। काम के मोर्चे पर पेशेवर मोर्चे पर, अजय देवगन को हाल ही में सिंघम अगेन में देखा गया था। आने वाले दिनों में अभिनेता सन ऑफ सरदार 2 और दे दे प्यार दे 2 में नजर आएंगे। इस बीच, ऋतिक रोशन वॉर 2 में कबीर के रूप में अपनी वापसी के लिए तैयारी कर रहे हैं, जहां वह जूनियर एनटीआर के साथ स्क्रीन साझा करेंगे। वॉर 2, वॉर (2019) की बड़ी सफलता के बाद उसका बहुप्रतीक्षित सीक्वल है।

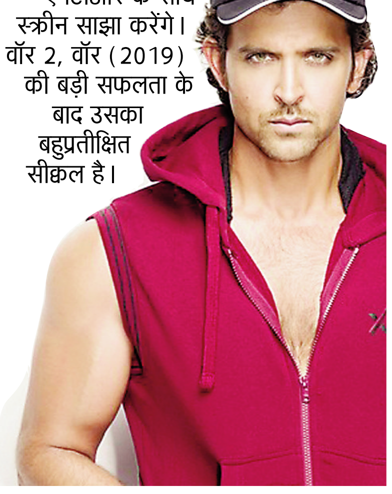

4 दिसंबर को रिलीज किया जाएगा वरुण की फिल्म बेबी जॉन का ट्रेलर

वरुण धवन इन दिनों अपनी वेब सीरीज व सिटाडेल हनी बनी की सफलता का लुत्फ उठा रहे हैं। अब वे अपनी अगली फिल्म बेबी जॉन की तैयारी में जुटे हुए हैं। यह फिल्म इस साल क्रिसमस पर रिलीज हो रही है। इसी बीच ट्रेलर रिलीज की तारीख पर बड़ा अपडेट सामने आया है। फिल्म का ट्रेलर 4 दिसंबर को रिलीज किया जाएगा। ट्रेलर को एक भव्य कार्यक्रम में लॉन्च करने की खबरें हैं, जिसमें फिल्म की टीम भी शामिल होगी। एटली द्वारा निर्मित बेबी जॉन में कीर्ति सुरेश, वामिका गब्बी, सान्या मल्होत्रा, जैकी श्रॉफ और राजपाल यादव सहित कई मजबूत कलाकार हैं। सिटाडेल: हनी बनी में वरुण के प्रदर्शन की प्रशंसा की गई और दर्शकों को उम्मीद है कि वह बेबी जॉन में एक और मजबूत एक्शन भूमिका देंगे। बेबी जॉन एटली की 2016 की तमिल फिल्म थेरी की रीमेक है। फिल्म में सलमान खान का कैमियो भी होगा। इसका निर्देशन ए. कालीस्वरन ने किया है और इसे जियो स्टूडियोज, एटली ने ए फॉर एप्पल स्टूडियोज और सिने 1 स्टूडियोज के साथ मिलकर बनाया है।

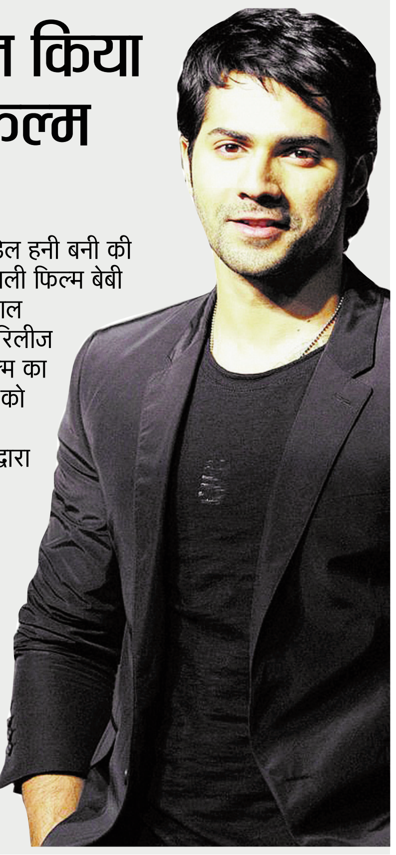

एनसीआर समाचार प्रा. लि. की ओर से मुद्रक, प्रकाशक मो. हनीफ द्वारा आर.डी. प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड, ए-41 सेक्टर-8 नोएडा, यू.पी.-201301 से मुद्रित व जी-12/276बी, संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोनः 8888883968, 9811111715 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **संपादक : मो इस्माईल खान** RNI No. DLHIN/2010/37009